International Year of Cooperatives

2025

Cooperatives Build a Better World

वार्षिक प्रतिवेदन 2024–25

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे और फिजी के उप प्रधानमंत्री मनोआ कामिकामिका और अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति दिनांक 25-29 नवंबर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन और आम सभा 2024 में उपस्थित हुए।

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी महात्मा मंदिर, गांधीनगर, गुजरात में आयोजित 102वें अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ, शासी परिषद के सदस्य
(दिनांक: 31.03.2025 तक)

श्री दिलीप संघाणी
अध्यक्ष

डॉ. बिजेंदर सिंह
उपाध्यक्ष

श्री के. शिवदासन नायर
उपाध्यक्ष

डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव

श्री घनश्यामभाई एच. अमीन

श्री सत्यनारायण शर्मा

श्री एच. के. पाटिल

श्री जेठाभाई अहीर

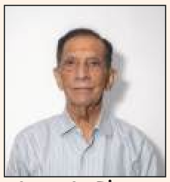
श्री सुखबीर सिंह पंवर

श्री स्वर्ण कमल साहा

श्री सुनील कुमार सिंह

श्री के. एन. के. नायर

श्री मंगलजीत राय

श्री मानवेंद्र सिंह

श्री मुदित वर्मा

श्री संजीव कुसालकर

श्री वी. वी. पी. नायर

श्री प्रदीप कुमार

श्रीमती जीना पोतसंगबाम

डॉ. उदय जोशी
शासकीय नामांकित

श्री अरुण सिंह तोमर
सहयोजित सदस्य

श्री विशाल सिंह
सहयोजित सदस्य

श्री गुरप्रताप सिंह खुशालपुर
स्थायी विशेष आमंत्रित

डॉ. सुधीर महाजन, आई.ए.एस.(सेवानिवृत्त)
मुख्य कार्यकारी

वार्षिक रिपोर्ट
2024-25
विषय सूची

अध्याय	विवरण	पृष्ठ संख्या
अध्याय 1	प्रबंधन और प्रशासन	05
अध्याय 2	सहकारी शिक्षा और प्रशिक्षण	09
अध्याय 3	सामान्य सहकारी नीतियां	42
अध्याय 4	जनसंपर्क और प्रकाशन	47
अध्याय 5	राजभाषा	52
अध्याय 6	अंतरराष्ट्रीय संबंध	55
अध्याय 7	कॉप कनेक्ट	73
अध्याय 8	राष्ट्रीय सहकारी डेटा बैंक (एनसीडीबी)	77
अध्याय 9	राष्ट्रीय सहकारी संसाधन केंद्र एवं सहकारी विस्तार एवं सलाहकार सेवा	79
अध्याय 10	एनसीयूआई “हाट”	84
अध्याय 11	उद्यमिता विकास एवं सहयोग केंद्र (सीईडीसी)	90
अध्याय 12	सदस्य संस्थाओं की रिपोर्ट	94

अध्याय 1

प्रबंधन और प्रशासन

सदस्यता

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ की सदस्यता राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समितियों, राज्य सहकारी संघों, राज्य स्तरीय सहकारी महासंघों और बहु-राज्य सहकारी समितियों के लिए खुली है। इस वर्ष की शुरुआत में एनसीयूआई की सदस्य संख्या 305 थी। ये संस्थाएँ भारतीय सहकारी आंदोलन के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

वर्ष 2024-2025 के दौरान, निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं को एनसीयूआई के सदस्य के रूप में शामिल किया गया:-

1. कृषि साधना महिला एग्रो मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, महाराष्ट्र
2. अरिहंत मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड, महाराष्ट्र
3. वेंकटेश्वर सहकारी पावर एंड एग्रो प्रोसेसिंग लिमिटेड, महाराष्ट्र
4. श्री साईं बाबा बहु-राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक एवं प्रकृति संघ लिमिटेड, महाराष्ट्र
5. लोकसेवा मल्टी-स्टेट क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, महाराष्ट्र
6. किसान एग्रो मार्केटिंग कोऑपरेटिव सोसायटी, हरियाणा
7. जेवान कोठी मल्टी स्टेट एग्रो कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, यू.पी.
8. भारतीय कृषक विकास बहु-उद्देशीय सहकारी समिति लिमिटेड (आईएफडीसी), उ.प्र.
9. रामराजा मल्टी स्टेट एग्रो कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, उ.प्र.
10. पश्चिमांचल मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, उ.प्र.
11. हरियाणा राज्य सहकारी आवास संघ लिमिटेड, हरियाणा
12. कर्नाटक सहकारी तिलहन उत्पादक संघ लिमिटेड, कर्नाटक
13. महाराष्ट्र राज्य सहकारी आवास संघ लिमिटेड, महाराष्ट्र
14. सोनातरी बहु-राज्य कृषि सहकारी समिति लिमिटेड, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली
15. बालाघाट बहु-राज्य सहकारी ऋण समिति लिमिटेड, महाराष्ट्र
16. साई आदर्श बहु-राज्य सहकारी ऋण समिति लिमिटेड, महाराष्ट्र
17. भारतीय राष्ट्रीय सहकारी निर्माण एवं विकास संघ लिमिटेड, नई दिल्ली
18. हिंदुस्तान श्रम बहु-राज्य सहकारी समिति लिमिटेड, उत्तर प्रदेश
19. महाराष्ट्र राज्य भूजल मत्स्य सहकारी फेडरेशन लिमिटेड, महाराष्ट्र
20. रोज़ मल्टी स्टेट मल्टी पर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी, दिल्ली
21. पुनराज एग्रो मार्केटिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, पंजाब
22. श्री मंगलनाथ मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड, महाराष्ट्र
23. प्राइड मल्टी स्टेट क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, कोझीकोड, केरल
24. दिल्ली नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड, दिल्ली
25. कोऑपरेटिव फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी लिमिटेड, गुजरात
26. कृषि अणे ग्राम विकास राज्य को-ऑप सोसाइटी लिमिटेड, गुजरात

दिनांक 31.03.2025 तक एनसीयूआई के सदस्य के रूप में 331 सहकारी संस्थाएं हैं जिनका विवरण निम्न हैं:-

1.	राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समितियाँ	17
2.	राज्य सहकारी संघ	29
3.	केंद्र शासित प्रदेशों के सहकारी संघ	04
4.	राज्य सहकारी विपणन संघ	18
5.	राज्य सहकारी बैंक	22
6.	राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक (कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक)	10
7.	राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ	09
8.	राज्य जनजातीय विकास सहकारी/निगम/समितियाँ/राज्य सहकारी बैंक संघ	07
9.	राज्य शहरी सहकारी बैंक और ऋण समितियां/महासंघ	12
10.	अन्य राज्य सहकारी संघ: :	05
	• डेयरी/दूध विपणन	12
	• हथकरघा/कताई मिलें	03
	• चीनी/गन्ना	03
	• मत्स्य पालन	34
	• विविध	
11.	राज्य शहरी सहकारी बैंक एवं ऋण समितियाँ/संघ	02
12.	बहु-राज्य सहकारी समितियाँ	144
कुल संख्या		331

प्रबंधन:-
भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ के प्रबंधन के प्रमुख अंग:-

निम्नलिखित तीन अंग भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ का प्रबंधन करते हैं:-

1. आम सभा, जिसमें एनसीयूआई के सदस्य संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।
2. शासी परिषद, जिसमें पदाधिकारी, निर्वाचित और सहयोजित सदस्य शामिल होते हैं।
3. कार्यकारी समिति, जो एनसीयूआई की शासी परिषद की एक उप-समिति है।

सामान्य निकाय

बहु-राज्यीय सहकारी समिति अधिनियम 2002 और एनसीयूआई के उपनियमों के प्रावधानों के अनुसार, एनसीयूआई की आम सभा में प्रत्येक सदस्य संस्था से एक प्रतिनिधि शामिल होता है। वर्ष 2023-2024 के लिए वार्षिक आम सभा की बैठक 25 सितंबर, 2024 को भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ के सभागार में आयोजित की गई। इस आम सभा में देश में सहकारी आंदोलन के समग्र विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।.

शासी परिषद

इस वर्ष के दौरान शासी परिषद की पाँच बैठकें 11.05.2024, 06.07.2024, 21.08.2024, 23.12.2024 और 29.03.2025 को आयोजित की गईं। शासी परिषद ने अपनी बैठकों में सहकारी आंदोलन के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया और एनसीयूआई के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इसके उपनियमों के अनुसार गतिविधियाँ संचालित कीं। शासी परिषद ने एनसीयूआई के विकास और सहकारी आंदोलन के विकास के लिए एनसीयूआई के उद्देश्यों की प्राप्ति के अनुरूप गतिविधियाँ संचालित करने हेतु विभिन्न निर्णय लिए।

प्रशासन

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान डॉ. सुधीर महाजन, आई.ए.एस (सेवानिवृत्त), एनसीयूआई के मुख्य कार्यकारी के पद पर कार्यरत रहे। विभिन्न विभागों के प्रभारी अधिकारियों की सूची निम्नलिखित है :-

1.	श्रीमती सावित्री सिंह उप मुख्य कार्यकारी	• एनसीसीई • अंतर्राष्ट्रीय संबंध • एनसीयूआई सहकारी शिक्षा क्षेत्र परियोजनाएँ • शिक्षा एवं महिला समिति • पुस्तकालय
2.	श्री आशीष द्विवेदी कार्यकारी निदेशक	• प्रशासन • उद्यमिता विकास एवं सहयोग केंद्र और इनक्यूबेशन केंद्र • कौशल विकास केंद्र (एसडीसी) नोएडा का संचालन • छात्रावास
3.	श्री वेद प्रकाश सेतिया कार्यकारी निदेशक	• संपदा • सामान्य सहकारी नीति (जीसीपी) • कानून और प्रबंधन • कांग्रेस प्रकोष्ठ
4.	श्री राजीव शर्मा कार्यकारी निदेशक	• जनसंपर्क/ प्रकाशन, सोशल मीडिया • सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) • राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस (एनसीडीबी) • राजभाषा • कॉप- कनेक्ट

5.	श्री रितेश दे कार्यकारी निदेशक	• एनसीयूआई अध्यक्ष कार्यालय • कार्मिक • बोर्ड • राष्ट्रीय सहकारी संसाधन केंद्र एवं सहकारी विस्तार एवं सलाहकार सेवा
6.	श्रीमती संध्या कपूर निदेशक	• वित्त • सहकारी शिक्षा निधि (सीईएफ) • कनिष्ठ सहकारी प्रशिक्षण केंद्र (जेसीटीसी) • कार्यक्रम एवं संपर्क (पी एंड एल)
7.	श्रीमती वीना सचदेवा निदेशक	• एनसीयूआई "हाट"

अध्याय 2

सहकारी शिक्षा और प्रशिक्षण

1. वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित शिक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक झलक

1. राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र ने 8 से 10 अप्रैल, 2024 तक एनसीसीई, नई दिल्ली में भारतीय सहकारी समितियों के अध्यक्षों और महिला निदेशकों के लिए तीन दिवसीय नेतृत्व विकास कार्यक्रम (एलडीपी) का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में गोवा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, मणिपुर, सिक्किम, छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, गुजरात आदि राज्यों के कुल 52 सहकारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

2. एनसीयूआई के सहयोग से आई एफ एफ डी सी द्वारा संवर्धित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों की कृषि वानिकी सहकारी समितियों के 30 अध्यक्षों एवं निदेशकों की तीन दिवसीय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 13 से 15 मार्च 2024 को दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान लखनऊ में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन श्री एस के सिंह उप निदेशक दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान लखनऊ ने किया। प्रशिक्षण को कोर्डिनेट श्री श्रीकृष्णा श्रीवास्तव एच आर ऑफिसर आई एफ एफ डी सी लखनऊ ने किया।

3. भारतीय श्रम सहकारी समितियों के अध्यक्षों एवं निदेशकों के लिए तीन दिवसीय नेतृत्व विकास कार्यक्रम 29 अप्रैल से 01 मई, 2024 को एनसीसीई, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के कुल 48 सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया ।

4. वित्तीय लेखांकन और कराधान पर सर्टिफिकेट कोर्स 1 मई, 2024 से 31 मई, 2024 तक आयोजित किया गया। पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मणिपुर, दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों के कुल 29 प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया।

5. शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) और ऋण समितियों पर केंद्रित तीन दिवसीय नेतृत्व विकास कार्यक्रम 29 मई, 2024 को राष्ट्रीय ग्रामीण बैंकिंग संस्थान (एनआईआरबी), बेंगलुरु में शुरू हुआ। गुजरात, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों के 30 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

6. भारतीय डेयरी सहकारी समितियों के अध्यक्षों एवं निदेशकों के लिए तीन दिवसीय नेतृत्व विकास कार्यक्रम (एलडीपी) 12 से 14 जून, 2024 को एनसीसीई, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, गुजरात, असम, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश आदि राज्यों के कुल 49 सहकारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

7. एनसीयूआई सहकारी शिक्षा क्षेत्र परियोजना के परियोजना अधिकारियों और कृषि मार्गदर्शन प्रशिक्षकों (एफजीआई) के लिए 19-21 जून 2024 तक तीन दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। यह पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को सहकारी क्षेत्र में नवीनतम विकास से अवगत कराने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

8. राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र (एनसीयूआई) ने दिल्ली सहकारी समिति रजिस्ट्रार कार्यालय और दिल्ली राज्य सहकारी प्रशिक्षण केंद्र के सहयोग से दिल्ली सहकारी समिति अधिनियम 2003 और नियम 2007 पर केंद्रित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

9. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सहकारी समितियों के अध्यक्षों एवं निदेशकों के लिए तीन दिवसीय नेतृत्व विकास कार्यक्रम (एलडीपी) 24 से 26 जून, 2024 को एनसीसीई, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के कुल 36 सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

10. राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) के सहयोग से राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित महिला सहकारी समितियों के लिए दो सप्ताह के उद्यमिता विकास कार्यक्रम का तीसरा बैच शुरू किया गया। इसमे असम, छत्तीसगढ़, जम्मू, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और उत्तर प्रदेश से कुल 37 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया गया ।

11. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (GGSIPU) के सहयोग से 22 जुलाई से 2 अगस्त 2024 तक सहकारी कानून और व्यवहार में दो सप्ताह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, बिहार और गुजरात सहित विभिन्न राज्यों के 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

12. भारतीय आवास सहकारी समितियों के अध्यक्षों एवं निदेशकों के लिए तीन दिवसीय (24 से 26 जुलाई 2024) नेतृत्व विकास कार्यक्रम (एलडीपी) का उद्घाटन समारोह 24 जुलाई को एनसीसीई, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से सहकारी समितियों के कुल 63 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

13. दिनांक 5-9 अगस्त 2024 तक सहकारिता नीति एवं विकास पर पाँच दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सहकारिता मंत्रालय के निदेशक, श्री कपिल मीणा, आईएएस और एनसीयूआई उप-मुख्य कार्यकारी, श्रीमती सावित्री सिंह ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में असम, मेघालय, जम्मू और कश्मीर, महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, बिहार, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 37 प्रतिभागी उपस्थित थे ।

14. एनसीयूआई ने 21, 22 अगस्त 2024 को तक गुजरात के हजीरा संयंत्र में कृभको के अधिकारियों के लिए “सहकारिता और सहकारी प्रबंधन” पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कृभको के 40 मध्यम स्तर के अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी की।

15. अगस्त 2024 को, एनसीयूआई के राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र ने तमिलनाडु के ट्रानक्वेबर बिशप मणिकम लूथरन कॉलेज के 13 एम.कॉम सहकारी प्रबंधन छात्रों के लिए एक अध्ययन यात्रा का कार्यक्रम आयोजित किया।

16. एनसीयूआई द्वारा नई दिल्ली में 3 से 5 सितंबर 2024 तक अमरेली जिला सहकारी संघ के निदेशकों और सचिवों के लिए तीन दिवसीय नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

17. राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र ने 9 से 13 सितंबर 2024 तक प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम का पांच दिवसीय कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस व्यापक प्रशिक्षण पहल का उद्देश्य गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम और मध्य प्रदेश के 46 प्रतिभागियों को सशक्त बनाना और उन्हें अपने संगठनों में प्रशिक्षक के रूप में अपनी-अपनी भूमिकाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उन्नत कौशल और ज्ञान से लैस करना है।

18. सहकारी शिक्षा एवं विकास में 29वां ऑनलाइन डिप्लोमा 7 अक्टूबर 2024 को शुरु हुआ जिसमें अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और नागालैंड सहित विभिन्न राज्यों के कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 12 सप्ताह का यह डिप्लोमा एनसीसीई द्वारा आयोजित किया गया।

19. सी-पैक मान्यता सत्यापन, बर्ड, लखनऊ की एक टीम ने 3-4 अक्टूबर, 2024 को एनसीयूआई परिसर में एनसीसीई प्रशिक्षण कार्यक्रमो को मान्यता प्रदान करने के लिए निरीक्षण हेतु दौरा किया।

20. भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ नई दिल्ली एवं नाइस एग्रो कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में राघोगढ़, ग्राम मध्य प्रदेश में तीन दिवसीय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 18 अक्टूबर 2024 से 20 अक्टूबर 2024 तक आयोजित किया गया।

21. भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ और गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय), तमिलनाडु ने प्रशिक्षण, अनुसंधान और शिक्षा में सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से सहकारी आंदोलन को मज़बूत बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन पर एनसीयूआई, मुख्य कार्यकारी डॉ. सुधीर महाजन, आईएएस(सेवानिवृत्त) और गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान के सहकारिता विभाग के प्रोफेसर एवं प्रमुख डॉ. पिचाई ने हस्ताक्षर किए।

22. भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ नई दिल्ली एवं जिला सहकारी संघ झाबुआ के संयुक्त सहयोग से पेटलावद तहसील की दुग्ध सहकारी संस्थाओं के अध्यक्ष/संचालक/सचिवों का तीन दिवसीय (28-30 नवम्बर 2024) नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ पेटलावद सहकारी दुग्ध शीत केंद्र में शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुग्ध सहकारी संघ के पूर्व क्षेत्रीय प्रबंधक श्री एन .के. पगारे, विशेष अतिथि सहकारी प्रशिक्षण केंद्र इंदौर के पूर्व प्राचार्य श्री के. एल. राठौर एवं दूध सहकारी शीत केंद्र पेटलावद के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री सोहन सिंह कनेश रहे

23. एनसीयूआई ने 27-28 नवंबर 2024 को ओडिशा के पारादीप संयंत्र में इफको के अधिकारियों के लिए “सहकारिता और सहकारी प्रबंधन” पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस उद्घाटन समारोह में संयुक्त महाप्रबंधक (प्रक्रिया) श्री के.आर.एन. मूर्ति, यूनिट हेड प्रभारी, इफको, पारादीप, ओडिशा और डॉ. पतंजलि त्रिपाठी, पूर्व सहकारी अधिकारी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में कुल 37 प्रतिभागी शामिल हुए।

24. सहकारी शिक्षा एवं विकास में 29वें डिप्लोमा के प्रतिभागियों ने क्षेत्र में सहकारी संरचना और कार्यप्रणाली की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने के लिए पंजाब का अध्ययन दौरा किया। प्रतिभागियों ने अमृतसर स्थित हर्षा चीना बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति, जालंधर स्थित मार्कफेड, लांबड़ा कांगड़ी बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति, उन्नति सहकारी विपणन एवं प्रसंस्करण समिति, होशियारपुर स्थित वेरका मिल्क प्लांट का दौरा किया और पंजाब के बजवाड़ा में एनसीयूआई परियोजना द्वारा गोद लिए गए एक किसान के ड्रैगन फ्रूट फार्म का भी दौरा किया।

25. सहकारी शिक्षा एवं विकास में 29वें डिप्लोमा के लिए संपर्क कक्षाएं 16 दिसंबर 2024 को एनसीसीई, नई दिल्ली में शुरु हुईं। एनसीयूआई, उप-मुख्य कार्यकारी, श्रीमती सावित्री सिंह ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस सत्र में स्वास्थ्य मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार, डॉ. के.के. त्रिपाठी, आईईएस विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित थे। डॉ. त्रिपाठी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए भारतीय सहकारी आंदोलन और सहकारी शिक्षा एवं प्रशिक्षण के भविष्य पर एक गहन प्रस्तुति दी।

26. "सहकारी समितियों के गठन" पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 6 जनवरी 2025 को शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य छात्रों और सहकारी क्षेत्र में नए प्रवेशकों को आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना है। यह कार्यक्रम एनसीसीई में आयोजित किया गया था और इसमें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, सिक्किम, ओडिशा, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और दिल्ली एनसीआर जैसे राज्यों के 64 व्यक्तियों ने भाग लिया।

27. केरल के मलप्पुरम जिले के मंजेरी सर्कल सहकारी संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने 14 जनवरी 2025 को एनसीसीई का दौरा किया जिसमें 58 प्रतिभागी और 4 समन्वयक शामिल थे। इस समूह में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के अध्यक्ष, निदेशक, सचिव और सीईओ शामिल थे।

28. एनसीसीई ने 21-23 जनवरी 2025 तक सिक्किम राज्य सहकारी संघ के सहकारी नेताओं के लिए तीन दिवसीय नेतृत्व विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 50 सहकारी नेताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसका उद्देश्य सहकारी प्रबंधन और शासन में उनके ज्ञान और कौशल को बढ़ाना था।

29. एनसीसीई ने 21-23 जनवरी 2025 तक "कृषि, प्रसंस्कृत और मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्यात" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, सिक्किम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित नौ राज्यों के 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

30. 5 मार्च 2025 को, फुले-अंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, गढ़चिरौली, महाराष्ट्र के बैचलर ऑफ सोशल वर्क (बीएसडब्ल्यू) कार्यक्रम, सेमेस्टर VI के 45 छात्रों ने अपने अध्ययन दौरे के हिस्से के रूप में एनसीसीई का दौरा किया।

31. एनसीसीई ने महिलाओं के लिए दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य महिला उद्यमियों के कौशल विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना था। राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम 17 मार्च 2025 को शुरू हुआ और इसमें अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, पश्चिम बंगाल, गुजरात, कर्नाटक, लद्दाख, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्यों की 28 महिला प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र
भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ, नई दिल्ली
अप्रैल 2024-मार्च 2025 अवधि की माहवार रिपोर्ट

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	कुल	एससी	एसटी	महिला	ओबीसी	अन्य	एनई	दिनांक	सेक्टर	राज्य
1	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Fisheies Cooperatives of India	44	5	3	8	33	3	6	2-4 April, 2024	Fisheries	India
2	Study Visit of Gandhigram Rural Institute for the students of M.Com. (Cooperative Management)	16	4	0	16	12	0	0	6.4.2024	Cooperative Education	Tamil Nadu
3	Programme on Cooperation & Cooperative Management for the Officials of IFFCO Phulpur, Allahabad (UP)	42	10	1	4	11	16	0	8-9 April, 2024	Cooperative Management	Uttar Pradesh
4	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Women Directors of Coopertives of India	51	17	10	51	14	10	20	8-10 April, 2024	Women Coops.	India
5	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Women Directors of Coopertives of Sikkim	38	7	11	38	20	0	0	29 April-1 May, 2024	Women Coops.	NE States
6	Leadership Development Programme for chairpersons/ Directors of Labour Cooperatives of India	46	13	5	0	14	14	0	29 April-1 May, 2024	Labour	India
	Total	**237**	**56**	**30**	**117**	**104**	**43**	**26**			
									Date		
Sl. No.	**Name of the Programme**	**Total**	**SC**	**ST**	**WOMEN**	**OBC**	**OTHER**	**NE**	**FROM**	**SECTOR**	**STATE**
7	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Labour Cooperatives of Kerala	19	2	1	7	12	4	0	2-4 May, 2024	Labour	Kerala
8	Certificate Course on Cooperative Law & Practices	12	2	0	4	2	8	2	13 - 24 May, 2024	Cooperative Law	India
9	Certificate Course on "Financial Accounting and Taxation for Employees	28	6	0	9	16	6	8	01-31 May, 2024	Cooperative Education	India
10	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Women Directors of Sikkim	38	7	11	38	20	0	0	29 April-01 May, 2024	Women Coops.	NE States
11	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of UCBs and T/C Societies, NIRB	28	0	0	3	23	5	0	29 April-31 May, 2024	Credit	Karnataka
	Total	**125**	**17**	**12**	**61**	**73**	**23**	**10**			
									Date		
Sl. No.	**Name of the Programme**	**Total**	**SC**	**ST**	**WOMEN**	**OBC**	**OTHER**	**NE**	**FROM**	**SECTOR**	**STATE**
12	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Tribal Cooperatives of A&N Islands	37	0	25	0	9	3	0	29-31 May , 2024	Tribal	A & N Islands
13	Capacity Building Prog. For Managers/Secretaries of PACS of Telangana	24	1	1	0	22	0	0	10-14 June, 2024	PACS	Telangana
14	Programme on Cooperation & Cooperative Management for the Officials of IFFCO Aonla, Bareilly (UP)	38	7	0	0	13	18	0	6-7 June, 2024	Cooperative Management	Uttar Pradesh
15	Trainers' Training Programme for Cooperative Education Personnel of State/District Cooperative Unions of Kolhapur	43	4	0	2	9	28	0	03-07 June, 2024	Cooperative Education	Maharashtra
16	Refresher Course for Project Officers / FGIs of NCUI Cooperative Education Field Projects	38	3	2	9	11	22	5	19-21 June, 2024	Cooperative Education	India

17	Delhi Cooperative Societies Act 2003 and Rules/RCS	61	10	3	7	7	20	0	24.06.2024	Cooperative Education	India
18	Delhi Cooperative Societies Act 2003 and Rules/RCS	49	8	1	4	8	27	0	28.06.2024	Cooperative Education	India
19	Leadership Development Progrmme for Chairpersons/ Directors of Agriculture Marketing Cooperative Societies of India	35	1	0	2	7	26	0	4-6 June, 2024	Marketing	India
20	Leadership Development Progrmme for Chairpersons/ Directors of Dairy Cooperative Societies of India	48	4	0	12	21	23	0	12-14 June, 2024	Dairy	India
21	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of SC/ST Cooperatives of India	33	26	7	12	0	0	0	24-26 June, 2024	SC/ST Cooperatives	India
22	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Consumer Cooperatives of India	50	0	0	3	11	39	0	25-27 June, 2024	Consumer	India
23	Capacity Building Prog. For Managers/Secretaries of PACS of Bihar	43	2	3	4	18	16	0	24-28 June, 2024	PACS	Bihar
	Total	**499**	**66**	**42**	**55**	**136**	**222**	**5**			
									Date		
Sl. No.	**Name of the Programme**	**Total**	**SC**	**ST**	**WOMEN**	**OBC**	**OTHER**	**NE**	**FROM**	**SECTOR**	**STATE**
24	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Labour Cooperatives of India	15	1	1	1	5	8	0	3-5 July, 2024	Labour	India
25	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Multi State Cooperative Societies of India	49	4	1	8	18	26	5	8-10 July, 2024	Multi State Coop. Societies	India
26	Leadership Development Programme for Chairpersons/Directors of Housing Cooperative of India	57	2	1	3	14	40	0	24-26 July, 2024	Housing	India
27	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Fisheries Cooperatives ofIndia	43	12	0	16	7	26	0	29-31 July, 2024	Fisheries	India
28	Entreprenure for Women Cooperative Instructor, Trainer	36	7	3	36	9	17	15	1-12 July, 2024	Women Coops.	India
29	Certificate Course on Cooperative Law & Practices	17	0	2	11	3	12	10	22 July-02 August,2024	Cooperative Law	India
30	Leadership Development Programme for Charipersons/ Directors of Horticulture Cooperatives of Sikkim	40	2	8	11	30	0	0	29-31 July 2024	Horticulture	NE States
31	Leadership Development Programme for Charipersons/ Directors of Labour Cooperatives of A&N Island	31	0	0	11	9	22	0	29-31 July, 2024	Labour	A & N Islands
32	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Agriculture Marketing Cooperative Societies of Bihar/ Jharkhand	40	2	1	5	13	19	0	3-5 July, 2024	Marketing	Bihar
	Total	**328**	**30**	**17**	**102**	**108**	**170**	**30**			
Sl. No.	**Name of the Programme**	**Total**	**SC**	**ST**	**WOMEN**	**OBC**	**OTHER**	**NE**	**Date**	**SECTOR**	**STATE**
33	Leadership Development Programme for the President & MC Members of Fisheries Coop. Socieites	40	6	4	0	29	1	0	12-14 August, 2024	Fisheries	Andhra Pradesh
34	Programme on Cooperation & Cooperative Management for the officials of KRIBHCO Plant, Hazira (Gujarat)	40	0	0	4	0	40	0	21-22 August, 2024	Cooperative Management	Gujarat
35	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Women Directors of Cooperative Societies of Gujarat	40	0	40	40	0	0	0	6-8 August, 2024	Women Coops.	Gujarat
36	One Week of Refresher Course on Cooperative Policy and Development	33	3	4	10	14	12	3	5-9 August, 2024	Cooperative Education	India

	Tranquebar Bishop Manikam Lutheran College Tamil Nadu, Study Visit at NCCE, New Delhi	15	2	1	8	2	2	0	22.08.2024	Cooperative Education	India
38	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Women Directors of Coooperative Societies	57	4	9	57	29	15	0	21-23 August, 2024	Women Coops.	India
39	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Sugar Cooperative Societies of India	39	1	1	1	18	19	0	28-30 August, 2024	Sugar	India
40	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Farm Forestry Cooperativeof Rajasthan (IFFDC)	40	3	0	2	17	20	0	23-25 July,2024	Farm Forestry	Rajasthan
41	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Fisheries Cooperative, Assam	40	21	0	10	0	9	0	27-29 August, 2024	Fisheries	NE States
42	Leadership Development Programme for Chairmen/Directors of State/District Cooperative Banks at NIRB, Bengalore	29	1	0	2	10	18	0	12-14 August, 2024	SCBs/ DCCBs	Karnataka
43	Leadership Development Programme for Chairmen/Directors of Fisheries Cooperatives of Puducherry	52	1	0	11	40	0	0	28-29 August, 2024	Fisheries	Puducherry
44	Leadership Development Programme for Directors/Members Cooperative Janakpur, Chandigarh, Punjab	42	2	2	5	3	37	0	5-7, August, 2024	Cooperative Education	Punjab
45	Leadership Development Programme for Directors/Members Cooperative Janakpur, Chandigarh, Punjab	45	7	5	7	11	15	0	19-21 August, 2024	Cooperative Education	Punjab
46	Leadership Development Programme forChairmen/Directors of Fishereis of Andman and Nicobar	54	0	0	2	0	54	0	28-30 August, 2024	Fisheries	A & N Islands
	Total	**566**	**51**	**66**	**159**	**173**	**242**	**3**			
S.No.	**Name of the Programme**	**Total**	**SC**	**ST**	**Women**	**OBC**	**Gen.**	**NE**	**Date**	**SECTOR**	**STATE**
47	Leadership Development Programme for President/Board of Directors/Secretary of Milk Producer Cooperative Institutions of Ujjain District of District Cooperative Union Ltd. Ujjain	53	5	25	1	0	23	0	5-7 September, 2024	Dairy	Madhya Pradesh
48	Leadership Development Programme forSecretary/Managers/BODs of Amreli Distt. Co0p. Union District Coop. Banks	40	1	0	0	9	30	0	3-5 September, 2024	SCBs/ DCCBs	India
49	Trainer's Training Programme for Cooperative Education Personnel at NCCE, New Delhi	46	1	4	5	21	20	9	9-13 September, 2024	Cooperative Education	India
50	Leadership Development Programme of Milk Producing Cooperative institutions of the district under the joint aegis of District Coop. Union Maryadit, Ratlam, Madhya Pradesh	50	4	1	0	29	16	0	18-20 September, 2024	Dairy	Madhya Pradesh
51	Trainer's Training Programme for Cooperative Education Personnel at NCCE, New Delhi	36	4	2	2	6	22	0	23-27 September, 2024	Cooperative Education	Madhya Pradesh
52	Leadership Development Programme for Chairman/Directors of Cooperative Housing Societies Pune, Maharashtra	40	4	7	6	0	23	0	26-28, September, 2024	Housing	Maharashtra
	Total	**265**	**19**	**39**	**14**	**65**	**134**	**9**			
S.No.	**Name of the Programme**	**Total**	**SC**	**ST**	**Women**	**OBC**	**Gen.**	**NE**	**Date**	**SECTOR**	**STATE**
53	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Multi State Cooperative Societies of India	36	5	1	4	7	23	0	22-24 October, 2024	Multi State Coop. Societies	India
54	29th Session of Diploma in Cooperative Education and Development	42	4	3	10	11	24	1	7 Oct - 22 Dec., 2024	Cooperative Education	India

	Leadership Development Programme for Chairpersons/Women Directors of Cooperative Societies in Andman and Nicobar	28	0	0	28	0	28	0	3-5 October, 2024	Women Coops.	A & N Islands
56	Leadership Development Programme for Chairmen/ Directors of Dairy Cooperative Societies of Milk Kurushetra, Rohtak, Haryana	31	4	0	0	13	14	0	28-30 August, 2024	Dairy	Haryana
57	Leadership Development Programme for Chairmen/ Directors of Primary Agriculture Coop. Socieites DCCB, Sirsa (Haryana) Rohtak, Haryana	36	4	0	1	12	20	0	14-16 October, 2024	PACS	Haryana
58	Leadership Development Programme for Board of Directors of Milk Producer Cooperative Insitutions of Dhar district, Madhya Pradesh	55	0	0	14	36	19	0	21-23 October, 2024	Dairy	Madhya Pradesh
59	Leadership Development Programme forPresident/Directors of milk producing Cooperative Insitutions of Khargone district, Madhya Pradesh	53	7	2	0	28	16	0	14-16 October, 2024	Dairy	Madhya Pradesh
60	Leadership Development Programme of Milk producing Cooperartive Institutions of Ratlam district under the joint aegis of District programme Cooperative Union Maryadit, Ratlam	50	8	1	6	35	6	0	24-26 October, 2024	Dairy	Madhya Pradesh
61	Trainers' Training Programme for Cooperative Education Personnel of State/District Cooperative Unions of West Bengal	31	2	1	2	2	26	0	23-27 September, 2024	Cooperative Education	West Bengal
62	Leadership Development Programme for Nice Agro Coopertive Society Ltd. Raohgarh, Dewas, Madhya Pradesh	53	0	10	0	40	3	0	18-20 October, 2024	Agriculture	Madhya Pradesh
63	Leadership Development Programme for Nice Agro Coopertive Society Ltd. Khudel, Indore , Madhya Pradesh	51	3	3	1	35	6	0	25-27 October, 2024	Agriculture	Madhya Pradesh
	Total	**466**	**37**	**21**	**66**	**219**	**185**	**1**			
									Date		
Sl. No.	**Name of the Programme**	**Total**	**SC**	**ST**	**Women**	**OBC**	**Gen.**	**NE**	**FROM**	**SECTOR**	**STATE**
64	Capacity Building Prog. For Managers/Secretaries of PACS of Sikkim	44	0	14	19	28	2	0	4-8 November, 2024	PACS	NE States
65	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Self Management Cooperative of Sikkim	34	1	21	14	12	0	0	6-8 November, 2024	Self Employment	NE States
66	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Fisheries Cooperative Societies of A&N Islands	54	0	0	2	0	54	0	28-30 November, 2024	Fisheries	A & N Islands
67	Leadership Development Programme for Chairpersons/Women Directors of Cooperative Societies of india	28	12	0	28	10	6	0	11-13 November, 2024	Women Coops.	India
68	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Labour Cooperatives of Maharashtra	40	5	0	5	0	30	0	8-10 October, 2024	Labour	Maharashtra
69	Leadreship Development Programme for Chairpersons/ Directors of Cooperative Bank , NIRB, Bengalaru, Karnataka	20	1	0	3	8	11	0	4-6 November, 2024	SCBs/ DCCBs	Karnataka
70	Leadership Development Programme for the Operators of milk producing cooperative insitutions of Jhabua district under the joint auspices of Jhabua	51	4	0	0	36	11	0	28-30 November, 2024	Dairy	Madhya Pradesh
71	Leadership Development Programme forDistrict Cooperative union Ltd. For President/Directors of primay seed producing cooperative institutions of the district.	50	1	1	0	26	22	0	25-27 November, 2024	Cooperative Education	Madhya Pradesh

	Leadership Development Programme for Chairpersons/Directors of SC/ST Cooperative Societies of india	17	10	5	6	2	0	0	19-21 November, 2024	SC/ST Cooperatives	India
73	Leadership Development Programme for Chairpersons/Directors of Fishereis Cooperative Societies of Assam	40	21	0	10	0	9	0	27-29 , August, 2024	Fisheries	NE States
74	Leadership Development Programme for Chairpersons/Directors of Fisheries Cooperative Societies of Maharashtra	40	4	20	4	0	12	0	23-25, October, 2024	Fisheries	Maharashtra
75	Leadership Development Programme for Chairpersons/Directors of MSCS Cooperative Societies of india	26	2	0	6	11	13	0	26-28 November, 2024	Multi State Coop. Societies	India
	Total	**444**	**61**	**61**	**97**	**133**	**170**	**0**			
									Date		
Sl. No.	**Name of the Programme**	**Total**	**SC**	**ST**	**Women**	**OBC**	**Gen.**	**NE**	**FROM**	**SECTOR**	**STATE**
76	Trainer's Training Programme for Cooperative Education Personnel at NCCE, New Delhi	24	0	0	3	6	18	0	9-13 December, 2024	Cooperative Management	India
77	Leadership Development Programme for chairpersons/ Directors of Labour Coopertives of India	19	1	1	0	8	9	0	3-5 December, 2024	Labour	India
78	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Fisheries Cooperative Societies of India	38	9	0	12	0	0	0	9-11 December, 2024	Fisheries	India
79	Leadership Development Programme for Presidents/Directors of Women Livelhood Multipurpose Coop. Institutions of Dist. Cooperative Union Ltd. Khandwa, Madhya Pradesh	54	16	5	54	24	9	0	18-20 December, 2024	Women Coops.	Madhya Pradesh
80	Leadership Development Programme for Chairpersons/Women Directors of Cooperative Societies in collaboration with CICOPA & NIRB, Bangalore, Karnataka	34	3	0	34	5	26	0	28 - 30 November, 2024	Women Coops.	Karnataka
81	Programme on Cooperation & Cooperative Management for the officials of IFFCO, Kandla (Gujarat)	52	0	0	0	0	52	0	11-12 December, 2024	Cooperative Management	Gujarat
82	Programme on Cooperation & Cooperative Management for the officials of IFFCO, Paradeep, Odisha	28	7	3	3	15	0	0	27-28 November, 2024	Cooperative Management	Odisha
83	Leadership Development Programme for Chairperson/Directors of Farm Forestry Cooperatives of Uttarakhand, IFFDC	40	3	20	10	0	17	0	5-7 November, 2024	Farm Forestry	Uttarakhand
84	Capacity Building Prog. For Managers/Secretaries of PACS of Haryana	40	3	0	0	8	29	0	22-26 April, 2024	PACS	Haryana
85	Leadership Development Programme for Chairperson/Women Directors of Cooperative Societeites of Goa	38	8	7	38	18	5	0	16-18 December, 2024	Women Coops.	Goa
86	Leadership Development Programme for Chairperson/Directors Members of Agrifed, Cooperative Society , Chandigarh (Zirkapur), Punjab	45	12	0	7	11	22	0	19-21 August, 2024	Agriculture	Punjab
87	Leadership Development Programme for Chairperson/Directors Members of Agrifed, Cooperative Society, Chandigarh (Zirakapur), Punjab	42	2	0	6	3	37	0	05-07 December, 2024	Agriculture	Punjab
88	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of PACS Cooperative Societies of Andman and Nicobar	30	0	0	2	23	7	0	06-08 December, 2024	PACS	A & N Islands
89	Study vist Institute of Cooperative Management (ICM), (HDCM) Madurai, Tamilnadu	13	2	0	6	10	0	0	27-Dec-24	Cooperative Education	Tamil Nadu
	Total	**497**	**37**	**30**	**72**	**88**	**117**	**0**			

										SECTOR	STATE
90	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Tribal Cooperatives of Arunachal Pradesh	48	0	47	18	0	1	0	24-26, September, 2024	Tribal	Arunachal Pradesh
91	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Youth/construction Cooperative A&N Islands (Rajiv Gandhi Coop. Training Centres)	27	0	0	23	14	13	0	12-14 December, 2024	Youth Coops.	A & N Islands
92	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Dairy Cooperative Societies in India	44	4	2	8	25	13	0	28-30 January, 2025	Dairy	India
93	Leadership Devlopment Programme for District Coop. Union Bhind Employees of PACC Institutions of the district , Bjind, Madhya Pradesh	50	6	0	0	6	38	0	4-6 January, 2024	Credit	Madhya Pradesh
94	Leadership Devlopment Programme for Madhya Pradesh Coop. Union Ltd. for the Operators and members of Fishery Cooperative Institutions of Tikamgarh District. Tikamgarh, Madhya Pradesh	36	5	12	5	7	12	0	28-30 January, 2025	Fisheries	Madhya Pradesh
95	Leadership Development Progrmme for Cooperators of Cooperatives Sikkim State Cooperative Union, Sikkim	47	10	12	17	15	10	47	21-23 January, 2025	SCU/DCU	NE States
96	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Women Directors of Poultry Cooperative Societies of Madhya Pradesh , Dhindori , Madhya Pradesh	51	0	51	51	0	0	0	07-09 January, 2025	Poultry	Madhya Pradesh
97	Study Visit for Board Members of Circle Coop. Union, Board of Directors and Secretaries of PACS (ICM-Kannur), Kerala	58	0	0	7	58	0	0	14-Jan-25	Cooperative Education	Kerala
98	Capacity Building Programme for Managers/Secretaries ofPACS of Maharashtra, Dist. Ahilyanagar	40	7	0	1	6	26	0	16-20 January, 2024	PACS	Maharashtra
99	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Multi State Cooperative Societies -Solapur, Maharashtra	40	3	0	4	0	33	0	8-10 January, 2025	Multi State Coop. Societies	Maharashtra
100	Training of Youth for formation of Cooperative Socieities	66	4	5	29	25	32	6	6-10 January, 2025	Cooperative Education	New Delhi
101	Training Programme for Export of Agriculture Proceess and Value added products programme.	40	4	3	8	10	22	3	21-23 January, 2025	Agriculture	New Delhi
102	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Agriculture Rural Development Banks at NIRB, Bangalore	21	2	2	0	4	13	0	28-30 January, 2025	ARDBs	Karnataka
103	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Gujarat State Coopertive Credit Societies, Gujarat	70	3	2	5	12	35	0	24-26 August, 2024	Credit	Gujarat
	Total	**638**	**307**	**343**	**678**	**874**	**1086**	**57**			
									Date		
Sl. No.	**Name of the Programme**	**Total**	**SC**	**ST**	**Women**	**OBC**	**Gen.**	**NE**	**FROM**	**SECTOR**	**STATE**
104	Leadership Development Programme for chairpersons/ Directors of Dairy Coop. Society, Bihar	43	8	1	2	15	17	0	26-28 December, 2024	Dairy	Bihar
105	Trainer's Training Programme for Cooperative Education Personnel of Gujarat State Cooperative Union at Gujarat	40	0	3	10	20	17	0	2-6 December, 2025	Cooperative Education	Gujarat

106	Leadership Development Programme for President/ Directors of Primary Forest Produce Coop. Societes under the joint aegis of District Coop. Union Maryadit , Panna.	50	17	17	6	16	2	0	28-30 January, 2025	Farm Forestry	Madhya Pradesh
107	Capacity Building Prog. For Managers/Secretaries of PACS of Manipur	40	7	0	22	16	17	0	24-29 January, 2025	PACS	NE States
108	Study visit for Kerala Agricultural University College of Coperation, Banking and Management, Thrissur, Kerala	29	2	1	26	21	5	0	4th February, 2025	Cooperative Management	Kerala
109	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Fisheries Cooperative Societies, Hyderabad, Telangana	23	0	0	21	2	0	0	20-22 November, 2024	Fisheries	Telangana
110	Leadership Development Programme for Chairpersons/Directors of Service Cooperative Societies of Kerala	38	6	1	13	25	6	0	20-22 January, 2025	Service Coops.	Kerala
111	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Fisheries Cooperative Societies of Manipur	40	11	0	40	13	16	0	3-5 February, 2025	Fisheries	NE States
112	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Sugar Cooperative Societies of Pune, Maharashtra	40	5	7	0	0	28	0	12-14 February, 2025	Sugar	Maharashtra
113	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Service Cooperative Societies of Service Cooperative of West Bengal	15	7	0	8	4	4	0	5-7 February, 2025	Service Coops.	West Bengal
114	Programme on Cooperation & Cooperative Management for the officials of IFFCO, Kalol (Gujarat)	40	6	0	1	5	29	0	19-20 February, 2025	Cooperative Management	Gujarat
115	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Handloom and Handicraft Cooperative of Manipur	40	12	1	40	13	14	0	5-7 February, 2025	Handloom/ Handicraft	NE States
116	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Women Cooperative Societies of Manipur	40	28	0	40	6	6	0	13-15 February, 2025	Women Coops.	NE States
117	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors for Agriculture Marketing Cooperative Societies in India	40	0	0	2	13	25	0	10-12 February, 2025	Marketing	India
118	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Women Cooperative Societies in India	37	4	3	37	5	25	7	17-19 February, 2025	Women Coops.	India
119	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of SCU/DCU Cooperative Societies in India	36	3	1	7	17	15	2	24-26 February, 2025	SCU/DCU	India
120	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Fisheries Cooperative Societies of West Bengal	20	15	1	0	2	2	0	20-22 January, 2025	Fisheries	West Bengal
	Total	**611**	**131**	**36**	**275**	**193**	**228**	**9**			
									Date		
Sl. No.	**Name of the Programme**	**Total**	**SC**	**ST**	**Women**	**OBC**	**Gen.**	**NE**	**FROM**	**SECTOR**	**STATE**
121	Leadership Development Progrmme for Chairpersons/ Directors of Labour Cooperatives Societies of Sikkim	26	3	15	10	8	0	0	4-6 March, 2025	Labour	NE States
122	Leadership Development Progrmme for employees of PACS of Bhind, Madhya Pradesh	50	0	6	0	4	36	0	4-6 March, 2025	PACS	Madhya Pradesh
123	Leadership Development Progrmme for Milk producers of Cooperative Institutions of Bhind, Madhya Pradesh	50	3	4	0	15	27	0	7-9 March, 2025	Dairy	Madhya Pradesh

124	Leadership Development Progrmme for Presidents/Directors of Powerlug Weaver Cooperative Societies of Burhanpur district in collaboration with District Cooperative Union Maryadit, Khandwa, Madhya Pradesh	55	1	2	1	48	2	0	3-5 March, 2025	Handloom/ Handicraft	Madhya Pradesh
125	Study visit for Fule-Ambedkar Collge of Social Work Gadchiroli, Maharashtra	45	3	3	26	4	35	0	5th March, 2025	Cooperative Education	India
126	Study visit for The Gandhigram Rural Institute (Tamil Nadu)	17	4	0	7	11	0	0	7th March, 2025	Cooperative Education	India
127	Study visit for Bhagat Phool Singh Women University Sonipat Haryana .	42	8	0	42	6	28	0	8th March, 2025	Cooperative Education	India
128	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Fisheries Cooperative Societies of India	41	14	0	11	27	0	0	10-12 March, 2025	Fisheries	India
129	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Dairy Cooperative Societies of India	40	0	0	0	23	17	0	22-24 January, 2025	Dairy	Haryana
130	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of State/District Cooperative Societies of West Bengal	8	0	0	0	0	8	0	10-12 March, 2025	SCU/DCU	West Bengal
131	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of SC/ST Cooperative Societies of Arunachal Pradesh	40	0	0	23	0	0	0	17-19 March, 2025	SC/ST Cooperatives	Arunachal Pradesh
132	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Urban and T/C Society of Maharashtra	40	3	0	3	5	29	0	12-14 March, 2025	SCBs/ DCCBs	Maharashtra
133	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Dairy Coop. Society of Madhya Pradesh	50	2	0	3	48	0	0	03-05 March, 2025	Dairy	Madhya Pradesh
134	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Credit Coop. Society of Gujarat	56	2	3	0	14	37	0	2-4 March, 2025	Credit	Gujarat
135	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Credit Coop. Society of Panna, Madhya Pradesh	50	0	0	0	48	2	0	17-19 March, 2025	Dairy	Madhya Pradesh
136	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Jila Thotagarike Belegarara Utpanna Marata & Samskarana Sahakara Sangh, APMC Shikaripur, Shimoga, Karnataka	50	3	0	50	47	0	0	22-24 March,2025	Marketing	Karnataka
137	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Chambal Agri. Mkt. Coop. of Chambal, Madhya Pradesh	50	3	0	5	0	15	27	03-05 October, 2024	Marketing	Madhya Pradesh
138	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Agri. Mkt. Coop.of Chambal, Madhya Pradesh	50	3	5	0	15	27	0	07-09 October, 2024	Marketing	Madhya Pradesh
139	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Handloom and Handicraft of Khandwa, Madhya Pradesh	55	1	2	0	52	0	0	3-5 March, 2025	Handloom/ Handicraft	Madhya Pradesh
140	Leadership Devlopment Programme for District Coop. Union Bhind, Madhya Pradesh	50	9	12	0	18	11	0	7-9 March, 2025	SCU/DCU	Madhya Pradesh
141	Leadership Devlopment Programme for Chairpersons/Directors of Fisheries Coop. Socieites of nowgaon, Bhopal, Madhya Pradesh	40	25	8	0	6	11	0	28-30 March, 2025	Fisheries	Madhya Pradesh
142	15 days Capacity Development Programme, Amerili District Coop.Union, Gujarat	63	0	0	0	11	35	0	10-24 March, 2025	PACS	Gujarat

143	Centre for Studies for Rural Management, Gujarat Vidyapith	34	3	16	34	9	5	0	19-21 March, 2025	Cooperative Education	India
144	Leadership Devlopment Programme for Chairpersons/Directors of Amreli District Coop. Gujarat.	43	0	0	43	0	43	0	27-29 March, 2025	Cooperative Education	India
145	Leadership Devlopment Programme for Chairpersons/Directors of Jila Sahakari Sangh Maryadit, Jhabua, Madhya Pradesh.	49	41	0	0	8	0	0	27 Feb. 1 March, 2025	Fisheries	Madhya Pradesh
146	Leadership Devlopment Programme for Chairpersons/Directors of Fisheries Coop. of West Bengal	20	15	1	0	2	2	0	20-22 January, 2025	Fisheries	West Bengal
147	Training Programme on "Organic Farming"	38	2	0	6	19	17	0	25-27 March, 2025	Agriculture	India
148	Review Cum Refresher Programme for LMs/LCEIs of NCUI Coop. Education Field Projects	18	3	0	18	3	12	4	5-7 March, 2025	Cooperative Education	India
149	Training Programme of EDP in collaboration with NSIC for women Trainers, Instructors and Cooperators"	28	2	8	28	11	7	0	17-28 March, 2025	Women Coops.	India
150	Leadership Devlopment Programme for Chairpersons/Directors of Tribal Cooperative Societies of Manipur	40	0	40	0	0	0	0	20-22 March, 2025	Tribal	NE States
151	Capacity Building Programme for Managers/Secretaries of PACS of Manipur	40	10	0	12	13	17	0	21-25 March, 2025	PACS	NE States
152	Leadership Devlopment Programme for Chairpersons/Directors of District Coop. Union, Ujjain, Madhya Pradesh	50	1	5	2	15	28	0	13-15 February, 2025	Dairy	Madhya Pradesh
153	15 Days Programme for Manager/Officials of District Cooperative Unions Ltd. Khargon, Madhya Pradesh	50	0	1	0	34	15	0	24 February-13 March, 2025	PACS	Madhya Pradesh
154	15 Days Programme for Surat District Cooperative Union, Surat, Bardoli, Gujarat	61	0	2	0	12	47	0	5-25 March, 2025	PACS	Gujarat
155	15 Days PACS Programme for Gujarat State Coopeative Union, Dharmpur, Valsad, Gujarat	50	1	43	3	9	0	0	5-25 March, 2025	PACS	Gujarat
156	Leadership Development Programme for Chairpersons/ Directors of Joint Farming Cooperative Societies of West Bengal	40	0	40	23	0	0	0	20-22 March, 2025	Joint Farming	Arunachal Pradesh
157	Leadership Development Programme for Leaders/Members of Devbhoomi Agro Multistate Cooperative Society Ltd. at Roorkee, Uttarakhand.	42	4	6	8	12	20	0	26-28 Septmber, 2024	MSCS	Uttarakhand
158	Leadership Development Programme for Leaders/Members of Devbhoomi Agro Multistate Cooperative Society Ltd. at Roorkee, Uttarakhand.	42	2	4	12	15	21	0	21-23 November, 2024	MSCS	Uttarakhand
159	Leadership Development Programme for Chairperson/Women Director of Cooperative Societies of Bihar.	47	10	0	46	34	3	0	3-5 March, 2025	Women Coops.	Bihar
	Total	**1660**	**181**	**226**	**416**	**606**	**557**	**31**			

सहकारी शिक्षा क्षेत्र परियोजनाएँ

1. परिचय

सहकारी दृष्टि से अविकसित राज्यों और क्षेत्रों में सहकारी आंदोलन को मज़बूत करने और विकास में क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने की एक विशेष पहल के रूप में भारत सरकार ने 1976 में सहकारी शिक्षा योजना को मंज़ूरी दी। यह योजना भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) द्वारा जमीनी स्तर पर सहकारी सिद्धांतों और प्रथाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यान्वित की जाती है। यह एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जो कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित है और सहकारी समितियों को सशक्त बनाने और उनके सदस्यों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में उनकी भूमिका को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई है।

2. उद्देश्य

इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य चिन्हित परियोजना क्षेत्रों में सहकारी समितियों का विकास और संवर्धन करना है। ये समितियाँ सामूहिक प्रयासों, संसाधनों के आदान-प्रदान और पारस्परिक सहयोग को प्रोत्साहित करके किसान सदस्यों को संगठित और सशक्त बनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती हैं। इन सहकारी समितियों के माध्यम से, इस योजना का उद्देश्य किसान सदस्यों को शिक्षा, तकनीकी मार्गदर्शन और उन्नत कृषि पद्धतियों तक पहुँच प्रदान करके उनकी उत्पादकता बढ़ाना है। अंततः, इसका उद्देश्य उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाना और ग्रामीण समुदायों के समग्र विकास में योगदान देना है।

3. दृष्टिकोण

सहकारी शिक्षा के माध्यम से सहकारी विकास के लिए गहन प्रयास, कृषि एवं तकनीकी मार्गदर्शन के साथ मिलकर, परियोजना दृष्टिकोण का मूल आधार हैं। परियोजना द्वारा अपनाई गई समितियों के पदाधिकारियों और सदस्यों को व्यावसायिक गतिविधियों की योजना बनाने, संचालन प्रबंधन और मूल्यांकन में उनकी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से व्यावसायिक विकास योजनाओं को लागू करने के लिए प्रेरित और शिक्षित किया जाता है। सूक्ष्म ऋण की सुविधा और स्थायी आय-सृजन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए परियोजना कर्मियों द्वारा स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जाता है। इन समूहों का गठन और संचालन सहकारी संस्कृति में निहित है। सभी शैक्षिक, कृषि मार्गदर्शन और विकासात्मक गतिविधियाँ परियोजनाओं द्वारा उनके समग्र विकास के लिए अपनाई गई PACS/LAMPS की व्यावसायिक विकास योजनाओं से जुड़ी हुई हैं।

4. सर्वेक्षण

- बेंचमार्क सर्वेक्षण एक व्यापक डेटा संग्रह प्रक्रिया है जिसका उपयोग सूचना की एक आधार रेखा स्थापित करने के लिए किया जाता है जिसके आधार पर भविष्य की प्रगति और प्रदर्शन को मापा जा सकता है।

- सहकारी समितियों के संदर्भ में, बेंचमार्क सर्वेक्षण संचालन की वर्तमान स्थिति, सदस्यों की संतुष्टि, आर्थिक प्रभाव और अन्य महत्वपूर्ण कारकों का आकलन करने में मदद करता है।

- यह जानकारी लक्ष्य निर्धारित करने, रणनीति विकसित करने और समय के साथ प्रगति की निगरानी के लिए महत्वपूर्ण है।

- बेंचमार्क सर्वेक्षण मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है जो समाज में रणनीतिक योजना और निरंतर सुधार के लिए आवश्यक है।

- व्यवस्थित रूप से आँकड़े एकत्रित और विश्लेषित करके, सहकारी समितियाँ यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित कर सकती हैं, प्रगति की निगरानी कर सकती हैं और विकास एवं सदस्य संतुष्टि को बढ़ावा देने वाले निर्णय ले सकती हैं।

5. भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) देश भर में सहकारी शिक्षा को तीव्र करने के उद्देश्य से केंद्रीय क्षेत्र योजना का क्रियान्वयन कर रहा है। यह 34 सहकारी शिक्षा क्षेत्रीय परियोजनाओं के माध्यम से किया जा रहा है जिनमें विशिष्ट महिला परियोजनाएँ और पूर्वोत्तर क्षेत्र परियोजनाएँ शामिल हैं। ये परियोजनाएँ सहकारी दृष्टि से अविकसित राज्यों, विकसित राज्यों के अविकसित क्षेत्रों और केंद्र शासित प्रदेशों में रणनीतिक रूप से स्थित हैं। इस व्यापक भौगोलिक कवरेज का उद्देश्य क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करना और समावेशी सहकारी विकास सुनिश्चित करना है।

6. परियोजना गतिविधियाँ: -

परियोजना गतिविधियों को मुख्यतः चार भागों में विभाजित किया गया है:
i) शैक्षिक/विकासात्मक गतिविधियाँ।
ii) कृषि/तकनीकी मार्गदर्शन गतिविधियाँ।
iii) सामाजिक-विकासात्मक गतिविधियाँ।
iv) महिला विकास गतिविधियाँ।

i. शैक्षिक/विकासात्मक गतिविधियाँ: शैक्षिक और विकासात्मक गतिविधियाँ सदस्यों को उनके व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने, सहकारी समितियों के संचालन में सुधार लाने और उनके समुदायों में सकारात्मक योगदान देने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। शैक्षिक और विकासात्मक गतिविधियों के माध्यम से, सहकारी समितियाँ अपने सदस्यों की क्षमताओं को बढ़ा सकती हैं, परिचालन दक्षता में सुधार कर सकती हैं और सहकारी समिति की समग्र सफलता और स्थिरता में योगदान दे सकती हैं।

ii. कृषि/तकनीकी मार्गदर्शन गतिविधियाँ: कृषि कार्यों की उत्पादकता, स्थिरता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए कृषि और तकनीकी मार्गदर्शन गतिविधियाँ महत्वपूर्ण हैं। ये गतिविधियाँ सदस्यों को सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने, नई तकनीकों को लागू करने और अपने समग्र कृषि प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और उपकरण प्रदान करती हैं। कृषि और तकनीकी मार्गदर्शन गतिविधियाँ, सहकारी समितियाँ अपने सदस्यों के ज्ञान, कौशल और उत्पादकता को बढ़ा सकती हैं, जिससे बेहतर कृषि पद्धतियाँ, बढ़ी हुई आय और सतत विकास हो सकता है।

iii. सामाजिक-विकासात्मक गतिविधियाँ: सामाजिक-विकासात्मक गतिविधियाँ अपने सदस्यों और उनके द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले समुदायों के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कल्याण में सुधार लाने पर केंद्रित होती हैं। ये गतिविधियाँ सहकारी समितियों को सामुदायिकता, एकजुटता और पारस्परिक सहायता की भावना को बढ़ावा देते हुए समाज के समग्र विकास में योगदान करने में मदद करती हैं। इन सामाजिक-विकासात्मक गतिविधियों में भाग लेकर, सहकारी समितियाँ समावेशी और सतत सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। ये गतिविधियाँ न केवल सदस्यों के जीवन स्तर में सुधार लाती हैं, बल्कि समुदाय में सहकारी समिति के सामाजिक प्रभाव और प्रासंगिकता को भी मजबूत करती हैं।

iv. महिला विकास गतिविधियाँ: महिला विकास गतिविधियों का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और महिला सदस्यों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाना है। इन गतिविधियों से सहकारी नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी बढ़ सकती है, आर्थिक अवसरों में सुधार हो सकता है और समग्र सामुदायिक विकास हो सकता है। इन महिला विकास गतिविधियों को लागू करके, सहकारी समितियाँ एक अधिक समावेशी और समतामूलक वातावरण का निर्माण कर सकती हैं जो महिलाओं को सशक्त बनाता है, लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है और सहकारी समिति की समग्र सफलता और स्थिरता को बढ़ाता है।

कौशल विकास कार्यक्रम: सदस्यों की क्षमताओं को बढ़ाने, संचालन दक्षता में सुधार लाने और सहकारी समिति की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम आवश्यक हैं। ये कार्यक्रम बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता से लेकर उन्नत तकनीकी और प्रबंधकीय दक्षताओं तक, विभिन्न प्रकार के कौशलों पर केंद्रित हैं। इन कौशल विकास कार्यक्रमों में निवेश करके, सहकारी समितियाँ अपने सदस्यों की क्षमताओं को बढ़ा सकती हैं, उत्पादकता में सुधार ला सकती हैं और सहकारी समिति की समग्र सफलता और स्थिरता में योगदान दे सकती हैं।

7. प्रगति:

- किसी सहकारी संस्था की प्रगति को वित्तीय प्रदर्शन, सदस्य संतुष्टि, परिचालन दक्षता, सामाजिक प्रभाव और शासन सहित विभिन्न आयामों के आधार पर मापा जा सकता है।
- परियोजनावार गतिविधियाँ, उपलब्धियाँ और प्रगति तथा विशेष गतिविधियों के मुख्य बिंदु अनुलग्नक I, II, III और IV में दिए गए हैं।

शिक्षा परियोजनाओं की राज्यवार सूची

ज़ोन	अनुक्रमांक	राज्य	परियोजना स्थान	संख्या
दक्षिण :	1.	कर्नाटक	गुलबर्गा (यादगीर), शिमोगा	2
	2.	केरल	तिरुवनंतपुरम	1
	3.	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा	1
	4.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	पोर्ट ब्लेयर	1
				5
पश्चिम	5.	गोवा	पणजी	1
	6.	गुजरात	गांधीनगर, सुरेंद्रनगर	2
	7.	मध्य प्रदेश	उज्जैन, भोपाल, रतलाम	3

	8.	छत्तीसगढ	रायपुर	1
				7
पूर्व	9.	बिहार	हाजीपुर, आरा	2
	10.	ओडिशा	खुर्दा, अस्का, पुरी	3
	11.	पश्चिम बंगाल	रायगंज	1
				6
	12.	जम्मू और कश्मीर	उधमपुर	1
उत्तर				
	13.	हिमाचल प्रदेश	बिलासपुर	1
	14.	पंजाब	फाजिल्का, होशियारपुर	2
	15.	राजस्थान	झुंझुनू, जोधपुर	2
	16.	उत्तर प्रदेश	फ़तेहपुर, बागपत, झाँसी, देवरिया,	4
				10
उत्तर पूर्व	17.	असम	मोरीगांव	1
	18.	मणिपुर	थौबल, पूर्वी इंफाल	2
	19.	मेघालय	शिलांग	1
	20.	नागालैंड	कोहिमा	1
	21.	मिज़ोरम	आइज़ोल	1
				6

अनुलग्नक I

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक की प्रगति रिपोर्ट

सहकारी रुप से अविकसित राज्यों में सहकारी शिक्षा का विवरण विकसित राज्यों के राज्य/अविकसित क्षेत्र में 34 परियोजनाएँ

अनुक्र-मांक	गतिविधि	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
ए	सहकारी शिक्षा गतिविधियाँ		
1	सहकारी शिक्षा कार्यक्रम	810	12681
2	जागरूकता संपर्क कार्यक्रम	1132	30211
3	आईटी और साइबर सुरक्षा	567	15273
4	सहकारी समितियों का संवर्धन और पुनरुद्धार	649	12094
5	बीडीपी कार्यक्रम	632	15992
	कुल (ए)	**3790**	**86251**
बी	सामाजिक शिक्षा गतिविधियाँ	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1	सामान्य जागरूकता कार्यक्रम	808	14293
2	लघु कौशल कार्यक्रम	491	7915
3	बीमा योजनाएँ	682	12677
4	विशेष समुदायों के लिए जागरूकता कार्यक्रम	1033	16421
5	पंचायती राज व्यवस्था का कामकाज	708	13135
	कुल (बी)	**3722**	**64441**
सी	महिला विकास शिक्षा	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1	स्वयं सहायता समूहों का गठन	632	12170
2	सूक्ष्म वित्त योजनाएँ	518	10048
3	लघु कौशल कार्यक्रम	293	4946
4	महिला किसान क्लब	392	7689
5	सरकार की महिला सशक्तिकरण योजनाएँ	672	12425
	कुल (सी)	**2507**	**47278**
डी	कृषि तकनीकी मार्गदर्शन गतिविधियाँ	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1	प्राकृतिक और जैविक खेती	199	4082
2	पशुपालन	212	4008
3	बीज उपचार	183	2913
4	विपणन और प्रसंस्करण	189	3756
5	मृदा परीक्षण और उर्वरकों का उपयोग	182	2855
6	जल की बचत और संचयन	163	2606
7	कृषि सरकारी योजनाएँ	165	3278
	कुल (डी)	**1293**	**23498**

ई	कौशल विकास कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1	सिलाई पाठ्यक्रम	2	63
2	कृत्रिम आभूषण बनाने के पाठ्यक्रम	0	0
3	कढ़ाई और कपड़े पर पेंटिंग के पाठ्यक्रम	5	105
4	ब्यूटी पार्लर लघु पाठ्यक्रम	0	0
5	सुगंधित मोमबत्ती बनाना	0	0
6	आय सृजन के लिए व्यावसायिक पशुपालन जैसे सुअर पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, डेयरी, मत्स्य पालन पर कार्यशाला	19	368
7	स्वयं सहायता समूह/सहकारी सदस्यों का एक्सपोजर दौरा/अध्ययन दौरा	2	28
8	पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम	14	205
9	पैक्स/एसएचजी के निदेशकों/सदस्यों के लिए एलडीपी कार्यक्रम	24	440
	कुल (ई)	**66**	**1209**
	कुल (ए+बी+सी+डी+ई)	**11378**	**222677**

अनुलग्नक II

एनसीयूआई सहकारी शिक्षा क्षेत्र परियोजनाओं की मुख्य विशेषताएं और अन्य गतिविधियाँ अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 तक

अनुक्रमांक	कार्यक्रम का नाम	कुल संख्या
1	पंजीकृत सोसायटी	73
2	पुनर्जीवित समितियां	50
3	स्वयं सहायता समूहों को समितियों में परिवर्तित किया गया	155
4	नए नामांकित सदस्य सोसायटी	3872
5	मिट्टी के नमूने का परीक्षण किया गया	1183
6	बीज के नमूने का परीक्षण किया गया	941
7	गठित स्वयं सहायता समूह	360
8	एसएचजी टी/सी बैठक	1479
9	स्वयं सहायता समूह में नए सदस्य	852
10	एमसी बैठकें	748
11	एजीएम बैठकें	112

अनुलग्नक- III

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 की अवधि के लिए वार्षिक रिपोर्ट

ए) सहकारी शिक्षा क्षेत्र परियोजनाएँ

			पुरुष प्रतिभागी				महिला प्रतिभागी					
अनुक्रमांक	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम	एससी	एसटी	ओबीसी	अन्य	एससी	एसटी	ओबीसी	यूआर	अन्य	कुल
1	**GANDHINAGAR**	130	46	30	480	381	40	-	276	348	102	1,703
2	**ARRAH**	72	369	-	578	613	81	-	142	77	-	1,860
3	**BAGPAT**	146	1,431	10	1,171	926	62	27	98	33	77	3,835
4	**BILASPUR**	211	840	8	172	2,677	508	3	51	1,169	16	5,444
5	**FAZILKA**	97	82	-	1,270	598	-	35	182	215	-	2,382
6	**PURI**	72	15	3	252	79	305	223	508	127	6	1,518
7	**DEORIA**	213	1,091	140	2,297	280	188	359	928	188	180	5,651
8	**FATEHPUR**	144	929	-	941	1,144	209	-	285	143	3	3,654
9	**GULBARGA**	62	296	254	290	182	285	191	167	67	-	1,732
10	**HAZIPUR**	144	518	-	798	883	401	-	490	430	221	3,741
11	**HOSHIARPUR**	235	2,081	33	320	2,873	487	-	-	253	-	6,047
12	**UDHAMPUR**	108	454	342	300	260	448	351	305	262	175	2,897
13	**JHANSI**	142	1,198	293	1,054	339	305	53	308	96	6	3,652
14	**JHUNJHUNU**	159	431	400	1,275	637	339	328	382	462	19	4,273
15	**JODHPUR**	45	104	68	125	196	101	44	115	228	-	981
16	**KHURDA**	10	-	-	156	44	-	-	60	-	-	260
17	**PANAJI Goa**	119	6	2	8	70	7	263	1,034	513	-	1,903
18	**PORT BLAIR**	95	-	12	51	140	57	24	250	319	1,340	2,193
19	**RAIGUNJ**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
20	**RAIPUR**	70	137	27	691	7	77	8	205	6	-	1,158
21	**RATLAM**	174	470	467	1,120	704	45	12	37	26	-	2,881
22	**SURENDRA NAGAR**	87	13	-	401	1,471	95	-	-	-	-	1,980
23	**Thiruvananthapuram**	78	219	147	-	-	1,004	492	-	-	-	1,862
24	**UJJAIN**	289	1,072	188	1,461	1,043	133	28	110	70	3	4,108
25	**VIJAYAWADA**	63	31	7	40	41	371	26	207	121	7	851
26	**SHIMOGA**	113	-	-	-	-	302	366	-	82	1,342	2,092
27	**ASKA**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
28	**Manipur (Imphal)**	66	-	-	-	-	775	70	760	110	-	1,715
29	**Bhopal**	45	-	-	-	5	365	197	385	148	26	1,126
30	**AIZAWL**	198	-	2,640	-	-	-	2,475	-	-	-	5,115
31	**THOUBAL**	12	-	-	-	-	-	40	115	60	-	215
32	**KOHIMA**	120	-	1,057	-	-	-	1,391	-	-	-	2,448
33	**MORIGAON**	146	90	111	193	17	875	1,213	869	171	61	3,600
34	**SHILLONG**	125	-	1,469	-	-	15	1,840	-	-	50	3,374
	TOTAL	**3,790**	**11,923**	**7,708**	**15,444**	**15,610**	**7,880**	**10,059**	**8,269**	**5,724**	**3,634**	**86,251**

बी. सामाजिक शिक्षा कार्यक्रम

			पुरुष प्रतिभागी				महिला प्रतिभागी					
अनुक्रमांक	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम	एससी	एसटी	ओबीसी	अन्य	एससी	एसटी	ओबीसी	यूआर	अन्य	कुल
1	GANDHINAGAR	91	42	-	142	443	25	4	317	481	268	1,722
2	ARRAH	72	271	-	349	301	99	20	168	74	-	1,282
3	BAGPAT	129	967	6	925	553	41	1	91	32	43	2,659
4	BILASPUR	175	784	-	75	1,225	362	7	24	589	-	3,066
5	FAZILKA	97	86	-	776	424	29	5	152	172	3	1,647
6	PURI	72	12	3	103	59	298	227	491	73	45	1,311
7	DEORIA	216	619	192	1,406	244	246	120	768	219	14	3,828
8	FATEHPUR	138	654	-	641	659	232	-	163	165	-	2,514
9	GULBARGA	65	263	195	238	134	232	170	142	67	1	1,442
10	HAZIPUR	144	364	-	482	496	311	6	375	347	161	2,542
11	HOSHIARPUR	249	1,194	-	209	1,013	1,645	-	6	491	4	4,562
12	UDHAMPUR	108	384	230	187	178	357	212	164	172	118	2,002
13	JHANSI	138	739	209	747	259	222	51	270	69	-	2,566
14	JHUNJHUNU	159	366	354	623	341	339	292	475	298	3	3,091
15	JODHPUR	45	76	8	170	109	44	7	243	194	-	851
16	KHURDA	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17	PANAJI Goa	105	1	6	4	61	12	235	720	584	8	1,631
18	PORT BLAIR	95	-	-	42	47	62	57	123	182	1,114	1,627
19	RAIGUNJ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
20	RAIPUR	99	163	41	971	5	15	1	74	-	-	1,270
21	RATLAM	170	456	390	953	598	2	4	5	5	-	2,413
22	SURENDRA NAGAR	79	15	18	451	921	-	-	-	-	-	1,405
23	Thiruvananthapuram	78	182	133	-	-	611	399	-	-	-	1,325
24	UJJAIN	281	942	162	1,302	902	164	38	161	99	11	3,781
25	VIJAYAWADA	49	50	9	40	36	243	27	194	77	5	681
26	SHIMOGA	90	-	-	-	-	229	271	6	47	1,073	1,626
27	ASKA	82	-	-	108	1	116	-	539	90	-	854
28	Manipur (Imphal)	57	-	-	-	-	660	130	190	10	-	990
29	Bhopal	40	-	-	-	-	219	164	232	90	30	735
30	AIZAWL	198	-	2,310	-	-	-	1,155	-	-	-	3,465
31	THOUBAL	10	-	-	100	20	-	-	55	10	-	185
32	KOHIMA	122	-	722	-	20	-	1,065	-	14	-	1,821
33	MORIGAON	144	34	65	86	1	560	1,096	830	125	-	2,797
34	SHILLONG	125	-	1,059	-	-	-	1,651	-	-	40	2,750
	TOTAL	**3,722**	**8,664**	**6,112**	**11,130**	**9,050**	**7,375**	**7,415**	**6,978**	**4,776**	**2,941**	**64,441**

सी. महिला विकास कार्यक्रम

अनुक्रमांक	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम	पुरुष प्रतिभागी				महिला प्रतिभागी					कुल
			एससी	एसटी	ओबीसी	अन्य	एससी	एसटी	ओबीसी	यूआर	अन्य	
1	GANDHINAGAR	79	-	-	-	18	165	72	606	351	45	1,257
2	ARRAH	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	BAGPAT	149	-	-	-	-	1,487	-	1,297	732	601	4,117
4	BILASPUR	89	-	-	-	-	208	36	-	1,380	-	1,624
5	FAZILKA	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	PURI	143	-	-	-	-	775	605	760	540	60	2,740
7	DEORIA	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	FATEHPUR	110	-	-	-	-	564	-	391	1,258	-	2,213
9	GULBARGA	102	27	17	10	30	728	341	496	316	-	1,965
10	HAZIPUR	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	HOSHIARPUR	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	UDHAMPUR	102	302	229	211	199	258	221	178	168	170	1,936
13	JHANSI	173	-	-	-	-	832	791	889	788	-	3,300
14	JHUNJHUNU	146	-	-	-	-	267	268	1,916	720	-	3,171
15	JODHPUR	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16	KHURDA	4	-	-	-	-	8	20	60	32	-	120
17	PANAJI Goa	16	3	-	-	9	5	87	140	53	-	297
18	PORT BLAIR	24	-	-	-	-	9	7	59	118	237	430
19	RAIGUNJ	260	-	-	-	-	1,964	340	41	1,172	433	3,950
20	RAIPUR	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
21	RATLAM	95	-	-	-	-	631	591	610	414	-	2,246
22	SURENDRA NAGAR	62	-	-	-	-	154	58	998	8	-	1,218
23	Thiruvananthapuram	120	-	-	-	90	1,832	32	23	35	-	2,012
24	UJJAIN	123	-	-	-	-	536	486	670	702	32	2,426
25	VIJAYAWADA	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
26	SHIMOGA	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
27	ASKA	38	-	-	-	-	-	218	181	-	-	399
28	Manipur (Imphal)	104	-	-	-	-	590	260	980	180	-	2,010
29	Bhopal	20	-	-	1	-	128	35	130	59	4	357
30	AIZAWL	122	-	-	-	-	215	2,195	-	-	-	2,410
31	THOUBAL	32	-	-	-	-	-	40	325	280	-	645
32	KOHIMA	120	-	-	-	-	597	1,451	-	-	-	2,048
33	MORIGAON	141	-	-	-	15	958	671	836	240	7	2,727
34	SHILLONG	131	-	-	-	-	270	1,390	-	-	-	1,660
	TOTAL	**2,507**	**332**	**246**	**222**	**361**	**13,181**	**10,215**	**11,586**	**9,546**	**1,589**	**47,278**

डी. कृषि तकनीकी मार्गदर्शन

			पुरुष प्रतिभागी				महिला प्रतिभागी					
अनुक्रमांक	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम	एससी	एसटी	ओबीसी	अन्य	एससी	एसटी	ओबीसी	यूआर	अन्य	कुल
1	GANDHINAGAR	100	-	-	-	90	-	295	1,082	231	-	1,698
2	ARRAH	130	255	-	211	147	162	21	162	141	1,177	2,276
3	BAGPAT	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	BILASPUR	141	323	-	218	889	193	21	131	849	34	2,658
5	FAZILKA	107	88	-	687	705	8	-	87	97	1	1,673
6	PURI	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	DEORIA	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	FATEHPUR	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	GULBARGA	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	HAZIPUR	112	322	-	326	379	373	-	302	298	-	2,000
11	HOSHIARPUR	156	650	-	-	2,242	1	-	-	-	-	2,893
12	UDHAMPUR	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13	JHANSI	136	757	-	1,123	351	149	-	64	20	-	2,464
14	JHUNJHUNU	191	933	362	1,573	849	-	-	-	-	-	3,717
15	JODHPUR	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16	KHURDA	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17	PANAJI Goa	6	-	-	-	-	12	38	110	-	-	160
18	PORT BLAIR	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
19	RAIGUNJ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
20	RAIPUR	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
21	RATLAM	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
22	SURENDRA NAGAR	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
23	Thiruvananthapuram	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
24	UJJAIN	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
25	VIJAYAWADA	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
26	SHIMOGA	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
27	Aska	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
28	Manipur (Imphal)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
29	Bhopal	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
30	AIZAWL	14	-	-	155	-	-	-	95	-	-	250
31	THOUBAL	42	170	-	280	25	75	15	180	15	-	760
32	KOHIMA	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
33	MORIGAON	158	302	316	329	392	417	395	384	412	2	2,949
34	SHILLONG	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	TOTAL	**1,293**	**3,800**	**678**	**4,902**	**6,069**	**1,390**	**785**	**2,597**	**2,063**	**1,214**	**23,498**

ई. कौशल विकास गतिविधियाँ

			पुरुष प्रतिभागी				महिला प्रतिभागी					
अनुक्रमांक	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम	एससी	एसटी	ओबीसी	अन्य	एससी	एसटी	ओबीसी	यूआर	अन्य	कुल
1	**GANDHINAGAR**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2	**ARRAH**	1	7	-	16	7	-	-	-	-	-	30
3	**BAGPAT**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	**BILASPUR**	4	-	-	-	-	9	-	22	44	-	75
5	**FAZILKA**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	**PURI**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	**DEORIA**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	**FATEHPUR**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	**GULBARGA**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	**HAZIPUR**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	**HOSHIARPUR**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	**UDHAMPUR**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13	**JHANSI**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14	**JHUNJHUNU**	2	-	-	-	-	35	-	27	1	-	63
15	**JODHPUR**	14	56	-	140	-	-	-	-	-	-	196
16	**KHURDA**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17	**PANAJI Goa**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
18	**PORT BLAIR**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
19	**RAIGUNJ**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
20	**RAIPUR**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
21	**RATLAM**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
22	**SURENDRA NAGAR**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
23	**Thiruvananthapuram**	12	150	155	-	-	-	-	-	-	-	305
24	**UJJAIN**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
25	**VIJAYAWADA**	29	6	-	2	5	211	-	56	89	6	375
26	**SHIMOGA**	3	-	-	-	-	18	-	1	-	116	135
27	**ASKA**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
28	**Manipur (Imphal)**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
29	**Bhopal**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
30	**AIZAWL**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
31	**THOUBAL**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
32	**KOHIMA**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
33	**MORIGAON**	1	-	-	-	-	5	9	9	7	-	30
34	**SHILLONG**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	TOTAL	**66**	**219**	**155**	**158**	**12**	**278**	**9**		**141**	**122**	**1,209**
	GRAND TOTAL	**11,378**	**24,938**	**14,899**	**31,856**	**31,102**	**30,104**	**28,483**	**29,430**	**22,250**	**9,500**	**2,22,677**

अध्याय 3

सामान्य सहकारिता नीति

सामान्य सहकारी नीति (जीसीपी) विभाग ने वर्ष 2024-25 के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें लद्दाख, त्रिपुरा और सिक्किम राज्यों में सहकारिता के संवर्धन और विकास पर कार्यशाला शामिल है। एनसीयूआई में राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय बहु-राज्य सहकारी समितियों के लिए एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया जिसके बाद देश में आईवाईसी 2025 मनाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श और रूपरेखा तैयार करने के लिए राष्ट्रीय सहकारी संघों और राज्य सहकारी संघों का एक राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण आगे के अनुच्छेदों में दिया गया है।

"लद्दाख में सहकारिता के संवर्धन और विकास पर कार्यशाला: 30, 31 अगस्त, 2024

एनसीयूआई ने 30, 31 अगस्त, 2024 तक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में सहकारिता के संवर्धन और विकास पर दो दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. पवन कोटवाल, आईएएस, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल के सलाहकार थे। इस कार्यशाला की अध्यक्षता भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ, अध्यक्ष श्री दिलीप संघाणी जी ने की।

इस सम्मेलन में उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में श्री प्रदीप कुमार (गवर्निंग काउंसिल सदस्य, एनसीयूआई), डॉ. सुधीर महाजन (मुख्य कार्यकारी, एनसीयूआई), श्री सज्जाद कादरी (अतिरिक्त रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, लद्दाख), उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, लेह और कारगिल शामिल थे। इसके अलावा भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ और सहकारिता विभाग, लद्दाख के अधिकारी और कर्मचारी भी इस कार्यशाला में शामिल हुए।

इस अवसर पर लद्दाख की सहकारी समितियों द्वारा निर्मित उत्पादों की एक प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. पवन कोटवाल, आईएएस, माननीय उपराज्यपाल, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के सलाहकार द्वारा किया गया।

लेह और कारगिल ज़िलों की लगभग 250 सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रुप से भाग लिया। जम्मू-कश्मीर की

सहकारी समितियों के प्रतिनिधि, एनसीडीसी के क्षेत्रीय निदेशक, नाबार्ड के महाप्रबंधक और जम्मू-कश्मीर डेयरी सहकारी संघ लिमिटेड के अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

इस कार्यशाला में लद्दाख में सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक गतिविधियों को संचालित करने और शैक्षिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए सराहना और सुझाव प्राप्त हुए तथा सहकारी क्षेत्र के समक्ष आने वाली चुनौतियों और समस्याओं के समाधान के लिए सिफारिशें भी की गईं।

देश में सहकारिता को बढ़ावा देने और उसे और मजबूत बनाने पर चर्चा और विचार-विमर्श के लिए बहु-राज्य सहकारी समितियों के लिए संगोष्ठी 20 नवंबर, 2024

एनसीयूआई ने देश में सहकारिता को बढ़ावा देने और उसे और मज़बूत बनाने पर चर्चा और विचार-विमर्श के लिए 20 नवंबर 2024 को नई दिल्ली में बहु-राज्यीय सहकारी समितियों के लिए एनसीयूआई, अध्यक्ष श्री दिलीप संघाणी की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। एनसीयूआई उपाध्यक्ष और दिल्ली राज्य सहकारी बैंक अध्यक्ष डॉ. बिजेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त आईसीए-एपी एवं कृभको अध्यक्ष डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस बैठक में भाग लिया। इसमे विभिन्न बहु-राज्यीय सहकारी समितियों और अन्य हितधारकों के लगभग 60 प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत रूप से और हाइब्रिड मोड के माध्यम से संगोष्ठी में भाग लिया।

इस संगोष्ठी की रिपोर्ट और अनुशंसाएँ माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा सचिव, सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार को सूचनार्थ एवं अग्रिम कार्रवाई हेतु प्रेषित की गई ।

राष्ट्रीय सहकारी संघों एवं राज्य सहकारी संघों का राष्ट्रीय स्तरीय सम्मेलन (आईवाईसी 2025) : 23 दिसंबर, 2024

IYC2025 के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सहकारी महासंघों और राज्य सहकारी संघों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन की अध्यक्षता एनसीयूआई अध्यक्ष श्री दिलीप संघाणी ने की। इस अवसर पर आईसीए-एपी एवं कृभको अध्यक्ष डॉ. चंद्रपाल सिंह, एनसीयूआई उपाध्यक्ष डॉ. बिजेन्द्र सिंह, नैफेड अध्यक्ष श्री जेठाभाई अहीर, गुजरात राज्य सहकारी संघ अध्यक्ष श्री जी.एच. अमीन, एनसीयूआई मुख्य कार्यकारी डॉ. सुधीर महाजन और राष्ट्रीय स्तर के सहकारी महासंघों तथा राज्य सहकारी संघों के अध्यक्षों एवं प्रबंध निदेशकों सहित लगभग 80 प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में एनसीयूआई अध्यक्ष ने संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किए जाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने "सहकारिताएँ एक बेहतर विश्व का निर्माण करती हैं" विषय पर ज़ोर दिया जो सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय आयामों में सतत विकास को आगे बढ़ाने में सहकारिताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

यह सम्मेलन देश में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 मनाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श और रूपरेखा तैयार करने के लिए आयोजित किया गया था।

"त्रिपुरा में सहकारिता के संवर्धन और विकास" पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन - 04 फरवरी, 2025

संयुक्त राष्ट्र ने "सहकारिताएँ एक बेहतर विश्व का निर्माण करती हैं" विषय के साथ वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (IYC2025) घोषित किया है। इसी के अनुरूप, एनसीयूआई, भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के सहयोग से, सामाजिक और आर्थिक विकास में सहकारी समितियों के योगदान को उजागर करने के लिए पूरे वर्ष भर भारत भर में कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित कर रहा है। एनसीयूआई ने पूर्वोत्तर राज्य से आईवाईसी-2025 समारोह की शुरुआत की और 4 फरवरी, 2025 को अगरतला के रवींद्र सतबर्षिकी भवन में "त्रिपुरा में सहकारिता के संवर्धन और विकास" पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य आईवाईसी-2025 समारोह के हिस्से के रूप में दुनिया भर में सहकारी समितियों की प्रभावशीलता और स्थिरता को बढ़ाने वाली नवीन रणनीतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं का पता लगाना था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ.) माणिक साहा ने किया जिसकी अध्यक्षता एनसीयूआई अध्यक्ष श्री दिलीप संघाणी ने की। इस कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में त्रिपुरा सरकार के सहकारिता मंत्री श्री शुक्ला चरण नोआतिया, विधायक एवं त्रिपुरा राज्य सहकारी संघ अध्यक्ष श्री मैलाफ्रू मोग, विधायक एवं अगरतला नगर निगम महापौर श्री दीपक मजूमदार, सचिव (सहकारिता), त्रिपुरा सरकार श्री तपस रे, आईएएस, और एनसीयूआई मुख्य कार्यकारी डॉ. सुधीर महाजन, आई.ए.एस. (रिटायर्ड) शामिल थे।

इसमे राज्य, जिला एवं प्राथमिक स्तर के सहकारी संगठनों के 1,400 से अधिक प्रतिनिधियों, सहकारिता विभाग के अधिकारियों और त्रिपुरा में सहकारी आंदोलन से जुड़े अन्य हितधारकों ने सम्मेलन में भाग लिया। इस कार्यक्रम में बताया गया कि सहकारी समितियों, सरकारी अधिकारियों और विशेषज्ञों सहित प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाकर, यह पहल त्रिपुरा में एक परिवर्तनकारी सहकारी आंदोलन के लिए मंच तैयार करती है, जिससे क्षेत्र के लिए सतत विकास और समृद्धि सुनिश्चित करती है।

माननीय मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ.) माणिक साहा, मुख्य अतिथि, त्रिपुरा , एनसीयूआई अध्यक्ष
श्री दिलीप संघाणी, श्री शुक्ला चरण नोतिया,
त्रिपुरा सरकार,सहकारिता मंत्री ने दीप प्रज्वलित करते हुए।

29 मार्च 2025 को "सिक्किम में सहकारिता के संवर्धन और विकास" पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन

IYC-2025 समारोह के एक भाग के रूप में NCUI ने 29 मार्च 2025 को सहकारिता विभाग, सिक्किम सरकार और सिक्किम राज्य सहकारी संघ (SICUN) के सहयोग से "सिक्किम राज्य में सहकारिता के संवर्धन और विकास" पर एक राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस सम्मेलन में राज्य भर की विभिन्न सहकारी समितियों के 600 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी उपस्थित होकर इसकी शोभा बढ़ाई और इसे समृद्ध बनाया। डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव, अध्यक्ष, आईसीए-एपी एवं कृभको , डॉ. बिजेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष, एनसीयूआई, श्री के. शिवदासन नायर, उपाध्यक्ष, एनसीयूआई, सिक्किम विधान सभा उपाध्यक्ष, एचसीएम के राजनीतिक सचिव, कैबिनेट मंत्री, विधायक, सलाहकार, एनसीयूआई शासी परिषद सदस्य उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त डॉ. सुधीर महाजन, एनसीयूआई मुख्य कार्यकारी, श्रीमती सावित्री सिंह, एनसीयूआई उप मुख्य कार्यकारी, विभागों और कार्यालयों के प्रमुख, विभिन्न शीर्ष संगठनों और विभागों के प्रतिनिधि, सहकारी समितियों के सदस्य और प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

इस सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए सिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री ने भारत की अर्थव्यवस्था के भविष्य को आकार देने में सहकारी आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने सहकारिता के माध्यम से समावेशिता, ग्रामीण सशक्तिकरण और लचीलेपन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण का भी समर्थन किया और आगामी राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला जिसका उद्देश्य महिलाओं और युवाओं के समावेशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, सहकारी समितियों को और अधिक सशक्त बनाना है। उन्होंने शीर्ष सहकारी संस्था, सिक्किम मिल्क यूनियन की सफलता की कहानी का भी हवाला दिया जो इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि कैसे सहयोगात्मक प्रयास सहकारी क्षेत्र में विकास और स्थिरता ला सकते हैं।

इस सम्मेलन के दौरान माननीय मुख्यमंत्री ने सिक्किम राज्य में "सर्वश्रेष्ठ सहकारी समिति पुरस्कार" की घोषणा की जिसमें शीर्ष तीन सहकारी समितियों को क्रमशः 10 लाख रुपये, 7 लाख रुपये और 5 लाख रुपये के पुरस्कार दिए। उन्होंने सहकारी उत्पादों को बढ़ावा देने और बाज़ार पहुँच बढ़ाने के उद्देश्य से SICUN ई-कॉमर्स पोर्टल का भी शुभारंभ किया। माननीय मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी स्टालों का दौरा किया जहां विभिन्न सहकारी समितियों ने स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया था।

अध्याय 4

जनसंपर्क एवं प्रकाशन

जनसम्पर्क

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ के जनसंपर्क विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान संगठन की छवि को निखारने और मीडिया संस्थानों के साथ मज़बूत संबंध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभाग द्वारा रणनीतिक पहलों और सूक्ष्म योजना के माध्यम से विभिन्न मंचों पर प्रमुख संदेशों का प्रभावी ढंग से प्रसार किया और सहकारी लोकाचार को बढ़ावा दिया। जनसंपर्क विभाग की गतिविधियों का विस्तृत विवरण इस प्रकार है:

सहकारी सप्ताह के लिए राष्ट्रीय स्तर के महासंघों के प्रबंध निदेशकों/वरिष्ठ अधिकारियों की नामकरण बैठक

दिल्ली स्थित राष्ट्रीय स्तर के सहकारी संगठनों के प्रबंध निदेशकों/वरिष्ठ अधिकारियों की एक नामकरण बैठक 20 अगस्त, 2024 को आयोजित की गई। राष्ट्रीय स्तर के महासंघों के प्रबंध निदेशकों/प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ परामर्श के आधार पर सहकारी सप्ताह समारोह का विषय "विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका" तय किया गया। सहकारी सप्ताह के तिथिवार उप-विषय इस प्रकार थे: -

14-11-2024: सहकारिता मंत्रालय की नई पहलों के माध्यम से सहकारिता आंदोलन को सुदृढ़ बनाना।

15-11-2024: सहकारिता में नवाचार, प्रौद्योगिकी और सुशासन।

16-11-2024: उद्यमिता, रोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देने में सहकारिता की भूमिका।

17-11-2024: सहकारी उद्यम का रूपांतरण।

18-11-2024: सहकारी समितियों के बीच सहयोग को सुदृढ़ बनाना।

19-11-2024: महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्गों के लिए सहकारिताएँ।

20-11-2024: सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में सहकारिता की भूमिका और बेहतर विश्व के लिए आगे का रास्ता।

71वां अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह

71वाँ अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह पूरे देश में दिनांक 14 से 20 नवंबर 2024 तक मनाया गया। अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए जिनमें विषय के आधार पर कार्य करने हेतु कुल 07 उप-विषय निर्धारित किए गए। सहकारिता सप्ताह पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस वर्ष का विषय "विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका" था। सप्ताह भर चलने वाले इस उत्सव की शुरुआत 14 नवंबर 2024 को एनसीयूआई में एक उद्घाटन समारोह के साथ हुई। समारोह का उद्घाटन श्री दिलीप संघाणी, अध्यक्ष, एनसीयूआई ने किया और डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव, अध्यक्ष आईसीए, एपी एवं कृभको ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर और राज्य महासंघों के अध्यक्ष/एमडी, विभिन्न संगठनों के सहकारी अधिकारी और अन्य लोग एनसीयूआई सभागार में उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में देश भर से लगभग 350 गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में थीम के आधार पर पृष्ठभूमि और डिजिटल पोस्टर डिजाइन किए गए और सहकारी क्षेत्र के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए सभी संबंधितों तक इसे प्रसारित करने हेतु अन्य सभी सहकारी संगठनों के साथ साझा किए गए। इस एक सप्ताह की अवधि के दौरान वेबिनार आदि कई गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं।

वेबिनार

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 06 वेबिनार आयोजित किए गए जिनमें 400 से अधिक हितधारकों ने भाग लिया। इन

वेबिनार का मुख्य उद्देश्य सहकारी क्षेत्र, उसके महत्व और मंत्रालय द्वारा की गई नई पहलों और उनसे देश के आम लोगों को कैसे लाभ होगा, उसके बारे में जागरूकता फैलाना था। इन कार्यक्रमों में प्रतिभागियों को नवीनतम अपडेट और जानकारी प्राप्त करने के लिए सहकारिता मंत्रालय और एनसीयूआई के सोशल मीडिया हैंडल को फ़ॉलो करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया ।

प्रेस विज्ञप्ति/भाषण

विभिन्न विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के दौरों और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, सम्मेलन आदि जैसे आयोजनों के अवसर पर अंग्रेजी और हिंदी में प्रेस विज्ञप्तियाँ/भाषण तैयार किए गए।

एनसीयूआई और सामान्यतः सहकारी क्षेत्र में हो रहे विकास, विशेष रूप से एनसीयूआई की गतिविधियों/कार्यक्रमों से संबंधित, सोशल मीडिया अपडेट नियमित रूप से एनसीयूआई के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए गए।

सहकारिता मंत्रालय और एनसीयूआई के सोशल मीडिया हैंडल की पहुँच बढ़ाने के लिए सभी सदस्यों और अन्य हितधारकों की सक्रिय भागीदारी से सहकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठकों में विभागीय अधिकारियों ने नियमित रूप से भाग लिया। एनसीयूआई में हो रहे विकास से संबंधित समाचार व्यापक कवरेज के लिए नियमित रूप से indiancooperative.com को भेजे गए।

प्रकाशन

द कोऑपरेटर

द कोऑपरेटर एनसीयूआई द्वारा प्रकाशित एक मासिक पत्रिका है जो अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में प्रकाशित की जाती है। यह सहकारी संस्थाओं सहित सहकारी समुदाय के लिए एक नियमित संचार माध्यम है। द कोऑपरेटर के सभी अंक निर्धारित समय पर प्रकाशित किए गए और सभी संबन्धित संस्थाओं को वितरित किए गए और एनसीयूआई की वेबसाइट पर भी अपलोड किए गए। वर्ष के दौरान विभाग ने 71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के उपलक्ष्य में नवंबर 2024 में द कोऑपरेटर का एक विशेष अंक प्रकाशित किया। इस अंक का मुख्य विषय सहकारी सप्ताह की थीम के अनुरूप था। "विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका" सहकारी सप्ताह का थीम रखा गया था। इस पत्रिका में राष्ट्रीय स्तर के सहकारी संगठनों के अध्यक्षों और प्रबंध निदेशकों के साथ-साथ अन्य विशेषज्ञों द्वारा लिखे गए कई लेख शामिल थे। इसके अतिरिक्त द कोऑपरेटर के विशेष अंक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, बजट विश्लेषण आदि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रकाशित किए गए।

'इंडियन कोऑपरेटिव रिव्यू '

इंडियन कोऑपरेटिव रिव्यू, एक त्रैमासिक पत्रिका है जो भारत में सहकारी आंदोलन के उल्लेखनीय रुझानों पर उच्च-गुणवत्ता वाले लेख प्रकाशित करती है। इसका उद्देश्य सहकारी आंदोलन के विभिन्न क्षेत्रों की कार्यप्रणाली और संचालित विभिन्न कार्यक्रमों का शोध और अध्ययन के आधार पर एक वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन प्रस्तुत करना है। इस पत्रिका का उद्देश्य समग्र रूप से सहकारी आंदोलन की प्रगति के लिए ठोस नीतियों के विकास में सहायता करना है।

'सहकार जागरण'

सहकारिता मंत्रालय के सहयोग से एनसीयूआई द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका, सहकार जागरण, सहकारी विचारों और नीतिगत अद्यतनों के प्रसार हेतु एक महत्वपूर्ण माध्यम है। यह पत्रिका हिंदी, अंग्रेजी और 10 स्थानीय भाषाओं में प्रकाशित होती है जो समावेशिता सुनिश्चित करती है और सहकारी संदेशों को जमीनी स्तर के हितधारकों तक पहुँचाने में सक्षम बनाती है।

सहकार जागरण का महत्व नीति और व्यवहार के बीच एक सेतु के रुप में इसकी भूमिका में निहित है। यह न केवल भारत सरकार के दृष्टिकोण, सुधारों और पहलों का संचार करता है, बल्कि देश भर में सहकारी आंदोलन की सफलता की कहानियों, नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं को भी प्रदर्शित करता है। ऐसा करके, यह जागरूकता को मज़बूत करता है, ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा देता है, और सफल सहकारी मॉडलों के अनुकरण को प्रेरित करता है।

पत्रिका को पाठकों, सहकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं से व्यापक सराहना मिली है। इसका बहुभाषी दृष्टिकोण ग्रामीण और अर्ध-शहरी सहकारी सदस्यों तक पहुँच बढ़ाने में विशेष रुप से महत्वपूर्ण रहा है, जिनमें से कई अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में बेहतर ढंग से जुड़ते हैं।

एनसीयूआई द्वारा प्रथम युवा सहकारी अनुसंधान सम्मेलन का आयोजन

विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में 20-21 मार्च, 2025 को प्रथम सहकारी युवा अनुसंधान सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। "सहकारिता: सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की कुंजी" विषय पर आयोजित इस सम्मेलन को इफको, एनसीसीएफ, सौहार्द महासंघ, उन्नति और पावर गिल्ट द्वारा प्रायोजित किया गया था। इसमे 40 वर्ष से कम आयु के शोधकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत 90 सारांशों में से 20 को प्रस्तुति के लिए चुना गया था। इस सम्मेलन का उद्घाटन एनसीयूआई मुख्य कार्यकारी डॉ. सुधीर महाजन, प्रोफेसर सी. पिचाई (गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, तमिलनाडु), डॉ. मल्लिका कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर, एसआरसीसी) और एनसीयूआई के वरिष्ठ अधिकारियों सहित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. महाजन ने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में सहकारी समितियों की भूमिका पर जोर दिया। डॉ. महाजन ने युवा शोधकर्ताओं को अपने निष्कर्षों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. पिचाई ने युवा सहकारी शोधकर्ताओं को बढ़ावा देने में इस आयोजन की विशिष्टता की प्रशंसा की, जबकि डॉ. मल्लिका कुमार ने आईवाईसी 2025 के दौरान जागरूकता बढ़ाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों में "सहकारिता के युवा राजदूतों" की नियुक्ति के महत्व पर बल दिया। इस कार्यक्रम की शुरुआत चाणक्य विश्वविद्यालय के कुलपति और अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) की एशिया प्रशांत क्षेत्रीय अनुसंधान समिति के अध्यक्ष डॉ. यशवंत डोंगरे के मुख्य भाषण से हुई। डॉ. डोंगरे ने सहकारी क्षेत्र के भीतर उभरते अनुसंधान क्षेत्रों पर प्रकाश डाला और सतत विकास को आगे बढ़ाने में सहकारी समितियों की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने शोधकर्ताओं से स्थानीय चुनौतियों का समाधान करने में वैश्विक प्रासंगिकता वाले अध्ययन करने का आग्रह किया। प्रो. सी. पिचाई, डॉ. मल्लिका कुमार पैनलिस्ट के रूप में "सहकारिता, युवा और सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी)" पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसमें यह पता लगाया गया कि कैसे सहकारी समितियां युवाओं की भागीदारी बढ़ा सकती हैं और एसडीजी में योगदान दे सकती हैं। इसमे उल्लेखनीय केस विविध अध्ययनों में सेवा का सृजन कोऑपरेटिव, वीवाईबीईसीओएस पोन्नुरुन्नी मॉडल (एक शहरी अपशिष्ट प्रबंधन सहकारी) और एवाईसीओओपीएस शामिल थे। अन्य प्रस्तुतियों में सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में स्वास्थ्य सहकारी समितियों की भूमिका, जलवायु परिवर्तन शमन में सहकारी समितियों के योगदान, भारत की अर्थव्यवस्था में उनकी क्षमता और सहकारी संचालन और स्थिरता को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और AI के उपयोग पर चर्चा की गई। इसमे समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि, इफको महाप्रबंधक, श्री संतोष शुक्ला ने भारतीय युवा कांग्रेस 2025 में युवाओं की भागीदारी के महत्व पर ज़ोर दिया और युवाओं के बीच सहकारी मॉडल को लोकप्रिय बनाने के लिए एनसीयूआई की कॉप कनेक्ट पहल की प्रशंसा की। इसके अतिरिक्त "उन्नति" के निदेशक श्री ज्योति सरुप ने भी युवाओं को सहकारी क्षेत्र में करियर बनाने पर विचार करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

अध्याय 5

राजभाषा

वर्ष 2024-25 के दौरान राजभाषा के कार्यान्वयन से संबंधित विशिष्ट उपलब्धियो/कार्यों का संक्षिप्त विवरण

1. संघ कार्यालय की हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित त्रैमासिक अर्ध वार्षिक एव वार्षिक रिपोर्ट तैयार की गई एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय को उनकी वेबसाइट पर निर्धारित प्रोफार्मा में ऑनलाइन प्रेषित की गई तथा नराकास एवं अन्य संबंधितों को इसकी एक प्रति प्रेषित की गई।

2. वर्ष 2024-25 की दो छमाही रिपोर्ट महानिदेशक, केन्द्रीय होम्योपथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली (नोडल कार्यालय) एवं नराकास दक्षिण दिल्ली-03, भारतीय जन संचार संस्थान (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार) को प्रेषित किया गया।

3. राजभाषा कार्यान्वयन समिति (दक्षिण दिल्ली-03) की विभिन्न बैठको में हिंदी अधिकारी ने भाग लिया। जिसमे हिंदी की प्रगति के बारे में विस्तृत चर्चा की गई।

4. प्रत्येक तीन महीने के अंतराल पर संघ कार्यालय में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य कार्यकारी महोदय के हस्ताक्षर से कार्यालय विज्ञप्ति जारी किया गया। गई। इन हिंदी कार्यशालाओं में कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

5. भारत सरकार द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों के अनुसार संघ कार्यालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्य को अधिक से अधिक हिंदी में करने के लिए निर्देशित किया गया, जिसके उपरांत हिंदी कार्य में सराहनीय प्रगति हुई।

6. राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के तत्वावधान में जयपुर (पिंकसिटी), राजस्थान में आयोजित राजभाषा सम्मेलन में हिंदी अधिकारी ने भाग लिया। सम्मेलन में माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार एवं राजभाषा से जुड़े अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

7. दिनांक 30 सितम्बर, 2024 को संघ कार्यालय द्वारा हिन्दी दिवस समारोंह का आयोजन किया गया। उक्त समारोह में संघ कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया एवं इसी दिन हिंदी काव्य पाठ व कथा कहानी कहो अपनी जुबानी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

8. इस अवसर पर संस्था के 15 अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्वरचित कविता एवं कहानी का पाठ किया गया एवं विजेता प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया और सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र/प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए।

9. संघ कार्यालय में दिनांक 17 - 30 सितंबर, 2024 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस दौरान निम्नांकित गतिविधियाँ आयोजित की गयी:-

i. निबंध लेखन (एम.टी.एस. से यू.डी.सी.)
ii. निबंध लेखन (सहायक एवं उससे ऊपर के कर्मचारी एवं अधिकारी)
iii. हिंदी टिप्पण एवं मसौदा लेखन प्रतियोगिता
iv. हिंदी राजभाषा एवं सहकारिता ज्ञान संबंधी प्रतियोगिता
v. हिंदी श्रुतलेख/सुलेख प्रतियोगिता (केवल एम.टी.एस. कार्मिकों हेतु)
vi. वाद-विवाद प्रतियोगिता

10. संघ कार्यालय के विभिन्न विभागों के प्रोफार्मा/पत्रों एवं अन्य प्राप्त दस्तावेजों का हिन्दी अनुवाद वाछित समय में उपलब्ध कराया गया। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया से जुड़ी पोस्टों को भी हिंदी में अनूदित किया गया।
11. राजभाषा नियम 1976 के नियम 8(4) के अनुरुप संबंधितों को व्यक्तिशः कार्यालय आदेश दिया गया।

12. संघ कार्यालय से प्रकाशित होने वाली अंग्रेजी पत्रिका "दॅ को-ऑपरेटर" में सहकारिता विषय से संबंधित हिन्दी के लेख प्रकाशित करने हेतु सामग्री प्रकाशन विभाग को भिजवाई गयी।

13. हिन्दी दिवस समारोह एवं पखवाड़े से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर पब्लिकेशन विभाग को द कोआपरेटर में प्रकाशन के लिए भेजी गई तथा अन्य विभागों को भी जानकारी हेतु उक्त रिपोर्ट भेजी गई।

14. संघ कार्यालय से प्रकाशित होने वाली अंग्रेजी पत्रिका द को-ऑपरेटर में हिन्दी कार्यशाला से संबंधित प्रकाशन हेतु सामग्री प्रकाशन विभाग को भिजवाई गयी।

15. विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक का कार्यवृत्त सभी विभागों एवं राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को भिजवाया गया।

16. भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ में राजभाषा संबंधी आदेशों के कार्यान्वयन के लिए स्थापित जांच बिंदुओं के अनुपालन के संबंध में कार्यालय ज्ञापन सभी विभागाध्यक्षों को भेजा गया और आग्रह किया गया कि इसका कड़ाई से पालन करें।

17. कार्यालयीन कार्य में हिंदी को बढावा देने के लिए मुख्य कार्यकारी महोदय के हस्ताक्षर से हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने का आदेश जारी किया गया। इसके अतिरिक्त उस आदेश में यह भी दर्शाया गया कि विभाग में सर्वाधिक हिंदी में कार्य करने वाले कर्मचारी को वित्त वर्ष के अंत में उचित पारितोषिक भी दिया जाएगा।

18. प्रत्येक विभाग के एक कर्मचारी को जिसका अधिकाधिक कार्य हिंदी में था उन्हे प्रोत्साहन स्वरुप रु. 2500/- की राशि दी गई। इसके तहत कुल 13 विभागों के सर्वाधिक हिंदी में कार्य करने वाले कार्मिकों में कुल रुपये 32500/- की राशि वितरित की गई।

19. एनसीयूआई कार्यालय की वार्षिक रिपोर्ट को हिंदी माध्यम में अनूदित कर आगामी कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को उपलब्ध कराया गया। वर्ष 2023-24 की अंकेक्षण रिपोर्ट को भी हिंदी में अनूदित कर वित्त विभाग को आगामी कार्रवाई हेतु उपलब्ध कराई गई।

संघ कार्यालय में आयोजित हिंदी कार्यशालाओं की कुछ झलकियां

हिंदी दिवस व हिंदी पखवाड़ा, 2024 के कार्यक्रम की कुछ झलकियां (16-30 सितंबर, 2024)

अध्याय 6

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 के दौरान की गई गतिविधियाँ :-

1. अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस दुनिया भर में सहकारी आंदोलन का एक वार्षिक उत्सव है। अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (ICA) द्वारा 1923 से यह जुलाई के पहले शनिवार को मनाया जाता रहा है। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस 06 जुलाई, 2024 को मनाया गया जो भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय का तीसरा स्थापना दिवस भी था। इस अवसर पर महात्मा मंदिर, गांधीनगर, गुजरात में 'सहकार से समृद्धि' सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर के सहकारी संघों और गुजरात के सहकारी संगठनों के सहयोग से आयोजित किया गया। 102वें अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस का विषय- "सहकारिता सभी के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण करती है" था। माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री शाह ने देश भर के लाखों गरीब लोगों तक सुविधाएं, समृद्धि और आत्मविश्वास लाने के लिए सहकारिता को एक मजबूत स्तंभ बनाने के महत्व पर बल दिया। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री मुरलीधर मोहोल, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, गुजरात राज्य के सहकारिता मंत्री श्री जगदीश भाई पंचाल, गुजरात विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी, उपाध्यक्ष श्री जेठाभाई अहीर, एनसीयूआई एवं इफको अध्यक्ष श्री दिलीप संघाणी, आईसीए-एपी एवं कृभको अध्यक्ष श्री चंद्रपाल सिंह यादव, श्री जी.एच. अमीन, श्री ज्योतिंद्र मेहता, श्री कोंडुरु रविंदर राव, केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के सचिव श्री आशीष भूटानी सहित अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस आयोजन में देश भर से लगभग 5000 सहकारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

2. **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2025 :-** सहकारिता के माध्यम से महिला सशक्तीकरण के लिए “कार्रवाई में तेजी लाने” का आह्वान - एनसीयूआई ने नई दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में एक जीवंत समारोह के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 को चिह्नित किया जिसमें सहकारी आंदोलन के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यह कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 (IYC2025) के उपलक्ष्य में गतिविधियों के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था और इसमें देश भर की सहकारी समितियों की 300 से अधिक महिला नेताओं और सदस्यों ने भाग लिया। इस वर्ष के संयुक्त राष्ट्र के विषय “कार्रवाई में तेजी लाने” के साथ, उत्सव ने समावेशी सहकारी मॉडल के माध्यम से लैंगिक समानता और सतत विकास को आगे बढ़ाने की तात्कालिकता को रेखांकित किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत एनसीयूआई उप मुख्य कार्यकारी श्रीमती सावित्री सिंह के परिचयात्मक भाषण के साथ हुई ।एनसीयूआई मुख्य कार्यकारी, डॉ. सुधीर महाजन, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और सहकारिता में महिलाओं की भूमिका को मजबूत करने के लिए एनसीयूआई की पहलों को रेखांकित किया। एनसीयूआई उपाध्यक्ष डॉ. बिजेन्द्र सिंह और आईसीए- एशिया प्रशांत अध्यक्ष डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव ने महिलाओं को सशक्त बनाने और जमीनी स्तर पर लैंगिक असमानताओं को कम करने में सहकारी समितियों के बढ़ते महत्व पर अपने विचार साझा किए। इस कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण के रूप में एनसीयूआई ने सहकारी आंदोलन में उनके असाधारण योगदान के लिए विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों की दस प्रतिष्ठित महिला सहकारी नेताओं को सम्मानित किया। उद्यमिता और कौशल निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एनसीयूआई के इनक्यूबेशन सेंटर के तहत उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसमे एक नुक्कड़ नाटक का कार्यक्रम भी किया गया। इस कार्यक्रम का समापन श्री वेद प्रकाश सेतिया,कार्यकारी निदेशक, एनसीयूआई के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ जिन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों, अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति उनकी सक्रिय भागीदारी और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। एनसीयूआई द्वारा 2025 का अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह न केवल सहकारी समितियों में महिलाओं की उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करने के लिए, बल्कि पूरे भारत में लैंगिक समानता और सहकारिता-आधारित विकास को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों को प्रेरित करने के लिए भी आयोजित किया गया।

3. संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार, 9 जुलाई, 2024 को मैनहट्टन, न्यूयॉर्क स्थित अपने मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (IYC) 2025 का सॉफ्ट लॉन्च किया। IYC 2025 का उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने और सामाजिक और आर्थिक समावेशिता को बढ़ावा देने में सहकारी समितियों की भूमिका को उजागर करना है। सॉफ्ट लॉन्च कार्यक्रम ने सहकारी आंदोलन का समर्थन करने के लिए समर्पित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समितियों के गठन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। ये समितियां IYC 2025 के उद्देश्यों और पहलों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन एशिया-प्रशांत (ICA-AP) अध्यक्ष डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव के नेतृत्व में भारत के एक प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडल ने सॉफ्ट लॉन्च कार्यक्रम में भाग लिया। भारत का प्रतिनिधित्व करने में डॉ. यादव के साथ सहकारी क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं और एनसीयूआई मुख्य कार्यकारी डॉ. सुधीर महाजन भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। इस कार्यक्रम में प्रतिनिधियों ने वैश्विक स्तर पर सहकारी समितियों के लिए अधिक सहयोग और समर्थन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चर्चाओं और गतिविधियों में भाग लिया। यह कार्यक्रम सहकारी लक्ष्यों को साकार करने में मदद करेगा।

4. आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन एवं आम सभा 2024 का आयोजन 25-29 नवंबर 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक किया गया। इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय आयोजन ने आईसीए-सदस्य सहकारी संगठनों के नेताओं के लिए विचारों को साझा करने, नीतिगत बहसों में भाग लेने और सहकारी समितियों की वैश्विक स्थिति को बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। इस आयोजन ने सुनिश्चित किया कि सहकारी आंदोलन की आवाज़ सुनी जाए और उनके हितों का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया जाए। इस सम्मेलन का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किया जिन्होंने वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में सहकारी समितियों की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। भूटान के प्रधान मंत्री दाशो शेरिंग तोबगे, फिजी के उप प्रधानमंत्री मनोआ कामिकामिका और अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) नेतृत्व सहित 3000 से अधिक सहकारी नेताओं के एक प्रतिष्ठित श्रोता समूह को संबोधित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री ने कमजोर सहकारी समितियों का समर्थन करने और उनकी पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए एक दूरदर्शी वैश्विक वित्तीय मंच का प्रस्ताव रखा। इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण 25 नवंबर 2024 को आयोजित संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (IYC2025) का आधिकारिक शुभारंभ समारोह था। इस समारोह में संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च पदों, संबद्ध एजेंसियों और चयनित सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और सतत विकास प्राप्त करने में सहकारिता के वैश्विक महत्व को रेखांकित किया। आईआर विभाग ने एनसीयूआई के शासी परिषद के सदस्यों, इसके अधिकारियों, युवा सहकारिताओं, महिला सहकारिताओं और एनसीयूआई के सदस्य संस्थानों के प्रतिनिधियों की भागीदारी का सक्रिय रूप से समन्वय किया। विभाग ने सहकारी हाट में एनसीयूआई की प्रदर्शनी का भी प्रबंधन किया जहाँ सहकारी उत्पादों और पहलों का प्रदर्शन किया गया जो जमीनी स्तर की सहकारिताओं को बढ़ावा देने और समुदायों पर उनके प्रभाव के प्रति एनसीयूआई की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह आयोजन दुनिया भर में सहकारिताओं की परिवर्तनकारी भूमिका का जश्न मनाने और उसे आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था।

5. वर्ष 2024-25 के दौरान विदेशी प्रतिनिधियों का एनसीयूआई दौरा

5.1. मलेशिया सहकारी संस्थान (आईकेएमए) के एक प्रतिनिधिमंडल ने महानिदेशक दातुक मोहम्मद अली बिन मंसूर के नेतृत्व में एनसीयूआई का दौरा किया। निदेशक मंडल श्री अज़ीज़ुल बिन अलियास, निदेशक मंडल दातो हाजी ज़ज़ाली बिन हारुन और अनुसंधान केंद्र के प्रमुख डॉ. मोहम्मद शाहरोन अनवार बिन सईद ने 26 नवंबर 2024 को भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) का दौरा किया। इसने विचारों के आदान-प्रदान, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और अंतर्राष्ट्रीय सहकारी संबंधों को मजबूत करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया।

डॉ. सुधीर महाजन, मुख्य कार्यकारी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और भारतीय सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए एनसीयूआई की गतिविधियों और नई पहलों की जानकारी दी। इसके बाद श्री रितेश दे, कार्यकारी निदेशक ने भारतीय सहकारी आंदोलन और सहकारी शिक्षा एवं प्रशिक्षण संरचना पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत में सहकारी क्षेत्र के सशक्तिकरण में एनसीयूआई की अग्रणी भूमिका पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। इस प्रतिनिधिमंडल ने एनसीयूआई के प्रयासों में गहरी रुचि दिखाई और सहकारिता सिद्धांतों को बढ़ावा देने तथा विकास को बढ़ावा देने में किए गए कार्यों की सराहना की। इस बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने सहकारी हाट और सहकारी रसोई (कॉप किचन) का दौरा किया और कम ज्ञात सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समूहों और महिला सशक्तिकरण के लिए विपणन मंच प्रदान करने हेतु एनसीयूआई के प्रयासों को देखा। वे अभिनव परियोजनाओं से प्रभावित हुए और सहकारी पहलों के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाने में प्राप्त ठोस परिणामों की सराहना की। वैश्विक स्तर पर सहकारी लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए एनसीयूआई और आईकेएमए के बीच भविष्य के सहयोग की नींव रखी और अंत में बातचीत सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई।

5.2 श्री मार्को एंटोनियो पोलिज़ेल कैमिली के नेतृत्व में कृषि-औद्योगिक सहकारी समितियों के 30 ब्राज़ीलियाई नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने 28 नवंबर को एनसीयूआई का दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल में ब्राज़ीलियाई कृषि व्यवसाय क्षेत्र के प्रमुख नेता शामिल थे जिन्होंने सामूहिक रूप से 2024 तक लगभग 40 बिलियन अमरीकी डॉलर का कारोबार किया है। उनकी भारत यात्रा आईसीए वैश्विक सम्मेलन 2024 में उनकी भागीदारी और अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 (आईवाईसी-2025) के वैश्विक शुभारंभ के साथ हुई। एनसीयूआई की यात्रा का उद्देश्य ब्राज़ीलियाई और भारतीय सहकारी समितियों के बीच पारस्परिक व्यावसायिक अवसरों का पता लगाना, भारतीय कृषि व्यवसाय के हितधारकों के साथ जुड़कर उनके व्यवसाय प्रबंधन प्रथाओं की जानकारी प्राप्त करना, भारत में प्रमुख सहकारी समितियों के साथ अनुभव साझा करना और सहकारी संबंधों को मजबूत करना और आईवाईसी 2025 के संदर्भ में सहयोगी उपक्रमों की खोज करना था। डॉ. सुधीर महाजन, मुख्य कार्यकारी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और एनसीयूआई की गतिविधियों/कार्यक्रमों, नई पहलों, भारतीय सहकारिता आंदोलन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका और आईवाईसी 2025 के उद्देश्यों से जुड़ी प्रमुख पहलों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। डॉ. महाजन ने समावेशी विकास को बढ़ावा देने, आजीविका बढ़ाने और स्थायी समुदायों के निर्माण में सहकारी समितियों की परिवर्तनकारी शक्ति को उजागर करने के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के महत्व पर ज़ोर दिया। श्री रितेश दे, कार्यकारी निदेशक ने भारतीय सहकारिता आंदोलन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में सहकारी विकास को बढ़ावा देने के एनसीयूआई के प्रयासों और वैश्विक स्तर पर सहकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने में इसके योगदान पर जानकारी दी ।

5.3 मंगोलिया की संसद (स्टेट ग्रेट हुरल) के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिसमें गनबातर सैंखु, मांडखाई मेंडबयार और मंगोलिया दूतावास में मंत्री सलाहकार डॉ. उलजीत लुवसंजाव शामिल थे, उन्होने दिनांक 28 नवंबर 2024 को भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य भारत-मंगोलिया सहकारी संबंधों को मज़बूत करना, सहयोग के अवसरों का पता लगाना और भारत के सहकारी मॉडल और सतत विकास में इसके योगदान की जानकारी हासिल करना था। डॉ. सुधीर महाजन, मुख्य कार्यकारी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और एनसीयूआई की गतिविधियों, हालिया पहलों और भारतीय युवा कांग्रेस 2025 के लक्ष्यों के साथ उसके संरेखण का अवलोकन प्रस्तुत किया जिसमें समावेशी विकास और स्थिरता में सहकारी समितियों की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला गया।.

5.4 इथियोपिया के टाइग्रे क्षेत्रीय राज्य स्थित फाना यूथ सेविंग एंड क्रेडिट कोऑपरेटिव के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 4 दिसंबर को भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) का दौरा किया जिसमें श्री हेलफोम गेज़ाई – अध्यक्ष, निदेशक मंडल, श्री गोइटोम टेस्फ़े – मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), श्री अलेमा वोल्डेमारीम – बोर्ड सदस्य, शिक्षा और क्षमता निर्माण, श्री गोडिफ निगस – बोर्ड सदस्य, प्रौद्योगिकी और नवाचार शामिल थे। डॉ. सुधीर महाजन, मुख्य कार्यकारी, एनसीयूआई और श्रीमती सावित्री सिंह, उप मुख्य कार्यकारी ने प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया और सहकारिता मंत्रालय के सहयोग से एनसीयूआई की प्रमुख गतिविधियों और हाल ही में की गई पहलों का अवलोकन प्रस्तुत किया। डॉ. महाजन ने एनसीयूआई के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (आईवाईसी) 2025 के उद्देश्यों के साथ संरेखण पर जोर दिया । यह बैठक सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर रचनात्मक चर्चा के साथ संपन्न हुई जिसके परिणामस्वरूप एनसीयूआई और फाना यूथ सेविंग एंड क्रेडिट कोऑपरेटिव के बीच सहकारी संबंधों को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

5.5 अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के महानिदेशक, श्री जेरोन डगलस ने 10 सितंबर 2024 को भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ का दौरा किया। यह यात्रा महत्वपूर्ण रही क्योंकि इसका उद्देश्य आईसीए और उसके भारतीय समकक्षों के बीच संबंधों को और मज़बूत करना था जिससे आगामी आईसीए-जीसी और जीए 2024 की सफलता में और योगदान मिल सके। इस यात्रा के बाद वैश्विक सहकारी आंदोलन और भारत के मज़बूत सहकारी नेटवर्क के बीच सहयोग बढ़ाने पर एक रणनीतिक बैठक हुई। श्री डगलस ने भारतीय सहकारी आंदोलन के नेताओं के साथ-साथ भारत में आईसीए सदस्यों के विविध नेटवर्क के प्रतिनिधियों के साथ जुड़ने में अपनी गहरी रुचि व्यक्त की। इस बैठक ने सहकारी प्रयासों को मज़बूत करने और वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा देने पर गहन चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया।

5.6 नेशनल फेडरेशन ऑफ होंडुरास क्रेडिट यूनियंस (FACACH) के 42 सहकारी प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने एनसीयूआई का दौरा किया। FACACH के निदेशक मंडल, अध्यक्ष श्री सेल्विन लिओडन वल्लाडारेस के नेतृत्व में इस प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न सहकारी संगठनों, जैसे ELGA, CACIL, CEIBENA, COOPACYL, TAULABE, PE-SPIRENSE और SAGRADA FAMILIA के प्रतिनिधि शामिल थे। इस बैठक में इंटरनेशनल कोऑपरेटिव अलायंस एशिया-पैसिफिक (आईसीए- एपी) अध्यक्ष डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव, डॉ. सुधीर महाजन, मुख्य कार्यकारी, श्रीमती सावित्री सिंह, उप-मुख्य कार्यकारी और एनसीयूआई के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस बैठक के दौरान प्रतिभागियों ने भारत और होंडुरास दोनों में सहकारी आंदोलन पर केंद्रित विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का एक आदान-प्रदान किया। श्रीमती सावित्री सिंह ने "एनसीयूआई की भूमिका और कार्य: सहकारिता को सशक्त बनाने की पहल" शीर्षक से एक प्रस्तुति दी जिसमें सहकारिता को मजबूत करने और समुदायों को सशक्त बनाने में एनसीयूआई की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

5.7 सिस्टेमा ओसीबी/गो के अध्यक्ष श्री लुइस अल्बर्टो और श्री रजनीश मगन के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय 15 सदस्यीय ब्राज़ीलियाई कृषि प्रतिनिधिमंडल ने एनसीयूआई का दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल ने भारत के कृषि सहकारी क्षेत्र की जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया और एनसीयूआई बोर्ड रुम में आयोजित एक संवादात्मक बैठक में भाग लिया। यह बैठक विचारों के आदान-प्रदान, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और सहकारी क्षेत्र में संभावित सहयोग की खोज के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करती है। इस बैठक में मुख्य चर्चाएँ सहकारी रणनीतियों, सतत कृषि प्रथाओं और नीतिगत ढाँचों पर केंद्रित रहीं जिससे पारस्परिक शिक्षा को बढ़ावा मिल सकें और अंतर्राष्ट्रीय सहकारी संबंधों को मज़बूत किया जा सके।

5.8 अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के पदाधिकारी सुश्री ग्रेचेन हैक्वार्ड, सदस्यता निदेशक और श्री संतोष कुमार, विधान निदेशक ने दिनांक 22 अप्रैल, 2024 को एनसीयूआई का दौरा किया। यह बैठक आईसीए अधिकारियों के साथ विचारों के आदान-प्रदान, सहयोग के अवसरों की खोज और एनसीयूआई एवं आईसीए के बीच संबंधों को मज़बूत करने के लिए एक मूल्यवान मंच साबित हुई। इस बैठक में दोनों पक्षों ने सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में इसकी भूमिका को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

5.9 एनसीयूआई ने ब्राजील के कृषि और पशुधन परिसंघ (सीएनए) नामक एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। यह बैठक दोनों संगठनों के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देने और संभावित साझेदारी की खोज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। ब्राजील के दूतावास में तकनीकी कृषि अधिकारी एना फ्रुसी, बिया फर्नांडीस और ध्रुविका सोढ़ी सहित सीएनए प्रतिनिधिमंडल ने एनसीयूआई के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। इस बैठक में दोनों संगठनों की गतिविधियों के बारे में विचारों का एक व्यावहारिक आदान-प्रदान शामिल था जो भविष्य के सहयोग के लिए संभावनाओं की खोज कर रहा था। श्रीमती सावित्री सिंह, उप मुख्य कार्यकारी, एनसीयूआई ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और भारत के सहकारी पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर एनसीयूआई की महत्वपूर्ण भूमिका और कार्यों का व्यापक अवलोकन प्रदान किया। श्री आशीष द्विवेदी, कार्यकारी निदेशक, श्री वेद प्रकाश सेतिया, कार्यकारी निदेशक और श्री रितेश दे , कार्यकारी निदेशक ने भी इस बातचीत में भाग लिया। यह यात्रा जो सीएनए के भारत के पहले मिशन का एक हिस्सा है, सहकारी संबंधों को मजबूत करने और भारतीय और ब्राजील के कृषि व्यवसाय क्षेत्रों के बीच सार्थक संबंध बनाने

में बढ़ती रुचि को रेखांकित करती है।

6. भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) के सहयोग से दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) देशों के सदस्यों के लिए कृषि बैंकिंग में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और प्रशिक्षण केंद्र (सीआईसीटीएबी), पुणे का अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

6.1 भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) ने सीआईसीटीएबी के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में दिनांक 4-7 फरवरी, 2025 तक हैदराबाद में सहकारी समितियों और ग्रामीण वित्तपोषण संस्थानों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए सहकारी शासन पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में श्री कोंडुरु रविंदर राव (अध्यक्ष, एनएएफएससीओबी), श्री रमेश बंग (सदस्य शिक्षा समिति, एनसीयूआई), श्रीमती सावित्री सिंह (उप मुख्य कार्यकारी, एनसीयूआई), और सीआईसीटीएबी और तेलंगाना सहकारी संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल थे। यह सहकारी शासन में ज्ञान-साझाकरण, क्षमता-निर्माण और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। सहकारी शासन पर चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के हिस्से के रूप में प्रतिभागियों को विभिन्न सहकारी समितियों के परिचालन संरचनाओं और शासन मॉडल के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से एक व्यापक क्षेत्र का दौरा आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के समापन सत्र में एनसीयूआई के डॉ. सुधीर महाजन, मुख्य कार्यकारी, श्रीमती सावित्री सिंह, उप मुख्य कार्यकारी, महेश बैंक के निदेशक श्री रमेश भंडारी और आईसीएम हैदराबाद के पूर्व निदेशक श्री एच.एस.के. तंगिराला सहित उल्लेखनीय गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। डॉ. सुधीर महाजन ने देश में सहकारी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से एनसीयूआई की वर्तमान पहलों और रणनीतिक विकास का अवलोकन प्रदान किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 (आईवाईसी 2025) पर भी प्रकाश डाला कार्यक्रम का समापन सम्मान समारोह के साथ हुआ जहां डॉ. महाजन ने प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र, समूह फोटो और स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

6.2 अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 (IYC-2025) के उपलक्ष्य में एनसीयूआई ने CICTAB और गुजरात राज्य सहकारी संघ के सहयोग से दिनांक 19 से 22 मार्च, 2025 तक सूरत में “सहकारी समितियों और ग्रामीण वित्तपोषण संस्थानों के महिला निदेशक मंडल के लिए सहकारी शासन” पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारी समितियों और ग्रामीण वित्तपोषण संस्थानों के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं, निर्णय लेने की रणनीतियों और प्रभावी प्रबंधन तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करके सहकारी शासन में महिला नेताओं को सशक्त बनाना था। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में श्री जी.एच. अमीन, अध्यक्ष, गुजरात राज्य सहकारी संघ, श्रीमती सावित्री सिंह, उप मुख्य कार्यकारी, एनसीयूआई , श्री राजेंद्र तिवारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, गुजरात राज्य सहकारी संघ और डॉ. डी. रवि, सलाहकार, CICTAB कार्यक्रम के बोर्ड सदस्य , सीईओ और वरिष्ठ और मध्यम स्तर के अधिकारियों सहित श्रीलंका, नेपाल और भारत के कुल 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम ने महिला नेताओं को सहकारी शासन में ज्ञान और अनुभवों का आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

6.3 अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 (IYC 2025) की स्मृति गतिविधियों के एक भाग के रूप में एनसीयूआई ने CICT-AB और वामनीकॉम के सहयोग से दिनांक 27 से 31 जनवरी 2025 तक वामनीकॉम, पुणे में "सहकारी एवं ग्रामीण वित्तपोषण संस्थानों के प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण तकनीक" पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पाँच दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य भारत और सार्क क्षेत्र के सहकारी एवं ग्रामीण विकास वित्तपोषण संस्थानों में कार्यरत मानव संसाधन विकास (एचआरडी) कर्मियों की प्रशिक्षण क्षमताओं को बढ़ाना था। इस कार्यक्रम में विभिन्न सहकारी प्रशिक्षण एवं वित्तीय संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें नेपाल से 18 और भारत से 6 प्रतिभागी शामिल थे ।

7. ऑनलाइन/व्यक्तिगत अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और बैठकों में भागीदारी

7.1 दिनांक 24 से 28 फरवरी, 2025 को एशिया और प्रशांत क्षेत्र में कृषि सहकारी समितियों के विकास हेतु नेटवर्क (NEDAC) की महासभा और कार्यकारी समिति (EXCOM) की बैठक मोम्बासा, केन्या में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में एशिया-प्रशांत क्षेत्र और अफ्रीका के सहकारी क्षेत्र के नेता और विशेषज्ञ NEDAC की रणनीतिक दिशा पर विचार-विमर्श करने और क्षेत्रीय सहयोग को मज़बूत करने के लिए एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य चर्चाएँ कृषि सहकारी समितियों को मज़बूत करने, क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने और सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रहीं।

7.2 दिनाक 25 मार्च, 2025 को एशियाई किसान सहयोग समूह (एएफजीसी) ने एक हाइब्रिड बैठक आयोजित की जिसका विषय "किसानों की संख्या में कमी और श्रम सुरक्षा एवं कुशल उत्पादन के उपाय" था। एनसीयूआई, उप-मुख्य कार्यकारी, श्रीमती सावित्री सिंह ने इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और देश का दस्तावेज़ प्रस्तुत किया जिसमें श्रम की कमी से निपटने और कृषि उत्पादकता में सुधार के लिए प्रमुख रणनीतियों और पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। उनकी प्रस्तुति में सहकारिता-संचालित समाधानों, तकनीकी नवाचारों और नीतिगत हस्तक्षेपों पर ज़ोर दिया गया जो भारत में सतत कृषि विकास सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। एएफजीसी बैठक सदस्य देशों के लिए विचारों के आदान-प्रदान, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और कार्यबल चुनौतियों के मद्देनजर कृषि क्षेत्र को मज़बूत करने हेतु सहयोगी दृष्टिकोणों की खोज के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में कार्य करती है।

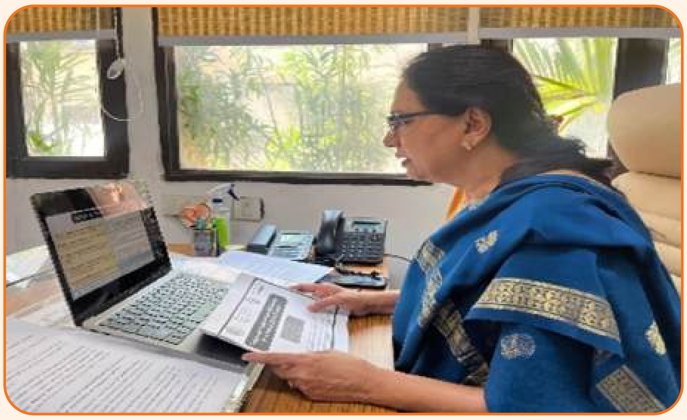

7.3 श्री दिलीप संघाणी, अध्यक्ष, एनसीयूआई और आईआरयू बोर्ड सदस्य, श्रीमती सावित्री सिंह, उप मुख्य कार्यकारी, एनसीयूआई ने 24 मार्च, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय रायफिसेन यूनियन (आईआरयू) के बोर्ड और प्रेसीडियम की वर्चुअल बैठक में भाग लिया। राष्ट्रीय सहकारी संगठनों का एक वैश्विक संघ, आईआरयू, फ्रेडरिक विल्हेम रायफिसेन के सिद्धांतों को कायम रखता है और सदस्यों के बीच संवाद और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है। श्री संघाणी ने अपने संबोधन में आईआरयू द्वारा एक अभिनव मॉड्यूलर प्रशिक्षण पहल, रायफिसेन एम्बेसडर प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रशंसा की। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 (आईवाईसी 2025) के लिए भारतीय सहकारी आंदोलन की प्रमुख पहलों पर भी प्रकाश डाला और स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक राष्ट्र के पूर्ण विकास के लक्ष्य, विकसित भारत 2047 के लिए भारत के दृष्टिकोण पर अंतर्दृष्टि साझा की।

7.4 आईसीए-एपी क्षेत्रीय कार्यालय ने 18 और 19 फरवरी 2025 को टोक्यो, जापान में आईसीए-एपी बोर्ड बैठक और आईवाईसी 2025 क्षेत्रीय शुभारंभ का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की मेजबानी जापानी उपभोक्ता सहकारी संघ (जेसीसीयू) और जापान सहकारी गठबंधन (जेसीए) ने की। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए आईवाईसी 2025 शुभारंभ बैठक के दौरान, आईसीए-एपी अध्यक्ष डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि आईवाईसी 2025 सहकारी समितियों को

समावेशी विकास के वाहक के रूप में स्थापित करेगा। उन्होंने सभी देशों के शीर्ष सहकारी संगठनों से आईवाईसी 2025 समन्वय समिति की स्थापना हेतु सरकारों के साथ समन्वय करने और आईवाईसी 2025 को उचित तरीके से मनाने के लिए कार्यक्रमों की एक सूची तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने हाल ही में भारत में IYC2025 का उद्घाटन किया और यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी सहकारी संगठन इस समारोह में सक्रिय रूप से शामिल हों। उन्होने यह भी सूचित किया कि राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय महासंघों के प्रतिनिधियों की एक समन्वय समिति पहले ही गठित की जा चुकी है। भारत में सहकारिता मंत्रालय ने IYC 2025 मनाने के लिए कार्यक्रमों का एक 12 महीने का कैलेंडर तैयार किया है जिसका उद्देश्य सहकारी क्षेत्र का विस्तार, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और समावेशिता को बढ़ावा देना है। श्रीमती सावित्री सिंह, उप मुख्य कार्यकारी ने बैठकों के दौरान अध्यक्ष को सहायता प्रदान की।

7.5 श्रीमती सावित्री सिंह, उप मुख्य कार्यकारी, एनसीयूआई ने 25 नवंबर, 2024 को "सतत विकास के लिए सहकारिता को बढ़ावा देने हेतु संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता" शीर्षक से एक सत्र को संबोधित किया। यह सत्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (IYC) के आधिकारिक शुभारंभ से संबंधित कार्यक्रमों का हिस्सा था और इसने वैश्विक सहकारी आंदोलन में एनसीयूआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस प्रतिष्ठित अवसर ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहकारी क्षेत्र में एनसीयूआई के योगदान के महत्व को दर्शाया।

7.6 अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) की आईसीए आम सभा 20 जून को वेब कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की गई जिसका मुख्य उद्देश्य 2023 के लेखापरीक्षित खातों को अनुमोदित करना था। इस आम सभा में डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव, आईसीए-एपी अध्यक्ष एवं आईसीए उपाध्यक्ष, श्री दिलीप संघाणी, एनसीयूआई अध्यक्ष, डॉ. सुधीर महाजन, मुख्य कार्यकारी, श्रीमती सावित्री सिंह, उप-मुख्य कार्यकारी एनसीयूआई ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एनसीयूआई की ओर से एक नामित मतदाता के रूप में भाग लिया।

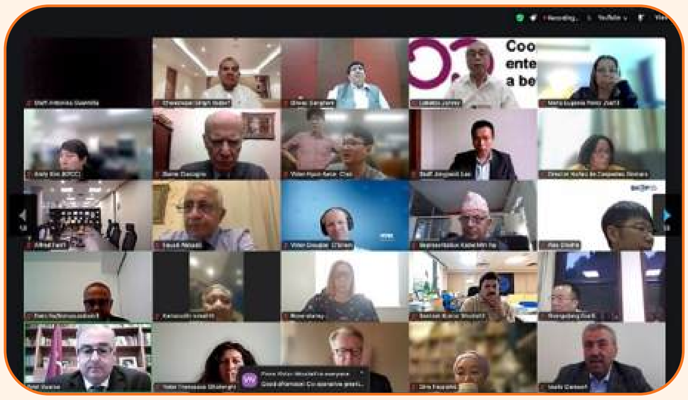

7.7 दिनांक 29 से 31 जुलाई, 2024 को आईसीए-एपी क्षेत्रीय कार्यालय और इसकी महिला समिति ने वियतनाम कोऑपरेटिव अलायंस (वीसीए) के सहयोग से हनोई, वियतनाम में 'एशिया-प्रशांत महिला सीईओ कोऑपरेटिव्स समिट' का आयोजन किया। इस शिखर सम्मेलन का विषय 'नेतृत्व को सशक्त बनाना: महिलाओं के नेतृत्व में सहकारी समितियों का भविष्य तय करना' था । इस कार्यक्रम के सत्र के दौरान श्रीमती सावित्री सिंह, उप मुख्य कार्यकारी ने सहकारी क्षेत्र में अपनी यात्रा, पेशेवर विकास के लिए उनके सामने आई चुनौतियों और अवसरों और अपने करियर में एक स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन सुनिश्चित करने के बारे में बताया। उप मुख्य कार्यकारी ने यह भी बताया कि उन्होंने कैसे एक स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन सुनिश्चित किया, उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा और कई भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को निभाते हुए उन्होंने अपने पेशेवर विकास के लिए क्या कदम उठाए।

7.8 वियतनाम सहकारी गठबंधन ने 29 जुलाई 2024 को वियतनाम में आईसीए-एपी, क्षेत्रीय बोर्ड की बैठक की मेजबानी की। डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव, आईसीए-एपी अध्यक्ष और आईसीए उपाध्यक्ष और श्रीमती सावित्री सिंह, उप-मुख्य कार्यकारी, एनसीयूआई ने इस बैठक में भाग लिया। इस बैठक में सदस्यता शुल्क की गणना में संशोधन, सदस्यों को मताधिकार के आवंटन और 2025-2030 के लिए आईसीए-एपी रणनीतिक योजना की तैयारी हेतु आधार तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके अलावा चर्चा का उद्देश्य एक संस्था के रूप में आईसीए के भविष्य को आकार देने, इसकी पहुँच का विस्तार करने और इसकी वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक रोडमैप प्रदान करना था।

7.9 दिनांक 04 सितंबर, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन - एशिया प्रशांत (आईसीए - एपी) ने एशिया प्रशांत सहकारी विकास मंच (एपीसीडीपी) का परिचयात्मक वेबिनार आयोजित किया गया। इस मंच की परिकल्पना एक सहयोगात्मक मंच के रूप में की गई है जहाँ क्षेत्र के भीतर और बाहर के सहकारी विकास संगठन (सीडीओ) एक साथ आ सकते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सहकारी विकास के लिए ज्ञान के आदान-प्रदान, पारस्परिक शिक्षा और सामूहिक वकालत को सुगम बनाना है। एनसीयूआई अध्यक्ष श्री दिलीप संघाणी और एनसीयूआई उप-मुख्य कार्यकारी, श्रीमती सावित्री सिंह इस बैठक में शामिल हुए। उन्होंने आईसीडीपी की पृष्ठभूमि, अवलोकन, इसके दायरे और इस मंच से अपेक्षाओं पर चर्चा की।

7.10 ब्राज़ीलियाई सहकारी समितियों के संगठन (ओसीबी) ने 14 से 16 मई 2024 तक ब्रासीलिया में "भविष्य को सशक्त बनाना: समावेशिता, लचीलापन और पर्यावरण संरक्षण में अग्रणी सहकारी समितियाँ" शीर्षक से एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में एशिया प्रशांत, यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका और UNDESA के 17 देशों के सहकारी नेताओं, विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के अध्यक्ष एरियल ग्वार्को ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। एनसीयूआई, उप-मुख्य कार्यकारी ने "सहकारी नेटवर्क के माध्यम से लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण" विषय पर एक वक्ता के रूप में अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा किए। उनके सत्र में आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ बनाने, स्थिरता को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुगम बनाने में सहकारी समितियों के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डाला गया।

7.11 एनसीयूआई ने सी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया। यह शिखर सम्मेलन दिनांक 14 और 15 मई को इटली में आयोजित किया गया। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) का प्रतिनिधित्व इसके पदाधिकारियों श्री रितेश दे (कार्यकारी निदेशक), श्रीमती संध्या कपूर (निदेशक) और इंद्रप्रीत कौर (सहायक निदेशक) ने किया जिन्होंने वर्चुअल माध्यम से शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन के सत्रों में विकास के लिए अंतर्संबंध और नीतिगत सुसंगतता, अंतर्राष्ट्रीय कर एवं वित्तीय ढाँचे में सुधार, आर्थिक न्याय एवं परिवर्तन के माध्यम से शांति स्थापना को बढ़ावा देना, जलवायु एवं ऊर्जा परिवर्तन एवं पर्यावरणीय न्याय, वैश्विक स्वास्थ्य, सैद्धांतिक मानवीय सहायता, साझा सुरक्षा एवं परमाणु निरस्त्रीकरण, प्रवासन एवं मानव गतिशीलता, तथा खाद्य न्याय एवं खाद्य प्रणालियों में परिवर्तन जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

7.12 अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) ने प्रतिष्ठित रोशडेल पायनियर्स पुरस्कार के लिए नामांकन का अनुरोध किया जो आईसीए द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को मान्यता देता है जिन्होंने रोशडेल पायनियर्स की भावना के अनुरूप नवीन और आर्थिक रूप से टिकाऊ सहकारी गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जिससे सहकारी सदस्यों को काफी लाभ हुआ है। आईसीए के रोशडेल पायनियर्स पुरस्कार 2024 के लिए एनसीयूआई की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य श्री जी.एच. अमीन का नामांकन एनसीयूआई की ओर से भेजा गया।

7.13 आईसीए वैश्विक कार्यालय ने आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन में एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य दुनिया भर की कहानियों और अनुभवों को प्रदर्शित करना था जिसमें बताया गया कि कैसे सहकारी समितियों ने सभी के लिए समृद्धि प्राप्त करने में योगदान दिया है। एनसीयूआई के सदस्य संगठनों को "सहकारिता सभी के लिए समृद्धि का निर्माण करती है" विषय के अनुरूप भारत में सहकारी समितियों के सामाजिक प्रभाव को दर्शाने वाली तस्वीरें देने के लिए आमंत्रित किया गया था। इसमें SEWA, NFCSF, NAFSCOB, IFFDC, गुजरात राज्य सहकारी संघ, APCOB, LDB बिहार और NCUI से तस्वीरें प्राप्त हुईं। इस प्रदर्शनी में शामिल करने के लिए आईसीए के साथ साझा की गईं ये तस्वीरें भारत भर के समुदायों पर सहकारी आंदोलन के परिवर्तनकारी प्रभाव को उजागर करती हैं और दर्शाती हैं कि कैसे सहकारिताएँ समृद्धि को बढ़ावा देती हैं और जीवन को बेहतर बनाती हैं।

7.14 श्री इमानुएल कूसा, सहकारी कानून के विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय प्रोफेसर और वकील भारतीय सहकारी आंदोलन और उसके कानूनी ढाँचे का अध्ययन करने के लिए मार्च 2025 में भारत आए। श्री कूसा 1993 से सहकारी अध्ययन और अभ्यास में सक्रिय रूप से शामिल हैं उन्होंने सहकारी समितियों में सदस्यों के वित्तपोषण पर अपना डॉक्टरेट शोध प्रबंध पूरा किया है। उन्होंने वर्षों से बैंकिंग, कृषि, ऊर्जा और सामाजिक समावेशन सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहकारी समितियों को कानूनी सहायता प्रदान की है। वह वर्तमान में इतालवी सहकारिता मंत्रालय के कानूनी सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं और यूरोपीय आयोग द्वारा उन्हें सहकारी कानून के कानूनी विशेषज्ञ के रूप में भी नियुक्त किया गया है। इतालवी सहकारी प्रणाली में उनकी गहन विशेषज्ञता ने उनकी यात्रा को भारत और इटली के बीच शैक्षणिक और संस्थागत आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए विशेष रूप से मूल्यवान बना दिया। अपनी यात्रा के दौरान श्री कूसा ने भारत में सहकारी समितियों को नियंत्रित करने वाले कानूनी और नियामक ढाँचे की व्यापक समझ हासिल करने के लिए सहकारी कानून में विशेषज्ञता रखने वाले भारतीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों से मिलने में रुचि व्यक्त की। अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग ने उनकी यात्रा का सफलतापूर्वक समन्वय किया और सार्थक संपर्कों को सुगम बनाया। श्री कूसा ने भारत प्रवास के दौरान उन्हें दिए गए समर्थन और मार्गदर्शन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

7.15 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की सदस्यता: एनसीयूआई ने निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की अपनी सदस्यता का नवीनीकरण किया हैं जो कि इस प्रकार हैं:-

- अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए)
- एशिया में कृषि सहकारी समितियों के विकास के लिए नेटवर्क (एनईडीएसी)
- अंतर्राष्ट्रीय रायफिसेन संघ (आईआरयू)
- कृषि बैंकिंग में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और प्रशिक्षण केंद्र (सीआईसीटीएबी)।

अध्याय 7

कॉप कनेक्ट

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ ने स्कूल और कॉलेज के छात्रों को सहकारिता दर्शन से परिचित कराने और यह दर्शाने के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ, “कॉप कनेक्ट” का गठन किया है कि कैसे वे अपनी सहकारी समितियाँ बनाकर और उनका संचालन करके स्वयं के साथ-साथ दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करके लाभान्वित हो सकते हैं। सहकारी प्रबंधन की मूल अवधारणाओं को समझाने वाले विशेष मॉड्यूल प्रदान किए जाते हैं ताकि वे इस क्षेत्र की विशिष्ट विशेषताओं को समझ सकें, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में इसके योगदान की सराहना कर सकें और सफल सहकारी व्यवसाय मॉडल को समझ सकें।

कॉप कनेक्ट विभाग का उद्देश्य युवाओं में सहकारिता को लोकप्रिय बनाना और इसके बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस विभाग ने पूरे भारत से 3,332 प्रतिभागियों के साथ 31 गतिविधियाँ और वेबिनार आयोजित किए। यह विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ संचालित करता है। प्रभाग का प्रमुख कार्यक्रम “सफल सहकारी व्यवसाय मॉडल” है। यह कार्यक्रम विभिन्न तरीकों से संचालित होता है - ऑनलाइन, ऑफलाइन और हाइब्रिड। प्रमुख कार्यक्रम के अलावा, कॉप कनेक्ट प्रभाग ने कई प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं, जिनमें चित्रकला प्रतियोगिताएँ, वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, निबंध लेखन, सहकारी क्विज़ आदि शामिल हैं। 24 से 27 अक्टूबर 2024 तक आयोजित सहकारी मेले में विभिन्न विश्वविद्यालयों और स्कूलों के 259 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।.

युवाओं द्वारा सहकारी मेले का दौरा (वर्ष-2024)

संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 (IYC-2025) के एक भाग के रूप में एनसीयूआई ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में "सहकारी ओलंपियाड" नामक एक दिवसीय राज्य-स्तरीय युवा कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य सहकारिता की मूल बातें, करियर और उद्यमशीलता के अवसरों पर प्रशिक्षण सत्रों और प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन, वाद-विवाद और तात्कालिक प्रतियोगिताओं जैसे इंटरैक्टिव कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को शिक्षित करना है।

प्रत्येक राज्य के विजेता माह नवंबर/ दिसंबर 2025 में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के सहकारी ओलंपियाड के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे। उन्हें राष्ट्रीय सहकारी सम्मेलन के दौरान माननीय मुख्य अतिथि द्वारा ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएँगे जहां IYC2025 समारोह का भव्य समापन होगा।

कॉप कनेक्ट विभाग ने वर्ष के दौरान प्रबंधन संस्थानों, केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों, पब्लिक स्कूलों, डीएवी स्कूलों, सरकारी स्कूलों और केंद्रीय विद्यालयों सहित विभिन्न संस्थानों के छात्रों को प्रशिक्षित किया।

एनसीयूआई के कॉप कनेक्ट विभाग ने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। कॉप कनेक्ट विभाग ने हजारों छात्रों को प्रशिक्षित करने के अलावा भारत के कई राज्यों में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। इनमें असम, गुजरात, कर्नाटक, मणिपुर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली (एनसीआर), हरियाणा, मेघालय, राजस्थान, ओडिशा, पंजाब, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और नागालैंड शामिल हैं।

यह प्रकोष्ठ सहकारिता से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों और एनसीयूआई एवं सहकारिता मंत्रालय द्वारा शुरु की गई पहलों के बारे में जानकारी प्रदान करता है और जागरूकता बढ़ाता है। इन कार्यक्रमों में निम्नलिखित विषय शामिल होते हैं जो इस प्रकार हैं :-

- सफल सहकारी व्यवसाय मॉडल के बारे में जागरूकता प्रदान करना
- नवीन व्यावसायिक विचार
- सहकारी समितियों में रोजगार के अवसर
- सहकारी समितियों का गठन
- एनसीयूआई और सहकारिता मंत्रालय द्वारा नई पहल
- एनसीयूआई 'हाट'

- इनक्यूबेशन सेंटर
- नोएडा (उत्तर प्रदेश) कौशल विकास केंद्र

अध्याय 8

राष्ट्रीय सहकारी डेटा बैंक

एनसीडीबी विभाग ने वर्ष 2024-2025 के दौरान विभिन्न पहलों में सक्रिय भूमिका निभाई और राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस (एनसीडी) पोर्टल के विकास और रखरखाव में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एनसीडी पोर्टल के रखरखाव और विकास हेतु सहकारिता मंत्रालय और अन्य हितधारकों के साथ संचार और समन्वय:

वर्ष के दौरान एनसीडीबी ने निधि जारी करने, लेखापरीक्षित उपयोग प्रमाणपत्रों, प्रोफार्मा चालानों और यूटीआर विवरणों के संबंध में सहकारिता मंत्रालय (एमओसी) के साथ निरंतर संचार बनाए रखा। एनसीडीबी ने एनसीडी से संबंधित फिल्मों के निर्माण के लिए कार्य आदेशों, एनसीडी रिपोर्ट की मुद्रण व्यवस्था, विक्रेताओं के साथ बिलिंग संबंधी मुद्दों और सहकारी शिक्षा निधि (सीईएफ) के माध्यम से नियुक्त तकनीकी कर्मचारियों के लिए एनआईसीएसआई को निधि जारी करने के बारे में मंत्रालय को समय पर अद्यतन जानकारी प्रदान की। इसके अतिरिक्त एनसीडीबी प्रभाग के प्रमुख को एनसीडी पोर्टल से संबंधित सभी मामलों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया जिससे संचार और निगरानी को सुव्यवस्थित करने में मदद मिली।

डेटा संकलन, विश्लेषण, रिपोर्टिंग और राज्य/क्षेत्रीय सहकारी प्रोफाइल:

इस विभाग ने पंद्रह समितियों और क्षेत्रों से व्यापक सहकारी डेटा संकलित किया है जिन्हें सदस्यता, कारोबार, पूंजी और लाभ जैसे प्रमुख मानदंडों के आधार पर शीर्ष, मध्यम और निम्न स्तरों में वर्गीकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त एनसीयूआई द्वारा आयोजित सेमिनारों और जीसीपी बैठकों में सहायता के लिए राजस्थान, लद्दाख, झारखंड, त्रिपुरा और सिक्किम जैसे राज्यों में सहकारी आंदोलन की विस्तृत प्रोफाइल तैयार की गई।

सीआईसीटीएबी-एनसीसी-वैमनिकॉम द्वारा आयोजित "उपभोक्ता सहकारी समितियों के विकास हेतु प्रबंधन रणनीतियाँ" पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले एनसीयूआई के अधिकारी के लिए भारत में उपभोक्ता सहकारी समितियों का एक संक्षिप्त अवलोकन तैयार किया गया। मार्च 2025 में सिक्किम में आयोजित बोर्ड बैठक के लिए, सिक्किम सहकारी आंदोलन और 2024-2025 की अवधि के लिए एनसीयूआई प्रभागों की संयुक्त गतिविधियों पर दो व्यापक प्रस्तुतियाँ तैयार की गईं।

महानिदेशक, लेखापरीक्षा, नई दिल्ली के निर्देशानुसार सरकारी संस्थाओं और सहकारी संगठनों का व्यापक जोखिम विश्लेषण करने के लिए भी आँकड़े एकत्र किए गए। भारतीय सहकारी आंदोलन सांख्यिकीय प्रोफ़ाइल 2018 के आधार पर क्षेत्रवार और सदस्यतावार सहकारी समितियों के अद्यतन आँकड़े संकलित किए गए और अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन एशिया-प्रशांत (आईसीए -एपी) और सहकारिता मंत्रालय के साथ साझा किए गए। इस विभाग ने जिला-स्तरीय महासंघों और यूनियनों के आँकड़े भी संकलित और अद्यतन किए जिन्हें मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया। इस विभाग ने वर्ष 2023 के लिए भारत की अर्थव्यवस्था में सहकारी समितियों के योगदान की जानकारी अद्यतन की। यह अद्यतन भारतीय सहकारी आंदोलन की 2018 सांख्यिकीय प्रोफ़ाइल पर आधारित थी।

इसके अलावा इस विभाग ग्राम पंचायत स्तर पर प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स), डेयरी और मत्स्य पालन क्षेत्रों में कवरेज और अंतराल का विश्लेषण किया और ये निष्कर्ष मंत्रालय को प्रस्तुत किए गए।

संसदीय और आरटीआई प्रश्नों के उत्तर:

एनसीडीबी विभाग ने सहकारी क्षेत्र से संबंधित संसदीय प्रश्नों पर इनपुट/उत्तर प्रदान किए जिनमें राष्ट्रीय सहकारी डेटा, डिजिटलीकरण प्रयासों और क्षेत्र-विशिष्ट सांख्यिकी से संबंधित प्रश्न शामिल थे। सहकारी समितियों के रजिस्ट्रारों और डाटा प्रविष्टि कार्मिकों को जारी निर्देशों से संबंधित आरटीआई आवेदनों के लिए इनपुट संकलित किए गए और मंत्रालय को प्रस्तुत किए गए।

अध्याय 9

राष्ट्रीय सहकारी संसाधन केंद्र और सहकारी विस्तार एवं सलाहकार सेवाएँ

i. राष्ट्रीय सहकारी संसाधन केंद्र (एनसीआरसी)

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री के दूरदर्शी निर्देशों के अनुरूप भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) ने दिसंबर 2022 में राष्ट्रीय सहकारी संसाधन केंद्र (एनसीआरसी) की स्थापना की। 1 सितंबर 2022 को जारी ऐतिहासिक मार्गदर्शन के बाद यह पहल भारतीय सहकारी आंदोलन की संस्थागत, नीतिगत और बौद्धिक नींव को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एक राष्ट्रीय स्तर के थिंक टैंक के रूप में एनसीआरसी का उद्देश्य सहकारी अनुसंधान को सुदृढ़ करना, नीतिगत ढाँचों को मजबूत करना और सहकारी पारिस्थितिकी तंत्र के सभी स्तरों पर संस्थागत क्षमताओं का निर्माण करना है।

अपनी स्थापना के बाद से एनसीआरसी ने प्रशिक्षण, अनुसंधान और क्षेत्रीय जुड़ाव के क्षेत्रों में परिवर्तनकारी प्रयासों की एक श्रृंखला सक्रिय रूप से शुरू की है। इन प्रयासों का केंद्रबिंदु सहकारी समितियों के संस्थागत और व्यावसायिक दोनों आयामों को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किए गए 28 प्रशिक्षण मॉड्यूल के एक व्यापक सेट का विकास है। ये मॉड्यूल दो विषयगत स्तंभों के अंतर्गत विकसित किए जा रहे हैं: “एक संस्था के रूप में सहकारिता” (11 मॉड्यूल) और “एक व्यावसायिक उद्यम के रूप में सहकारिता” (17 मॉड्यूल)। इसका लक्ष्य सहकारी कार्मिकों, नेतृत्व और सदस्यों को लक्षित ज्ञान से सशक्त बनाना है जिससे शासन, अनुपालन, परिचालन दक्षता और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि हो।

पहले विषय के अंतर्गत “एक संस्था के रूप में सहकारिता” के अंतर्गत, नियोजित 11 मॉड्यूल में से 6 को पहले ही अंतिम रूप देकर प्रकाशित किया जा चुका है। इनमें सामुदायिक लामबंदी और सहकारी समितियों का पंजीकरण, व्यवसाय विकास योजना, सहकारी समितियों में सदस्यों की भूमिका, शासन, कानूनी अनुपालन और सहकारी समितियों का लेखा-परीक्षण जैसे आवश्यक विषय शामिल हैं। शेष पाँच मॉड्यूल—जिनमें प्रबंधन, लेखांकन, वित्तीय प्रबंधन, जीएसटी के निहितार्थ और आयकर के निहितार्थ शामिल हैं—वर्तमान में विकासाधीन हैं और इनसे सहकारी समितियों की संस्थागत क्षमताओं का और अधिक गहनीकरण होने की उम्मीद है।

दूसरा विषयगत क्षेत्र “एक व्यावसायिक उद्यम के रूप में सहकारिता”, विभिन्न सहकारी क्षेत्रों में क्षेत्र-विशिष्ट ज्ञान और उद्यमशीलता रणनीतियों को मजबूत करने पर केंद्रित है। इस क्षेत्र में नियोजित 17 मॉड्यूल में से 7 को अंतिम रूप देकर प्रकाशित किया जा चुका है, 2 प्रकाशन के लिए तैयार हैं, और शेष 8 वर्तमान में संबंधित राष्ट्रीय महासंघों और सहकारी समितियों द्वारा समीक्षाधीन हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे क्षेत्रवार सटीक और प्रासंगिक हैं। इनमें प्राथमिक कृषि ऋण समितियां, ग्रामीण सहकारी बैंक, शहरी सहकारी बैंक, ऋण, मत्स्य पालन, विपणन, आवास, स्वास्थ्य, डेयरी, चीनी, उपभोक्ता, श्रम, हथकरघा, हस्तशिल्प, जैविक, बीज और निर्यात सहकारी समितियां जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।

प्रशिक्षण मॉड्यूल की स्थिति

संस्था के रूप में सहकारिता	व्यावसायिक उद्यम के रूप में सहकारिता
1. सामुदायिक लामबंदी और सहकारी समितियों का पंजीकरण*	**1.** पैक्स में व्यवसाय संवर्धन और विविधीकरण*
2. सहकारी समितियों के लिए व्यवसाय विकास योजना*	**2.** ऋण सहकारी समितियाँ***
3. सहकारी समितियों में सदस्यों की भूमिका*	**3.** शहरी सहकारी बैंकिंग*
4. सहकारी समितियों में शासन*	**4.** ग्रामीण सहकारी बैंकिंग*
5. सहकारी समितियों का कानूनी अनुपालन*	**5.** डेयरी सहकारी समितियाँ***
6. सहकारी समितियों का लेखा-परीक्षण*	**6.** मत्स्य सहकारी समितियाँ*
7. सहकारी समितियों का प्रबंधन***	**7.** चीनी सहकारी समितियाँ**
8. सहकारी समितियों में लेखांकन***	**8.** विपणन सहकारी समितियाँ*
9. सहकारी समितियों का वित्तीय प्रबंधन***	**9.** उपभोक्ता सहकारी समितियाँ***
10. सहकारी समितियों पर जीएसटी के प्रभाव***	**10.** श्रम सहकारी समितियाँ***
11. सहकारी समितियों पर आयकर के प्रभाव***	**11.** आवास सहकारी समितियाँ*
	12. हथकरघा सहकारी समितियाँ**
	13. हस्तशिल्प सहकारी समितियाँ***
	14. स्वास्थ्य सहकारी समितियाँ*
	15. बीज सहकारी समितियाँ***
	16. जैविक सहकारी समितियाँ***
	17. निर्यात सहकारी समितियाँ***
* प्रकाशित प्रशिक्षण मॉड्यूल, CEAS-LMS पोर्टल पर भी उपलब्ध हैं. ** प्रकाशन के लिए तैयार *** प्रशिक्षण मॉड्यूल विकासाधीन	

ये मॉड्यूल एनसीयूआई के सीईएएस-एलएमएस प्लेटफॉर्म के माध्यम पर भी उपलब्ध हैं जिससे व्यापक और स्केलेबल डिजिटल पहुँच संभव हो रही है।

इन पहलों के माध्यम से एनसीआरसी धीरे-धीरे सहकारी शिक्षा और नीति परामर्श के लिए एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में उभर रहा है। यह केंद्र न केवल जमीनी स्तर पर क्षमता निर्माण में सहायता करता है बल्कि देश भर में सहकारी प्रशिक्षण के मानकीकरण और उन्नयन के लिए एक संरचित मंच भी प्रदान करता है। शैक्षणिक विशेषज्ञता और व्यावहारिक क्षेत्र-विशिष्ट अंतर्दृष्टि के संयोजन के माध्यम से एनसीआरसी सहकारी समितियों को गतिशील, लचीले और पेशेवर रूप से प्रबंधित संस्थानों में बदलने में मदद कर रहा है।

ii. सहकारी विस्तार और सलाहकार सेवाएं (सीईएएस)

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री द्वारा 1 सितंबर 2022 को जारी निर्देशों के अनुपालन में भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) ने दिसंबर 2022 में सहकारी विस्तार एवं सलाहकार सेवाएं (सीईएएस) विभाग की स्थापना की। सीईएएस, एनसीयूआई की आउटरीच और कार्यान्वयन शाखा के रूप में कार्य करता है, जो राज्य सहकारी संघों (एससीयू) और कनिष्ठ सहकारी प्रशिक्षण केंद्रों (जेसीटीसी) जैसे सहकारी विस्तार संस्थानों को मजबूत और समर्थित करने में मदद करता है। इसका उद्देश्य क्षमता निर्माण, सलाहकार सेवाएं, अनुसंधान, जागरूकता सृजन और नई एवं मौजूदा सहकारी समितियों को बढ़ावा देने वाली बहुआयामी रणनीति के माध्यम से सहकारी आंदोलन को सुदृढ़ और गहन बनाना है।

सीईएएस की पहलों का एक प्रमुख आकर्षण सीईएएस-एलएमएस पोर्टल (https://ncuicoop.education) का विकास और विस्तार है जो एक शिक्षण प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) प्लेटफॉर्म है जिसे व्यापक और विविध दर्शकों को कुशलतापूर्वक सहकारी शिक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है। पोर्टल चार प्रमुख घटकों को एकीकृत करता है: शिक्षण प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) जो संरचित पाठ्यक्रम और प्रमाणन प्रदान करती है; सहयोग और ज्ञान साझा करने के लिए सहकारी संसाधन केंद्र (सीआरसी); अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू), विशेषज्ञ मार्गदर्शन और प्रश्नों के समाधान के लिए क्वेरी प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस); और दूरस्थ एवं पेशेवर शिक्षार्थियों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए इंटरैक्टिव ई-पाठ्यक्रम हैं । दिनांक 31 मार्च, 2025 तक इस प्लेटफ़ॉर्म ने 1,468 पंजीकृत उपयोगकर्ता, 82,600 आगंतुक, 1,094 पाठ्यक्रम नामांकन और 215 पाठ्यक्रम पूर्ण किए हैं जो सहकारी क्षेत्र में डिजिटल अपनाने में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

विवरण/स्थिति	31 दिसंबर 2024 तक	31 मार्च 2025 तक
पंजीकरण	1272	1468
आगंतुक	56,771	82,600
नामांकित पाठ्यक्रम	1,001	1,094
पूर्ण पाठ्यक्रम	189	215
चालू (जारी) पाठ्यक्रम	812	879

एनसीयूआई ने पोर्टल पर सहभागिता बढ़ाने के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम और लिंक्डइन जैसे अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से व्यापक प्रचार अभियान चलाए हैं। सीईएएस-एलएमएस पोर्टल को एनसीयूआई के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विशेष रूप से राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र (एनसीसीई) द्वारा नियमित रूप से प्रस्तुत किया जाता है जहाँ लाइव प्रदर्शन आयोजित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त सहकारी शिक्षा में युवाओं को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किए गए कॉपकनेक्ट

कार्यक्रम ने युवा जनसांख्यिकी तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए सीईएएस-एलएमएस पोर्टल जागरूकता सत्रों को शामिल किया है। इन सामूहिक प्रयासों से विभिन्न उपयोगकर्ता समूहों में प्लेटफ़ॉर्म की दृश्यता और स्वीकार्यता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सीईएएस ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, केरल राज्य कृषि विश्वविद्यालय और श्री बालाजी विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में "अभिविन्यास सह जागरूकता सृजन" सत्र आयोजित करके अपनी शैक्षणिक पहुँच का सक्रिय रूप से विस्तार किया है। इसने कृषि और कृषि व्यवसाय प्रबंधन के छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया प्रमाणपत्र कार्यक्रम "Coops4SRD: सतत ग्रामीण विकास" भी शुरु किया जिसके दो सफल बैच मार्च 2024 और 2025 में आयोजित किए गए।

इसके तहत युवाओं को जोड़ने के लिए विश्व युवा कौशल दिवस 2023 पर कॉप्स4जेननेक्स्ट नॉलेज सीरीज़ शुरु की गई जिसमें सहकारी नवाचारों, पैक्स विविधीकरण और बाजरा संवर्धन पर विशेषज्ञों के नेतृत्व वाले सत्र शामिल हैं। इसमे क्षेत्र-विशिष्ट वेबिनार और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रमों ने आवास और पैक्स परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहकारी क्षमता को भी बढ़ाया है।

इनके तहत क्षेत्रीय पहुँच सुनिश्चित करने के लिए सीईएएस 12 स्थानीय भाषाओं अर्थात हिंदी, मराठी, गुजराती, बंगाली, कन्नड़, असमिया, तमिल, उड़िया, तेलुगु, मलयालम, पंजाबी, मणिपुर/मैती में प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। वर्तमान में सीईएएस ने शासन, वित्त, विपणन और विविधीकरण को कवर करते हुए हिंदी और मराठी में पैक्स पाठ्यक्रम सामग्री विकसित की है। विभाग ने महाराष्ट्र राज्य सहकारी आवास संघ के सहयोग से एलएमएस पोर्टल के माध्यम से शुल्क-आधारित ई-पाठ्यक्रम भी शुरु किए जिनमें "सहकारी आवास समितियों का प्रबंधन" और "ई-प्रकार सहकारी आवास समितियों का चुनाव" शामिल हैं।

अपने प्रशिक्षण अधिदेश को और सुदृढ़ करते हुए सीईएएस ने सहकारी शिक्षा कोष (सीईएफ) के अंतर्गत सहकारिता मंत्रालय द्वारा प्रायोजित नए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु किए जिनका उद्देश्य सहकारी सूचना अधिकारियों (सीआईओ) और गैर-ऋण बहु-राज्य सहकारी समितियों (एमएससीएस) की क्षमताओं को बढ़ाना है।

अपनी विस्तृत गतिविधियों के माध्यम से सहकारी विस्तार एवं परामर्श सेवाएँ (सीईएएस) प्रभाग भारत में सहकारी शिक्षा और पहुँच को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और प्रशिक्षण संस्थानों एवं युवाओं के सहयोग से सीईएएस सहकारी समितियों को अधिक सूचित, कुशल और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार बनाने के लिए सशक्त बना रहा है।

coop
Training Programme on
Responsible Governance, Compliance, and Sustainability
for Cooperative Information Officers (CIOs)
CIO

coop
Training Programme on
Responsible Governance, Compliance, and Sustainab
for Cooperative Information Officers (CIOs)
CIO
Organized by
National Cooperative Unition of India
Sponsored by
Ministry of Cooperation, Govt. of India

अध्याय 10

एनसीयूआई "हाट"

एनसीयूआई "हाट", भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) द्वारा अल्पज्ञात सहकारी समितियों और महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने के लिए शुरु की गई एक अनूठी पहल है। यह दिल्ली के लोगों और ग्रामीण भारत के कारीगरों व शिल्पकारों के बीच एक संपर्क सेतु है। कोविड-19 महामारी ने छोटे उद्यमों और सहकारी समितियों के एक वर्ग पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है और वे अपना व्यवसाय चलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इनमें से कई समितियों की वित्तीय बाधाओं, उचित प्रशिक्षण और अनुभव की कमी के कारण बड़े बाजारों तक पहुँच नहीं है। ऐसे उद्यमों को कठिन समय से निपटने में मदद करने के लिए एनसीयूआई "हाट" पहल की शुरुआत की गई है जिसका उद्देश्य महिलाओं द्वारा संचालित और अल्पज्ञात सहकारी समितियों को दिल्ली के एक प्रमुख स्थान पर स्थित अपने परिसर में 'एनसीयूआई हाट' नामक एक प्रदर्शनी-सह-बिक्री केंद्र में उनके उत्पादों के लिए एक स्टॉल स्थान प्रदान करके सहायता प्रदान करना है।

यद्यपि यह पहल एनसीयूआई शिक्षा क्षेत्र परियोजनाओं के स्वयं सहायता समूहों के लिए है लेकिन भारतीय सहकारी आंदोलन के परिदृश्य का विस्तार करने के लिए अन्य स्वयं सहायता समूहों, विशेष रूप से महिला समूहों को भी इस अनूठी पहल से लाभान्वित होने का अवसर दिया जा रहा है।

दिनांक 16 अगस्त, 2021 एनसीयूआई "हाट", के उद्घाटन के बाद से एनसीयूआई हाट को आगंतुकों, दिल्ली के निवासियों और आसपास के संस्थानों में काम करने वाले कर्मचारियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया एवं सराहना मिली है।

एनसीयूआई हाट जरूरतमंदों को सशक्त बनाने का एक विचार

- "सहकार से समृद्धि" के लिए एक सक्षम वातावरण का निर्माण
- एनसीयूआई हाट भारत सरकार द्वारा शुरु किए गए कई प्रमुख कार्यक्रमों और पहलों, जैसे "राष्ट्रीय आजीविका मिशन", "वोकल फॉर लोकल" और "स्किल इंडिया मिशन" का समर्थन करता है।

उद्देश्य

- दिल्ली के एक प्रमुख स्थान पर और अन्य सुविधाओं के माध्यम से जरूरतमंद स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और सहकारी समितियों को निःशुल्क विक्रय स्थल तक पहुँच और दृश्यता प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना।
- ग्रामीण भारत के कारीगरों और हस्तशिल्पियों द्वारा बनाए गए गुणवत्तापूर्ण और उचित मूल्य वाले उत्पाद दिल्ली के निवासियों और पर्यटकों को उपलब्ध कराना।
- एक चक्रीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करना और शहरी वर्गों में स्वस्थ और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना।
- राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में उनके उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देकर पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों का समर्थन करना।
- सहकारी समितियों के उत्पादों को जीआई टैगिंग के लिए चिन्हित करना।

- कम प्रसिद्ध सहकारी समितियों और स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को प्रशिक्षण और कौशल विकास के साथ-साथ उनके उत्पादों की गुणवत्ता और गुणवत्ता में सुधार हेतु चिन्हित करना।

मुख्य विशेषताएँ

- इसमे आगंतुक उस क्षेत्र की स्थानीय सामग्री से हस्तनिर्मित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला देख पाएँगे।

- इसमे भाग लेने वाले समूहों को प्रदर्शनी और स्टॉल की जगह निःशुल्क प्रदान की जाती है।

- इसमे जरुरतमंद स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए एक कैलेंडर का पालन किया जा रहा है जिसमें 5-6 राज्यों के उत्पादों को 15 दिनों के लिए प्रदर्शित किया जाता है और उसके बाद नए समूहों को अवसर दिया जाता है।

एनसीयूआई "हाट" की गतिविधियाँ

प्रत्येक 15-20 दिनों के अंतराल पर एनसीयूआई शिक्षा क्षेत्र परियोजनाओं और 5-6 राज्यों की सहकारी समितियों/स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को प्रदर्शन और बिक्री के लिए आमंत्रित किया जाता है और तदनुसार नए उत्पादों के विज्ञापन और जानकारी फेसबुक, ट्विटर और बैनर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से साझा की जाती है।

किरोड़ीमल कॉलेज में प्रदर्शनी में भागीदारी:- दिनांक 8 मई, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज (केएमसी) के उद्यमिता प्रकोष्ठ ने भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) के सहयोग से एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया। एनसीयूआई हाट और एनसीयूआई इनक्यूबेशन सेंटर से जुड़ी सहकारी समितियों और स्वयं सहायता समूहों ने भारतीय शिल्प कौशल की समृद्ध विविधता को दर्शाते हुए प्रामाणिक हस्तनिर्मित उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदर्शित की।

एनसीयूआई के संकाय और कर्मचारियों ने छात्रों और आगंतुकों को सहकारिता मंत्रालय द्वारा शुरु की गई नई पहलों के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में महिलाओं और स्थानीय कारीगरों की सक्रिय भागीदारी पर प्रकाश डाला गया और इसके साथ ही सहकारी मॉडलों को उद्यमिता और सामाजिक विकास के प्रभावी साधन के रूप में बढ़ावा दिया गया।

COWE हरियाणा द्वारा आयोजित 'नव रस' प्रदर्शनी में भागीदारी:- दिनांक 3 से 5 अगस्त 2024 तक NCUI हाट और NCUI इनक्यूबेशन सेंटर ने COWE हरियाणा चैप्टर द्वारा गुरुग्राम के "द अपैरल हाउस" में आयोजित 'नव रस' प्रदर्शनी में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सिडबी के मुख्य महाप्रबंधक श्री राहुल प्रियदर्शिनी ने किया।

श्रीमती वीना सचदेवा, निदेशक ने एनसीयूआई हाट के स्टॉल पर आगंतुकों को इनक्यूबेशन सेंटर और सहकारी समितियों व स्वयं सहायता समूहों के लिए विकसित किए गए अभिनव ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म सहित प्रमुख पहलों के बारे में जानकारी दी। श्रीमती संध्या कपूर, निदेशक ने सहकारिता मंत्रालय की पहलों पर प्रकाश डाला और एनसीयूआई के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से जुड़ाव को प्रोत्साहित किया।

तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान एनसीयूआई हाट को उल्लेखनीय प्रसिद्धि और सराहना मिली। विशेष रुप से स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से कम चर्चित सहकारी समितियों और ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में इसके प्रयासों की प्रशंसा की गई।

नोएडा में राखी बाजार प्रदर्शनी में भागीदारी: एनसीयूआई हाट ने 12-13 अगस्त, 2024 को एचसीएल टेक, सेक्टर-126, कैफे 1, नोएडा में आयोजित राखी बाजार प्रदर्शनी में भाग लिया जिसका उद्देश्य सहकारी समितियों/एसएचजी/कारीगरों और उद्यमियों को हस्तनिर्मित राखियों और पारंपरिक शिल्प वस्तुओं को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

एनसीयूआई हाट की भागीदारी स्थानीय कारीगरों को सहयोग देने और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एचसीएल टेक के कर्मचारियों और आगंतुकों ने उत्पादों की खूब सराहना की और प्रदर्शित हस्तशिल्प की गुणवत्ता, मौलिकता और सांस्कृतिक समृद्धि की प्रशंसा की। राखी बाजार न केवल एक जीवंत व्यापारिक मंच के रूप में बल्कि पारंपरिक कलाओं और शिल्पों के संरक्षण में सहकारी समितियों और स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को उजागर करने का एक अवसर भी रहा।

16 अगस्त 2024, तीसरा स्थापना वर्ष: 16 अगस्त 2024 को एनसीयूआई हाट ने भारत भर की कम प्रसिद्ध सहकारी समितियों/स्वयं सहायता समूहों/कारीगरों को एकजुट करने और भारतीय समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के तीन सफल वर्षों का जश्न मनाया। पिछले तीन वर्षों में यह जीवंत मंच परंपरा, रचनात्मकता, नवाचार और स्थायी प्रथाओं के एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक के रूप में उभरा है जिसमें हाथ से बुने हुए वस्त्रों से लेकर जटिल शिल्प तक, हस्तनिर्मित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जाती है।

डॉ. सुधीर महाजन,मुख्य कार्यकारी, एनसीयूआई और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने एनसीयूआई हाट द्वारा प्राप्त उल्लेखनीय प्रगति की सराहना की। इस कार्यक्रम में स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाने और स्थायी विपणन प्रथाओं को बढ़ावा देने में एनसीयूआई हाट की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया गया। डॉ. महाजन ने "एनसीयूआई हाट" टीम को उत्पादों के व्यापक प्रचार के लिए डिजिटल मीडिया का लाभ उठाने और सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समूहों और कारीगरों को निरंतर सहयोग प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. सुधीर महाजन ने सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समूहों, कारीगरों और आगंतुकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया जिनके निरंतर सहयोग से एनसीयूआई हाट एक जीवंत सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने एनसीयूआई हाट के माध्यम से अपने उत्पादों के विपणन के लिए एक स्थायी मंच प्रदान करके सहकारी आंदोलन के संरक्षण और संवर्धन के लिए एनसीयूआई की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

सहकारी मेला 2024-25

एनसीयूआई हाट द्वारा आयोजित चौथा सहकारी मेला 24-27 अक्टूबर 2024 तक एनसीयूआई परिसर, नई दिल्ली में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन एनसीयूआई अध्यक्ष श्री दिलीप संघाणी, डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव (अध्यक्ष, आईसीए-एपी एवं कृभको), डॉ. बिजेंद्र सिंह (उपाध्यक्ष, एनसीयूआई) और श्री राम इकबाल सिंह (संस्थापक अध्यक्ष, नैकॉफ) सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया।

इस कार्यक्रम में 35 से अधिक स्टॉलों पर देश भर की सहकारी समितियों, एफपीओ, स्वयं सहायता समूहों और कारीगरों द्वारा हथकरघा उत्पादों, हस्तशिल्प, दिवाली की सजावट और खाद्य पदार्थों की एक जीवंत श्रृंखला प्रदर्शित की गई।

दिनांक 27 अक्टूबर, 2024 को सहकारी मेला सफलतापूर्वक संपन्न हुआ जिसमें हस्तशिल्प, सहकारिता, 'वोकल फॉर लोकल' अभियान और "सहकार से समृद्धि" (सहकारिता के माध्यम से समृद्धि) के दृष्टिकोण जैसी प्रमुख पहलों को बढ़ावा दिया गया। इस आयोजन में लगभग 1,500 आगंतुक आए और कुल 22 लाख रुपए की बिक्री दर्ज की गई। इस मेले के माध्यम से एनसीयूआई हाट ने सहकारिता की भावना को और मज़बूत किया और सतत विकास तथा सहकारी समितियों एवं स्वयं

सहायता समूहों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

आईसीए प्रदर्शनी में भागीदारी:

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित आईसीए महासभा 2024 के दौरान भारतीय सहकारी नेता श्री दिलीप संघाणी ने आईसीए अध्यक्ष डॉ. एरियल ग्वार्को और आईसीए महानिदेशक श्री जेरोन डगलस को सम्मानित किया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम में 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी का दौरा किया जहाँ एनसीयूआई को वैश्विक सहकारी नेताओं के समक्ष अपनी पहल प्रदर्शित करने का अवसर मिला। एनसीयूआई ने "एनसीयूआई हाट" स्टॉल भी लगाया जहाँ शानदार बिक्री हुई और भारतीय सहकारी उत्पादों का प्रभावी ढंग से प्रचार किया गया। कई अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने एनसीयूआई हाट के साथ सहयोग करने में गहरी रुचि व्यक्त की।

आजीविका भारत शिखर सम्मेलन प्रदर्शनी में भागीदारी:- एनसीयूआई हाट ने 19-20 दिसंबर 2024 तक नई दिल्ली के ली मेरिडियन होटल में एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज द्वारा आयोजित आजीविका भारत शिखर सम्मेलन प्रदर्शनी में भाग लिया। इस आयोजन के दौरान एनसीयूआई हाट ने व्यापक दर्शकों के सामने सहकारी उत्पादों का प्रदर्शन किया और अपनी पहलों के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त की। टीम ने आगंतुकों को "सहकार से समृद्धि" के दृष्टिकोण से भी अवगत कराया और सहकारिता मंत्रालय द्वारा शुरु की गई प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला। इस प्रदर्शनी में युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई जो सहकारी आंदोलन में बढ़ती रुचि को दर्शाता है।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के आयोजन की प्रदर्शनी में भागीदारी:- 5 मार्च, 2024 को, एनसीयूआई हाट ने पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम में भाग लिया जहाँ से उसे बहुमूल्य जानकारी और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। एनसीयूआई हाट टीम ने अपने भौतिक स्टोर और डिजिटल प्लेटफॉर्म, www.ncuihaat.online, जो एक ई-कॉमर्स पोर्टल और सहकारी आंदोलन के लिए उत्प्रेरक दोनों के रूप में कार्य करता है, सहित प्रमुख पहलों का प्रदर्शन किया।

इस मंच के माध्यम से एनसीयूआई सहकारी समितियों और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को सक्रिय रूप से शामिल कर रहा है उन्हें प्रशिक्षण, जागरूकता और तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है। प्रस्तुत प्रत्येक उत्पाद शिल्प कौशल, सहयोग और सांस्कृतिक विरासत की एक अनूठी कहानी बयां करता है। इस आयोजन ने हितधारकों के साथ सीधा जुड़ाव संभव बनाया और इसे उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली, जिससे स्थायी आजीविका सृजन, हस्तनिर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने और ग्रामीण-शहरी बाज़ार के अंतर को पाटने के प्रयासों को बल मिला।

एनसीयूआई हाट मंच के माध्यम से की गई प्रत्येक खरीदारी सीधे तौर पर "सहकार से समृद्धि" के विजन में योगदान देती है जो सहकारी समितियों और लघु उत्पादक स्वयं सहायता समूहों के लिए आय सृजन का समर्थन करती है।

दिनांक 8 मार्च, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एनसीयूआई ने सहकारी आंदोलन में महिलाओं के योगदान का जश्न मनाते हुए एक प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया। एनसीयूआई हाट ने देश भर की सहकारी समितियों और स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों की प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इसमे 15 से ज़्यादा महिला उद्यमियों ने हस्तनिर्मित उत्पादों, खाद्य पदार्थों और शिल्पकला की विविध रेंज प्रदर्शित की जो नवाचार, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण को दर्शाती है। एनसीयूआई हाट की निदेशक ने महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों के साथ बातचीत की और उन्हें सहकारी समितियों/एसएचजी के बीच नेटवर्किंग, सीखने और सहयोग बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। यह आयोजन सहकारी समितियों में महिलाओं की भूमिका को मज़बूत करने और उनकी उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

मेला

National
Cooperative
Union of India
सहकार मेला
NCUI हाट
सहकार
मेला
सहकार
मेला

NCUI हाट
NCUI HAAT
(NATIONAL COOPERATIVE UNION OF INDIA)
NCUI हाट
NCUI हाट
An Exhibition-cum-sales space for artisans & handicrafts Persons from Rural India
An Initiative of National Cooperative Union of India
NCUI हाट

अध्याय 11

उद्यमिता विकास एवं सहयोग केंद्र (सीईडीसी)

1. अनुसंधान एवं विकास:-

i. सीईडीसी ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025 के लिए विभिन्न कार्यों के कार्यान्वयन हेतु एक व्यापक कार्य योजना तैयार की है।

ii. अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025 में नियोजित पहलों और परियोजनाओं की श्रृंखला के माध्यम से संघ का लक्ष्य 10,000 से अधिक समूहों (स्वयं सहायता समूह/सहकारिता/एफपीओ) को सशक्त बनाना और 60,000 से अधिक व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित करना एवं बदलाव लाना है।

iii. अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष- 2025 के लिए कार्य योजना की शुरुआत करने हेतु सीईडीसी ने 2 जनवरी 2025 को डॉ. सुधीर महाजन, मुख्य कार्यकारी की अध्यक्षता में महिला उद्यमियों की समिति (सीओडब्ल्यूई) की पहली बैठक आयोजित की। इसके तहत इनक्यूबेशन सेंटर से उद्यमी बने 20 प्रशिक्षु सीओडब्ल्यूई के सदस्य बन गए हैं।

iv. महिला स्वयं सहायता समूहों के सामने आने वाली चुनौतियों की पहचान और समाधान करने, सहकारी उद्यमिता के प्रभावी मॉडल विकसित करने और दिल्ली तथा अन्य राज्यों में अन्य महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु सीईडीसी द्वारा CoWE की स्थापना की गई है।

2. समझौता ज्ञापन और सहयोग

i. एनसीयूआई ने GIZ इंडिया, लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (LAHDC), हस्तशिल्प एवं कालीन क्षेत्र कौशल परिषद (HCSSC), राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ), ऊर्जा कुशल अर्थव्यवस्था गठबंधन, दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा विकास बोर्ड (DTNBWED), टी.ए. पाई प्रबंधन संस्थान (TAPMI), बैंगलोर और टांटिया समूह, गंगानगर के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

डीटीएनबीडब्ल्यूईडी और तांतिया समूह के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह

LAHDC के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह

i. जीआईजेड इंडिया ने फरवरी 2026 तक 17 महीनों के लिए एनसीयूआई में एक परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) स्थापित करने के लिए आईएसआरए को नियुक्त किया है। यह पीएमयू सीईडीसी की गतिविधियों, उद्देश्यों और आवश्यकताओं की देखरेख के लिए स्थापित किया गया है।

ii. पीएमयू के माध्यम से एनसीयूआई ने सहकारी विकास और महिलाओं की आजीविका के क्षेत्रों में पायलट परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए 15 राज्यों में 30 से अधिक स्थानों का चयन किया है।

iii. सितंबर, 2024 से मार्च, 2025 तक, सीईडीसी ने 10,000 से अधिक व्यक्तियों को डिजिटल साक्षरता और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया है और परियोजना के तहत 300 से अधिक एसएचजी और सहकारी समितियों को अपनाया गया है।.

एओएल, एनसीयूआई के साथ मिलकर पाँच राज्यों में 500 से ज़्यादा बहुउद्देशीय सहकारी समितियों के पंजीकरण के लिए काम कर रहा है। कर्नाटक में 2024 तक 120 से ज़्यादा बहुउद्देशीय सहकारी समितियों ने पंजीकरण के लिए आवेदन किया है।

3. "एनसीयूआई हाट" ई-कॉमर्स पोर्टल

- एनसीयूआई हाट ई-कॉमर्स पोर्टल, सहकारी समितियों के लिए विशेष रुप से अपनी तरह का पहला पोर्टल, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 1 जुलाई, 2023 को भारतीय सहकारी कांग्रेस कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए लॉन्च किया गया।

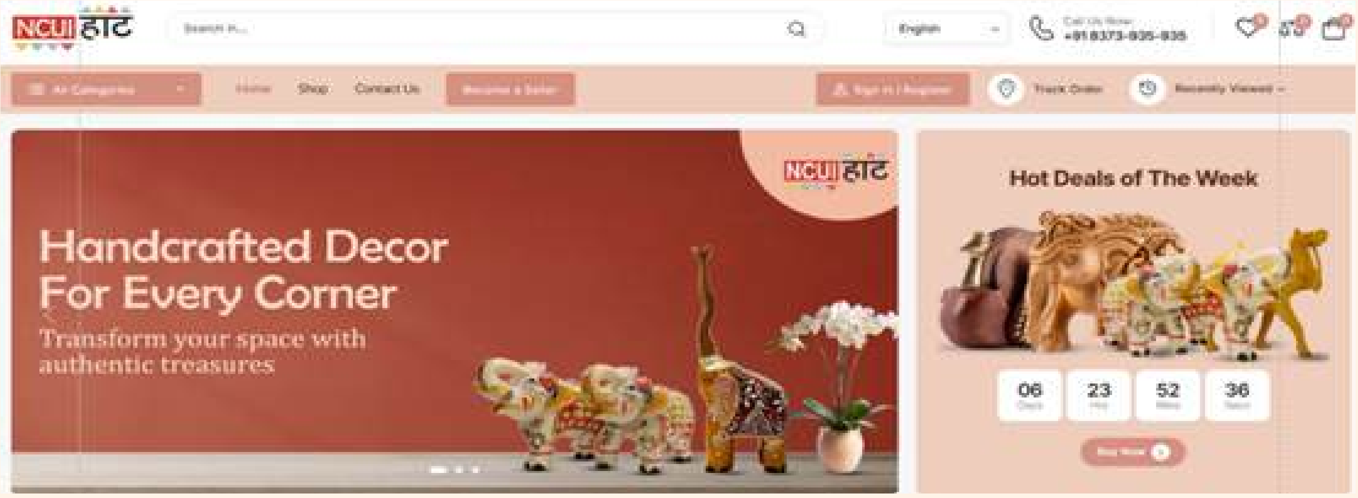

- एनसीयूआई हाट पोर्टल के कवरेज नेटवर्क का मार्च, 2024 में अखिल भारतीय स्तर तक विस्तार किया गया। इसमें दिसंबर, 2024 से अब तक 2000 से अधिक सहकारी समितियाँ और स्वयं सहायता समूह पोर्टल से जुड़ चुके हैं।

- सहकारी समितियों के हस्तनिर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए हर साल सहकारिता सप्ताह के दौरान एनसीयूआई हाट सहकारी मेला आयोजित किया जाता है।

4. एनसीयूआई इन्क्यूबेशन सेंटर

- 2024-25 में इन्क्यूबेशन सेंटर के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 500 से अधिक महिलाओं को सशक्त बनाया गया है।

- अधिकांश प्रशिक्षुओं ने अपने पहचान-पत्रों को अद्यतन कर लिया है और आभा, एमएसएमई, एफएसएसएआई और अन्य सामाजिक कल्याण योजनाओं में नामांकन करा लिया है। इसके परिणामस्वरूप प्रति प्रशिक्षु 15,000 रुपये से अधिक की बचत हुई है और सभी प्रशिक्षुओं को सुरक्षा बीमा योजना के तहत 2 लाख रुपये का बीमा कवर मिला है।

- इनक्यूबेशन सेंटर परियोजना के संसाधन व्यक्तियों को अब एसयूएलएम और प्रतिष्ठित सामाजिक संगठनों द्वारा लक्षित जनसंख्या को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए नियुक्त किया जा रहा है।

- सीईडीसी की 'कॉप किचन' परियोजना महिलाओं के लिए एक सफल आजीविका मॉडल साबित हुई है और एचसीएल फाउंडेशन जैसे कई प्रतिष्ठित संगठनों ने उन्हें अपने कार्यक्रमों के दौरान खानपान सेवाएँ प्रदान करने के लिए नियुक्त किया है।

5. एनसीयूआई कौशल विकास केंद्र

- आर्ट ऑफ लिविंग संस्था ने सीएसआर के तहत सौर तकनीशियन, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबिंग, मोबाइल मरम्मत आदि का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए श्नाइडर इलेक्ट्रिक, जगुआर, गोदरेज, सुपरट्रॉनिक्स, नैसकॉम आदि के माध्यम से प्रशिक्षण अवसंरचना स्थापित की है।

- एचसीएल फाउंडेशन ने सिलाई, कढ़ाई, बेकरी, डेस्कटॉप प्रकाशन, ग्राफिक डिज़ाइन, लेखांकन आदि का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अपने प्रतिष्ठित प्रशिक्षण भागीदारों जैसे एक्सेस, उदयन केयर, इफ्राह और कथा के माध्यम से केंद्र में प्रशिक्षण अवसंरचना स्थापित की है।

- एचसीएल फाउंडेशन ने एक महिला गतिशीलता कार्यक्रम शुरू किया है जिसके तहत पहले चरण में 30 ई-रिक्शा खरीदे गए हैं जो एनसीयूआई कौशल विकास केंद्र और उसके आसपास संचालित होंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला गतिशीलता को बढ़ावा देना और प्रशिक्षुओं के लिए केंद्र को सुगम बनाना है।

- वैश्विक जनशक्ति सेवा प्रदाता कंपनी ओरियन इंटरनेशनल ने एसडीसी में एक जॉब फेयर आयोजित करने के लिए एनसीयूआई से संपर्क किया है जिसमें सुविधा प्रबंधन, नर्सिंग, ड्राइविंग आदि में कुशल उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया जाएगा और उन्हें भारत तथा अन्य देशों में स्थित प्रतिष्ठित कंपनियों में नियुक्त किया जाएगा।

- भागीदार संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, प्रतिभागियों को सीईडीसी की इनक्यूबेशन सेंटर परियोजना के अंतर्गत डिजिटल साक्षरता, वित्तीय समावेशन, सहकारी समितियों के गठन आदि पर भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

- एनसीयूआई हाट पोर्टल के कवरेज नेटवर्क का मार्च, 2024 में अखिल भारतीय स्तर तक विस्तार किया गया। इसमें दिसंबर, 2024 से अब तक 2000 से अधिक सहकारी समितियाँ और स्वयं सहायता समूह पोर्टल से जुड़ चुके हैं।

- सहकारी समितियों के हस्तनिर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए हर साल सहकारिता सप्ताह के दौरान एनसीयूआई हाट सहकारी मेला आयोजित किया जाता है।

अध्याय 12

सदस्य संस्थाओं की रिपोर्ट

इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको)

इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड, जिसे इफको के नाम से जाना जाता है, एक बहु-राज्य सहकारी सिमिति है। पूर्ण सहकारी स्वामित्व वाली इस सिमिति की स्थापना 3 नवम्बर 1967 को 57 सदस्य सिमितयों और 5.5 लाख रुपये की मामूली शेयर पूंजी के साथ किया गया था। समय के साथ इसके कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। वर्तमान में 35,675 सदस्य सिमितयों के अपने व्यापक नेटवर्क के साथ यह सहकारिता क्षेत्र को समृद्ध कर रहा है। इसकी मौजूदा शेयर पूंजी बढ़कर ₹629.06 करोड़ हो गई है।

15वीं प्रतिनिधि आम सभा (आरजीबी) के गठन के बाद, इफको में नए निदेशक मंडल का सफलतापूर्वक गठन किया गया है। नए निदेशक मंडल का चुनाव केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त सहकारी चुनाव प्राधिकरण की देखरेख में सुचारु रुप से और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुआ।

इसके अलावा, यह बहुत गर्व की बात है कि अपने 130 साल के इतिहास में पहली बार, अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) की आम सभा और वैश्विक सम्मेलन भारत में आयोजित किया गया। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम इफको द्वारा आईसीए और भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया था। संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (आईवाईसी) 2025 का आधिकारिक शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन में किया गया। सम्मेलन के दौरान, सहकारी आंदोलन में अपने असाधारण योगदान के लिए इफको के प्रबंध निदेशक, डॉ. यू.एस. अवस्थी को 'रॉचडेल पायनियर्स अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया, जो आईसीए द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।

आईसीए कार्यक्रम को कार्बन-न्यूट्रल और पेपरलेस दोनों तरह से सोच-समझकर तैयार किया गया था। इसके कार्बन फुटप्रिंट को संतुलित करने के लिए, देश के विभिन्न हिस्सों में 10,000 पीपल के पेड़ लगाए गए। इसके अलावा, सभी कार्यक्रम घटक - जिसमें साज-सज्जा, सम्मेलन किट, बोतलें और अन्य सामग्री शामिल हैं, जो पर्यावरण हितैषी और टिकाऊ संसाधनों का उपयोग करके तैयार किए गए थे। इस कार्यक्रम को मदिरा रहित रखा गया और इसमें केवल शाकाहारी भोजन परोसा गया। इफको ने सहकारी जुड़ाव और स्थिरता को मजबूत करने के लिए प्रमुख पहलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए आईवाईसी 2025 के लिए अपनी कार्य योजना तैयार की है। इसमें सदस्यता अभियान एक प्रमुख प्राथमिकता है, जिसका उद्देश्य कृषि विकास में व्यापक पहुंच और गहन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सहकारी समितियों की भागीदारी का विस्तार करना है।

वैश्विक जलवायु अभियान का समर्थन करने के लिए, इफको अपने कर्मचारियों और उत्पादन इकाइयों से कार्बन उत्सर्जन की भरपाई के लिए देश भर में 10 लाख पेड़ लगाने के लिए वृक्षारोपण अभियान भी शुरु किया है। इसका लक्ष्य आईवाईसी-2025 के दौरान "कार्बन तटस्थ कोऑपरेटिव" बनना है।

इफको कलोल इकाई ने अप्रैल 2025 में सफल प्रचालन के 50 वर्ष पूरे किए । इफको द्वारा कलोल संयंत्र की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में देश के किसानों को यह संयंत्र पुनः समर्पित किया।

इफको ने नैनो उर्वरक की गुणवत्ता को और बेहतर बनाते हुए नैनो यूरिया प्लस लॉन्च किया है। इफको ने नैनो उर्वरक के अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए नैनो एनपीके, नैनो जिंक और नैनो कॉपर भी लॉन्च किया है। नैनो उर्वरकों के प्रचार और

उपयोग के लिए इफको के मेगा अभियान ने इफको मॉडल नैनो विलेज/क्लस्टर पहल के माध्यम से किसानों की भागीदारी को और तेज कर दिया है।

इफको का कुल उर्वरक उत्पादन वित्तीय वर्ष 2024-25 में 93.10 लाख मीट्रिक टन रहा, जबकि कुल बिक्री 113.78 लाख मीट्रिक टन हुई। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष कर पूर्व लाभ ₹3,234 करोड़ से बढ़कर ₹3,811 करोड़ हो गया, जबकि कर पश्चात लाभ ₹2,443 करोड़ से बढ़कर ₹2,823 करोड़ हो गया। नैनो उर्वरक का उत्पादन 456.93 लाख बोतल तक पहुंचा, जिसमें 364.28 लाख बोतलें वर्ष 2024-25 के दौरान बेची गईं, जो अब तक की सबसे अधिक बिक्री रही।

विभिन्न उपक्रमों के माध्यम से सहकारिता एवं ग्रामीण विकास

ग्रामीण एवं सहकारिता विकास के अपने प्रयासों में, इफको अपने प्रवर्तित संगठनों/विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व का निर्वहन निरंतर कर रहा है, जैसे:

- इफको किसान सेवा ट्रस्ट: इफको और उसके कर्मचारियों के संयुक्त योगदान से स्थापित एक धर्मार्थ न्यास, जो प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में पीड़ितों को राहत और पुनर्वास प्रदान करता है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, न्यास ने रोगियों को आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए ₹86,43,000 और लघु एवं सीमांत किसानों के परिवारों के छात्रों को छात्रवृत्ति देने के लिए ₹50,25,000 खर्च किए।

- भारतीय कृषि वानिकी विकास सहकारी लिमिटेड (आईएफएफडीसी): इफको ने एक अलग बहु-राज्य सहकारी समिति बनायी जिसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और सतत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन को कम करना है ताकि ग्रामीण गरीबों, आदिवासी समुदायों और विशेष रूप से महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाया जा सके। आईएफएफडीसी ने 24,183 सदस्यों वाले 50 किसान उत्पादक संगठन बनाये हैं और किसानों को विभिन्न फसलों के संकर सब्जी बीज भी वितरित किए हैं। महिला सशक्तिकरण के लिए, आईएफएफडीसी ने 1,914 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का पोषण किया, जिनमें से 94% महिला सदस्य थीं।

- सहकारी ग्रामीण विकास न्यास (कॉर्डेट): इफको द्वारा ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए इसे बनाया गया है। यह किसानों को खेती, नवीन तकनीकों, मृदा परीक्षण और पशुपालन के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान करने में लगा हुआ है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, न्यास के माध्यम से 172 किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनसे महिला किसानों सहित 9,783 किसानों को लाभ हुआ। इसके अलावा, गोद लिए गए 25 गाँवों में 197 सामाजिक विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 7,597 लोगों ने भाग लिया।

- किसान विस्तार गतिविधियाँ: जैव उर्वरकों, कृषि रसायनों आदि के संतुलित उपयोग, उर्वरकों के कुशल उपयोग, जल संरक्षण आदि के माध्यम से फसल उत्पादकता बढ़ाने हेतु किसानों के साथ नवीनतम कृषि-प्रौद्योगिकी पर विभिन्न प्रचार और विस्तार कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- ग्राम गोद लेने का कार्यक्रम: इफको द्वारा ग्राम गोद लेने का कार्यक्रम सतत कृषि विकास हेतु गाँवों में समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास लाने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, जिसमें उर्वरकों के संतुलित उपयोग, गुणवत्तापूर्ण बीजों और बेहतर कृषि प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 241 गोद लिए गए। इन गाँवों में विभिन्न प्रचार, सामाजिक और सामुदायिक विकास कार्यक्रम, चिकित्सा और पशु चिकित्सा जाँच अभियान, ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि आयोजित किए गए।

मुख्य आकर्षण

वर्ष 2024-25 हेतु इफको के प्रदर्शन की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

उर्वरक उत्पादन	93.10 लाख मीट्रिक टन
नैनो उर्वरक उत्पादन	456.93 लाख बोतलें
यूरिया का सर्वाधिक उत्पादन	48.17 लाख मीट्रिक टन
एनपी/एनपीके/डीएपी/डब्ल्यूएसएफ उत्पादन	44.93 लाख मीट्रिक टन
उर्वरक बिक्री	113.78 लाख मीट्रिक टन
यूरिया बिक्री	67.32 लाख मीट्रिक टन
डीएपी बिक्री	25.62 लाख मीट्रिक टन
एनपी/एनपीके/डब्ल्यूएसएफ और अन्य उत्पादों की बिक्री	46.46 लाख मीट्रिक टन
उर्वरक प्रेषण	112.58 लाख मीट्रिक टन
कर-पूर्व लाभ	₹ 3,811 करोड़
कर-पश्चात लाभ	₹ 2,823 करोड़
कारोबार	₹ 41,244 करोड़
न्यूनतम समग्र ऊर्जा खपत	5.255 गीगाकैलोरी/मीट्रिक टन यूरिया

भारत मंडपम में दिनांक 25 नवंबर, 2025 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) महासभा और वैश्विक सहकारी सम्मेलन में ध्वजारोहण समारोह।

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, इफको की कलोल इकाई की स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर इफको निदेशक मंडल के साथ

राष्ट्रीय राज्य सहकारी बैंक संघ लिमिटेड (नैफस्कोब), वाशी, नवी मुंबई

1 परिचय:

राष्ट्रीय राज्य सहकारी बैंक महासंघ लिमिटेड (NAFSCOB) की स्थापना 19 मई, 1964 को राज्य एवं केंद्रीय सहकारी बैंकों के संचालन को सुगम बनाने, विशेष रूप से अल्पकालिक सहकारी ऋण एवं बैंकिंग के विकास के व्यापक उद्देश्य से की गई थी। NAFSCOB बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम, 2002 (संशोधित) के अंतर्गत एक राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समिति के रुप में पंजीकृत है। NAFSCOB ने ग्रामीण सहकारी ऋण वितरण प्रणाली में अपनी उपयोगी सेवाओं के लगभग 62 वर्ष पूरे कर लिए हैं। NAFSCOB अपने सदस्यों और उनके सहयोगियों/शेयरधारकों/स्वामियों को अपनी उपलब्धियों को प्रस्तुत करने अपनी चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करने और अपने हितों को बढ़ावा देने के लिए एक साझा मंच प्रदान करता है। मार्च 2024 के अंत तक, 34 राज्य सहकारी बैंक (एससीबी) हैं जिनमें से 33 नैफ्सकॉब के सदस्य हैं जिनकी 2241 शाखाओं का नेटवर्क है, 351 जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (डीसीसीबी) जिनकी 14228 शाखाएँ हैं और 107641 प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (पैक्स) हैं।

2. नैफ्सकॉब के प्रभाग:

नैफ्सकॉब तीन महत्वपूर्ण प्रभागों के साथ कार्य करता है अर्थात् (1) योजना, अनुसंधान एवं विकास (पीआरडी) और (2) कंप्यूटर सेवा प्रभाग (सीएसडी)

नैफ्सकॉब में सदस्यता: नैफ्सकॉब की सदस्यता भारत गणराज्य के सभी एससीबी के लिए खुली है। वर्तमान में 33 एससीबी नैफ्सकॉब के सदस्य हैं और 37 डीसीसीबी नैफ्सकॉब के सहयोगी सदस्य हैं।

3. नैफ्सकॉब का प्रदर्शन:

नैफ्सकॉब ने अपने सीमित वित्तीय और जनशक्ति संसाधनों के बावजूद, अपने निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। पिछले सात दशकों के दौरान नैफ्सकॉब के प्रदर्शन को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

नैफ्सकॉब - सात दशक

पहला दशक (1964 : 74)	उचित दिशा की खोज
दूसरा दशक (1975 – 84)	छवि निर्माण के लिए खोजें
तीसरा दशक (1985-94) क) प्रथम काल (1985-89) ख) द्वितीय काल (1989-94)	दो अवधियों में विभाजित 'परिवर्तन' का समेकन काल
चौथा दशक (1994-2004)	'आकांक्षाओं, महत्वाकांक्षाओं और अपेक्षाओं' का दौर

पाँचवाँ दशक (2004-2014)	पुनर्पूंजीकरण के लिए सफल लॉबी/ अस्थिरता के विरुद्ध
छठा दशक (2014-2024)	विलंबन, विमुद्रीकरण, डिजिटलीकरण और मुख्य मुद्दे। 2014-15 से शुरु हुए दशक में अल्पकालिक सहकारी ऋण संरचना (STCCS) को उसके वर्तमान स्वरूप में सुदृढ़ करने की प्रवृत्ति देखी गई। डिजिटलीकरण सहित तकनीकी विकास से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए STCCS की तैयारी सुनिश्चित करना। 2024 में हीरक जयंती मनाने के लिए पूरी तरह तैयार।
सातवां दशक (2024-2034)	1. अमृत काल पहल: व्यावसायिक संभावनाओं पर अध्ययन 2. दशक की शुरुआत में हीरक जयंती समारोह। 3. स्मारिका का विमोचन और प्रकाशन। 4. संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (आईवाईसी) घोषित किया जाना। 5. भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा पहलों पर चर्चा। 6. 2047 तक सहकारिता को मजबूत करने के लिए रणनीतियों की पहचान, डिजाइन, परिचय और कार्यान्वयन की योजना बनाना। 7. नई दिल्ली कार्य एजेंडा को लागू करने की दिशा में कार्य करना।

4. नैफ्सकॉब का हीरक जयंती समारोह:

भारत में सहकारी आंदोलन के अल्पकालिक सहकारी ऋण ढांचे में नैफ्सकॉब की 60 वर्षों की महत्वपूर्ण सेवा के उपलक्ष्य में, 26 नवंबर 2024 को शाम 5:00 बजे भारत मंडपम, नई दिल्ली में एक भव्य हीरक जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के विजन और मिशन का समर्थन करते हुए, प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहकारी नेताओं, नीति निर्माताओं, सहकारी बैंकिंग अधिकारियों और भारत में सहकारी आंदोलन के अन्य प्रमुख हितधारकों ने एक साथ भाग लिया। माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने 26-11-2024 को नैफ्सकॉब हीरक जयंती समारोह और आईसीबीए महासभा समारोह का उद्घाटन किया।

5. सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशालाएँ एवं बैठकें

NAFSCOB ने वर्ष 2024-25 के दौरान निम्नलिखित सम्मेलन/कार्यशालाएँ/सेमिनार/बैठकें आयोजित कीं:

A) “संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित IYC 2025 के कार्यान्वयन की रणनीतियाँ” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी:

• पृष्ठभूमि: संयुक्त राष्ट्र IYC 2025 का शुभारंभ एक ऐतिहासिक क्षण है जो सहकारी समितियों की परिवर्तनकारी शक्ति और सतत विकास को आगे बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का जश्न मनाता है। दुनिया भर के नेताओं ने स्थानीय और वैश्विक स्तर पर सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने में सहकारिता को आवश्यक माना है। IYC 2025, सहकारी आंदोलन की वैश्विक मान्यता, सहयोग और प्रभाव को बढ़ाने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय ने IYC 2025 को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और सभी हितधारकों से वर्ष 2025 में IYC के दौरान विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कदम उठाने की अपील की।

उपरोक्त शुरू किए गए उपायों के अलावा मंत्रालय ने राष्ट्रीय राज्य सहकारी बैंक महासंघ (NAFSCOB) सहित सभी राष्ट्रीय स्तर के सहकारी महासंघों को वर्ष 2025 में IYC 2025 मनाने के लिए एक चरणबद्ध वार्षिक कार्य योजना तैयार करने की सलाह दी। इस वार्षिक कार्य योजना के एक भाग के रूप में संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित IYC 2025 बैंक के कार्यान्वयन हेतु रणनीतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 18-03-2025 को "शिखर" प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड, वाशी, नवी मुंबई में NAFSCOB द्वारा महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक के सहयोग से किया गया जिसमें निम्नलिखित कवरेज शामिल थी।

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी दिनांक 26-11-2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में NAFS-COB के संयुक्त उद्घाटन समारोह (NAFSCOB हीरक जयंती और ICBA महासभा) के दौरान NAFSCOB हीरक जयंती स्मारक स्मारिका का विमोचन करते हुए। (बाएं से दाएं) श्री दिलीप संघाणी, अध्यक्ष, इफको एवं एनसीयूआई, श्री कोंडुरु रविंदर राव, अध्यक्ष NAFSCOB, श्री कृष्णपाल, माननीय केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री, श्री मुरलीधर मोहोल, माननीय केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री, श्री एरियल ग्वारको, अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन और डॉ. आशीष कुमार भूटानी, सचिव, केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय।

दिनांक 18-03-2025 को वाशी, नवी मुंबई में NAFSCOB द्वारा आयोजित “संयुक्त राष्ट्र (यूएन) घोषित IYC 2025 का जश्न मनाने की रणनीति” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान गणमान्य व्यक्ति और प्रतिनिधि।

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी आवास संघ

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी आवास संघ (एनसीएचएफ) सहकारी आवास क्षेत्र का एक राष्ट्रव्यापी संगठन है। एनसीएचएफ का प्राथमिक उद्देश्य आवास सहकारी समितियों को बढ़ावा देना और उनके कार्यों, विशेष रूप से शीर्ष सहकारी आवास संघों (एसीएचएफ) का समन्वय और सुविधा प्रदान करना है जो इसके सदस्य हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान एनसीएचएफ की मुख्य गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ नीचे दी गई हैं:

प्रचार गतिविधियाँ

1. एनसीएचएफ उन राज्यों में एसीएचएफ को बढ़ावा देने का प्रयास करता है जहाँ ऐसे संगठन मौजूद नहीं हैं और उन एसीएचएफ को मजबूत करने का प्रयास करता है जो तुलनात्मक रूप से कमजोर हैं। संदर्भित अवधि के दौरान दो नए राज्य सहकारी संगठनों को एनसीएचएफ के सदस्य के रूप में शामिल किए गए और एनसीएचएफ की सदस्यता को और बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न मुद्दों पर सदस्य एसीएचएफ को सभी आवश्यक समर्थन और सहयोग प्रदान किया गया। इसके तहत महत्वपूर्ण प्रकाशन/दस्तावेज भी नियमित अंतराल पर उन्हें वितरित किए गए।

2. सहकारी पुनर्वास, पुनर्निर्माण और विकास निधि (सीआरआरडीएफ) के दिशानिर्देश तैयार करने के सुझावों पर एक संक्षिप्त नोट सहकारिता मंत्रालय के केंद्रीय सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार (सीआरसीएस) के कार्यालय को भेजा गया।

3. आवास सहकारी समितियों की संपत्तियों का एनसीएचएफ के माध्यम से बीमा कराया गया। सदस्य एसीएचएफ और प्राथमिक आवास सहकारी समितियों से अनुरोध किया गया कि वे अपनी आवास परियोजनाओं को एनसीएचएफ के माध्यम से कम प्रीमियम पर ‘भारत गृह रक्षा नीति’ के अंतर्गत कवर करें। संपत्तियों के सामान्य बीमा के संबंध में आवास सहकारी समितियों और अन्य संबंधितों को आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 (आईवाईसी-2025) के उपलक्ष्य में आवास सहकारी समितियों के सदस्यों के लाभार्थ सहकारी आवास पर ‘आवास सहकारी समितियों के माध्यम से राष्ट्रीय विकास’ और ‘सहकारिताओ के माध्यम से आवास’ नामक पुस्तिकाएँ हिंदी में प्रकाशित की गईं। एनसीएचएफ के निदेशक मंडल के सदस्यों, शीर्ष सहकारी आवास संघों के सभी प्रबंध निदेशकों, जिला सहकारी आवास संघों और प्राथमिक आवास सहकारी समितियों के अध्यक्ष/सचिव को ये हैंडआउट वितरित किए गए। उनसे आईवाईसी-2025 मनाने, आवास सहकारी समितियों की दृश्यता बढ़ाने और जन जागरूकता बढ़ाने

का भी अनुरोध किया गया। हैंडआउट में आवास सहकारी समितियों की भूमिका, विकास, विशिष्ट विशेषताओं और सदस्यों के लिए आचार संहिता के साथ-साथ सदस्यों के लाभ, अधिकार और कर्तव्य आदि का संक्षिप्त विवरण हिंदी माध्यम में दिया गया ।

शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचना प्रसार

एनसीएचएफ सहकारी आवास गतिविधियों में लगे सभी संबंधितों के लाभ और उपयोग के लिए अनुसंधान और अध्ययन करता है और सूचना/सांख्यिकीय डेटा संकलित करता है। संबंधित राज्यों के सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार (आरसीएस) से अनुरोध किया गया कि वे अपने-अपने राज्यों में आवास सहकारी समितियों के संचालन के बारे में जानकारी/डेटा भेजें। एनसीएचएफ और उसके सदस्य एसीएचएफ से संबंधित डेटा सहकारिता मंत्रालय के राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस पोर्टल पर भी दर्ज किया गया था।

सम्मेलन/वेबिनार

एनसीएचएफ, एसीएचएफ और आवास सहकारी समितियों के कर्मियों के लिए सम्मेलन/कार्यशालाएँ/अध्ययन दौरे/वेबिनार आदि आयोजित करता रहा है और ऐसे आयोजनों में सहकारी आवास क्षेत्र का प्रतिनिधित्व भी करता रहा है। ऐसे मंचों का आयोजन या उनमें भाग लेने का उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर कार्यरत आवास सहकारी समितियों के कर्मियों को सर्वोत्तम प्रथाओं से परिचित कराना, प्रगति की समीक्षा करना और आवास सहकारी समितियों के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करना है ताकि उनके सुचारु संचालन के लिए उपाय सुझाए जा सकें।

सहकारिता सप्ताह समारोह-2024 के उपलक्ष्य में एनसीएचएफ ने ‘एनसीएचएफ बुलेटिन’ का एक विशेष अंक प्रकाशित किया जिसका विमोचन श्री दिलीप संघाणी, पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री, गुजरात सरकार और अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) ने 14 नवंबर, 2024 को एनसीयूआई द्वारा आयोजित सहकारी सप्ताह समारोह के उद्घाटन समारोह में किया। उपरोक्त प्रकाशन उद्घाटन समारोह में प्रतिभागियों के बीच वितरित किया गया। इस अवसर पर एनसीयूआई के सीईएएस-एलएमएस पोर्टल पर सहकारी आवास समितियों के प्रबंधन पर एक ई-पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया। एनसीएचएफ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री एन.एस. मेहरा भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

प्रकाशन

एनसीएचएफ समय-समय पर विभिन्न प्रकाशन प्रकाशित करता रहा है। वर्ष 2024-25 के दौरान इसने निम्नलिखित प्रकाशन प्रकाशित किए: एक मासिक पत्रिका ‘एनसीएचएफ बुलेटिन’ (विश्व पर्यावास दिवस और सहकारी सप्ताह समारोहों पर विशेष अंक सहित), एक मासिक ई-न्यूज़लेटर ‘सहकारिता और आवास आवाज़’, वर्ष 2023-24 के लिए एनसीएचएफ की वार्षिक रिपोर्ट और लेखापरीक्षा रिपोर्ट हिंदी और अंग्रेजी दोनों में, सहकारी आवास पर हैंडआउट्स, अर्थात् ‘सहकारिताओं के माध्यम से आवास’ (हिंदी में) और ‘आवास सहकारी समितियों के माध्यम से राष्ट्रीय विकास’।

विश्व पर्यावास दिवस समारोह

विश्व पर्यावास दिवस हर साल अक्टूबर के पहले सोमवार को दुनिया भर में मनाया जाता है। यह विश्व समुदाय को मानव बस्तियों के सतत विकास की दिशा में की गई पहलों की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करता है। विश्व पर्यावास दिवस-2024 विश्व स्तर पर ‘बेहतर शहरी भविष्य के निर्माण के लिए युवाओं को शामिल करना’ विषय पर मनाया गया। भारत सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने 9 अक्टूबर, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में ‘बेहतर शहरी भविष्य बनाने के लिए युवाओं को शामिल करना’ विषय पर विश्व पर्यावास दिवस-2024 मनाने के लिए एक समारोह

का आयोजन किया जिसका उद्घाटन माननीय केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने किया।

विश्व पर्यावास दिवस समारोह-2024 के उपलक्ष्य में NCHF ने 'NCHF बुलेटिन' का एक विशेष अंक निकाला जिसका विमोचन माननीय केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव श्री श्रीनिवास कटिकिथला, आईएएस और UN-Habitat के प्रतिनिधियों और HUA मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया। उपरोक्त प्रकाशन विश्व पर्यावास दिवस समारोह के प्रतिभागियों के बीच वितरित किया गया। इससे पहले श्री एन.एस मेहरा जी ने विश्व पर्यावास दिवस-2024 के उत्सव हेतु आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार (स्वास्थ्य) की अध्यक्षता में आयोजित विभिन्न तैयारी बैठकों में भाग लिया।

एनसीएचएफ के कर्मचारियों को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत "हर घर तिरंगा अभियान" के दौरान 13-15 अगस्त, 2024 तक अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के संबंध में एक परामर्श जारी किया गया।

एनसीएचएफ ने "'हर घर तिरंगा' अभियान" के अंतर्गत अपने कर्मचारियों के बीच राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए। एनसीएचएफ ने अपने कार्यालय भवन में भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया। भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव के प्रतीक चिन्ह के साथ एनसीएचएफ के लेटरहेड मुद्रित किए गए। यह प्रतीक चिन्ह एनसीएचएफ की वेबसाइट पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों में प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया।

एनसीएचएफ के सोशल मीडिया खाते

भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय ने देश भर में सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए विभिन्न पहल की हैं। मंत्रालय का उद्देश्य राष्ट्रीय सहकारी संघों द्वारा प्रकाशित सोशल मीडिया और आवधिक प्रकाशनों की सीमा, गहराई और पहुँच को बढ़ाकर सहकारी आंदोलन की पहुँच को जमीनी स्तर तक गहरा करना है। इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि राष्ट्रीय संघों को देश भर में सभी स्तरों अर्थात राज्य, ज़िला और प्राथमिक स्तर पर सदस्यों से जुड़ने की आवश्यकता है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए एनसीएचएफ ने सहकारी क्षेत्र, विशेष रूप से सहकारी आवास क्षेत्र और सहकारी समितियों को मज़बूत करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों का प्रचार करने के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाए हैं जिनका विवरण इस प्रकार है:-

फेसबुक : NchfNchf (https://www.facebook.com/nchf.nchf.14),
इंस्टाग्राम : nchf1969 (https://www.instagram.com/nchf1969/),
ट्विटर (X) : @nchf1969 (https://www.twitter.com/nchf1969)।

भारतीय राष्ट्रीय श्रम सहकारी संघ लिमिटेड

1. सदस्यता

दिनांक 31.3.2025 तक भारतीय राष्ट्रीय श्रम सहकारी संघ लिमिटेड (एनएलसीएफ) के सदस्यों की संख्या 426 थी जिसका प्रतिनिधित्व भारत सरकार और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम सहित देश के विभिन्न भागों की श्रम संविदा/निर्माण एवं वन श्रम सहकारी समितियों द्वारा किया जाता है।

2. प्रशिक्षण कार्यक्रम

नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम:

1. महाराष्ट्र राज्य के जिला एवं प्राथमिक श्रम संविदा सहकारी संघों/समितियों के पदाधिकारियों के लिए एक दिवसीय जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यक्रम

महाराष्ट्र राज्य के जिला एवं प्राथमिक श्रम संविदा सहकारी संघों/समितियों के पदाधिकारियों के लिए एक दिवसीय जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 सितंबर 2024 को महाराष्ट्र राज्य श्रम सहकारी संघ, पुणे के सम्मेलन कक्ष में सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहकारी शिक्षा कोष से वित्तीय सहायता से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री संजीव आर. कुसालकर, अध्यक्ष, एनएलसीएफ एवं अध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य श्रम सहकारी संघ, पुणे ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के अलावा एनएलसीएफ प्रबंध निदेशक डॉ. विनय कुमार चौहान, श्री अशोक कदम, श्री भरत खंडित, उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य श्रम सहकारी संघ और श्री ए.के. खराडे, प्रबंधक, महाराष्ट्र राज्य श्रम सहकारी संघ ने भी भाग लिया और सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य के विभिन्न जिलों से 115 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

2. पंजाब और हरियाणा राज्यों के जिला एवं प्राथमिक श्रम संविदा एवं वन श्रम सहकारी संघों/समितियों के पदाधिकारियों के लिए एक दिवसीय सदस्य जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय राष्ट्रीय श्रम सहकारी संघ लिमिटेड (एनएलसीएफ) ने 9 नवंबर 2024 को क्षेत्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान, चंडीगढ़ में पंजाब और हरियाणा राज्यों के जिला एवं प्राथमिक श्रम संविदा एवं वन श्रम सहकारी संघों/समितियों के पदाधिकारियों के लिए एक दिवसीय जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के सहकारी शिक्षा कोष से प्राप्त वित्तीय सहायता से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री कपिल मीणा, आईएएस, निदेशक, सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार एवं सचिव, एनसीसीटी ने मुख्य अतिथि के रूप में किया और प्रतिभागियों को संबोधित किया। मुख्य अतिथि श्री जगजीत सिंह सांगवान के अलावा एनएलसीएफ, निदेशक श्री पवन कुमार गुप्ता और एनएलसीएफ, प्रबंध निदेशक डॉ. विनय कुमार चौहान भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। श्री मुनेश्वर चंद्र, अतिरिक्त आरसीएस (सेवानिवृत्त), पंजाब सरकार, श्रीमती बृजेन्द्र कौर, अतिरिक्त रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, पंजाब सरकार, श्री सुनील कुमार, संकाय, आरआईसीएम, डॉ. राजीव कुमार, निदेशक, आरआईसीएम, चंडीगढ़ और श्री अमन धीमान, एसडीओ, हरियाणा राज्य सहकारी श्रम एवं निर्माण संघ लिमिटेड, पंचकूला ने पंजाब और हरियाणा राज्यों में श्रम सहकारी समितियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर व्याख्यान दिए। इस कार्यक्रम में पंजाब और हरियाणा राज्यों के विभिन्न हिस्सों से 112 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

3. सियोल, कोरिया में डिजिटल युग में श्रम प्रबंधन संबंध पर कार्यशाला

डॉ. विनय कुमार चौहान, प्रबंध निदेशक, एनएलसीएफ ने 26-29 नवंबर, 2024 को सियोल, कोरिया में डिजिटल युग में श्रम प्रबंधन संबंध पर कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. चौहान ने भारत में श्रम और वन श्रम सहकारी आंदोलन की गतिविधियों की जानकारी दी और एनएलसीएफ की गतिविधियों के बारे में प्रस्तुति दी। उपरोक्त कार्यक्रम भारतीय राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित था। इस कार्यक्रम में भारत, दक्षिण कोरिया, पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका और फिजी आदि विभिन्न देशों से 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

3. अनुसंधान परामर्श सेवाएँ एवं प्रकाशन

क. परामर्श सेवाएँ

भारतीय श्रम सहकारी आंदोलन का एक शीर्ष संगठन होने के नाते एनएलसीएफ प्रशासनिक, तकनीकी और कानूनी मुद्दों पर परामर्श सेवाएँ प्रदान करके राज्य एवं जिला संघों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एनएलसीएफ ने आवश्यकतानुसार वर्ष के दौरान समय-समय पर विभिन्न जिला श्रम सहकारी संघों को विभिन्न मुद्दों पर परामर्श प्रदान किया है।

ख. प्रकाशन

संघ की नीतियों और कार्यक्रमों को अपने सदस्यों तक पहुँचाने के लिए प्रकाशन एक प्रभावी और उपयोगी माध्यम है। संदर्भित वर्ष के दौरान एनएलसीएफ द्वारा श्रम सहकारी समितियों के सदस्यों के उपयोग हेतु निम्नलिखित प्रकाशन प्रकाशित किए गए। प्रकाशनों की प्रतियाँ सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार कार्यालय, क्षेत्रीय सहकारी समितियों/संगठन सहकारी समितियों, राज्य सहकारी संघों और केंद्रीय मंत्रालयों को उनके उपयोग हेतु भेजी गईं। इस वर्ष के दौरान प्रकाशित महत्वपूर्ण प्रकाशनों का विवरण इस प्रकार है:-

(i) एनएलसीएफ की पत्रिका “लेबर कोप्स”
(ii) एनएलसीएफ का अद्यतन ब्रोशर
(iii) एनएलसीएफ के अद्यतन उपनियम

एनसीडीएफआई

अवलोकन

एनसीडीएफआई ने नेटवर्किंग, समन्वय और नीतिगत वकालत के माध्यम से डेयरी सहकारी समितियों का समर्थन करने के अपने मुख्य उद्देश्य के साथ अपने सदस्यों के लिए मूल्य सृजन हेतु निरंतर प्रयास किए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान एनसीडीएफआई ने भारतीय सेना, आईटीबीपी और अन्य जैसे प्रतिष्ठित संस्थागत खरीदारों को दूध और दूध उत्पादों की आपूर्ति के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महासंघ ने एनसीडीएफआई ई-मार्केट के माध्यम से पारदर्शी और कुशल ऑनलाइन लेनदेन की सुविधा भी प्रदान की। डेयरी पशुओं के आनुवंशिक सुधार का समर्थन किया और हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण पहल की। अधिशेष निधि का प्रभावी ढंग से विकासात्मक गतिविधियों के लिए उपयोग किया गया जिससे सहकारी डेयरी क्षेत्र का सतत विकास और सुदृढ़ीकरण सुनिश्चित हुआ।

संस्थागत बिक्री

एनसीडीएफआई ने 348 सेना आपूर्ति डिपो, 45 वायु सेना स्टेशनों, 8 नौसेना इकाइयों और 14 आईटीबीपी बटालियनों को दूध और दूध उत्पादों की आपूर्ति का समन्वय किया जिसका मूल्य ₹1,559 करोड़ था। इस प्रयास में देश भर की 115 डेयरी सहकारी समितियाँ शामिल थीं जो दूध और दुग्ध उत्पादों की आपूर्ति कर रही थीं और अमूल, महानंद, नंदिनी, सरस, वेरका, विशाखा और वारणा जैसे ब्रांड यूएचटी दूध उपलब्ध करा रहे थे।

एनसीडीएफआई ई-मार्केट संचालन

- विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं में 16,450 से अधिक ई-नीलामी आयोजित की गईं।
- 50,693 मीट्रिक टन एसएमपी, 17,765 मीट्रिक टन मक्खन, 1,361 मीट्रिक टन डब्ल्यूएमपी, 608 मीट्रिक टन घी, 910 मीट्रिक टन मट्ठा पाउडर, 340 मीट्रिक टन पनीर और 8.89 लाख लीटर आरसीएम का व्यापार किया गया।
- 18 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 54 सहकारी पशु आहार संयंत्रों के लिए खरीद को सुगम बनाया गया, जिसमें 6 लाख मीट्रिक टन से अधिक आहार सामग्री (मक्का, डीओआरबी, चावल की भूसी, सरसों का आटा, आदि) का व्यापार किया गया।
- कुल लेनदेन: ₹4,480 करोड़ (डेयरी उत्पाद ₹2,031 करोड़, पशु आहार ₹1,543 करोड़, पैकेजिंग ₹340 करोड़, चीनी ₹92 करोड़, विविध ₹474 करोड़)
- सदस्यता 35% बढ़कर 7,697 हो गई। सदस्य पंजीकरण और ईएमडी प्रबंधन के लिए आईटी उन्नयन शुरू किया गया।

आनुवंशिक सुधार और स्मार्ट डेयरी समाधान

- एनडीएस के स्वामित्व वाले/प्रबंधित वीर्य केंद्रों से 3.20 करोड़ फ्रोजन वीर्य खुराक (₹82 करोड़ मूल्य की) की आपूर्ति के लिए एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज (एनडीएस) के साथ साझेदारी की गई।
- एनडीएस के सहयोग से स्मार्ट डेयरी समाधान (दिसंबर 2023 में लॉन्च) ने ₹1 करोड़ के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण, दूध देने वाले उपकरण, पशु चटाई, चिलर और सहायक उपकरण की बिक्री को सक्षम बनाया।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कुल कारोबार

संस्थागत बिक्री: ₹1,559 करोड़
एनसीडीएफआई ई-मार्केट: ₹4,480 करोड़
आनुवंशिक सुधार (एफएसडी): ₹82 करोड़
स्मार्ट डेयरी समाधान: ₹1 करोड़
कुल कारोबार: ₹6,122 करोड़

प्रशिक्षण, कार्यक्रम और सहभागिता

- सिक्किम में देश भर के सदस्य डेयरी सहकारी संघों और दुग्ध संघों के 100 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों के लिए दो बैचों में प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) आयोजित किए गए जिनमें स्थिरता, शासन और तनाव प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- 2,189 प्रतिभागियों के साथ 55 एआई तकनीशियन बैठकें आयोजित की गईं।
- आईडीएफ क्षेत्रीय डेयरी सम्मेलन (कोच्चि), 51वें डीआईसी (पटना) और एसडब्ल्यूएडी एक्सपो (जयपुर) में स्टॉल आयोजित किए गए।
- रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और डेयरी सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त वार्षिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई (मई 2024, नई दिल्ली)
- NAARM, VAMNICOM, NCDFI मुख्यालय, SICUN और अन्य संस्थानों में IYC-2025 के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रतिनिधित्व और संपर्क

NCDFI ने वैश्विक और राष्ट्रीय मंचों पर भारतीय डेयरी सहकारी समितियों का सक्रिय रूप से प्रतिनिधित्व किया, जिनमें IDF विश्व डेयरी शिखर सम्मेलन 2024 (पेरिस), IDF क्षेत्रीय डेयरी सम्मेलन (कोच्चि), 51वां DIC (हैदराबाद), ICC शिखर सम्मेलन (जयपुर), IDA पश्चिम क्षेत्र सम्मेलन (नागपुर), CICTAB अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पुणे) और विभिन्न NDDB/शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यशालाएँ शामिल हैं।

स्थायित्व के प्रति प्रतिबद्धता

एनसीडीएफआई ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रयासों को जारी रखा, विशेष रूप से राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर अमूल स्वच्छ ईंधन रैली में सक्रिय रूप से भाग लेकर डॉ. वर्गीस कुरियन की स्मृति में स्वच्छ ऊर्जा, सहकारी मूल्यों और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा दिया।

राष्ट्रीय युवा सहकारी समिति लिमिटेड

राष्ट्रीय युवा सहकारी समिति लिमिटेड (NYCS लिमिटेड) एक बहुराज्यीय, बहुउद्देशीय सहकारी समिति है जो युवाओं को विभिन्न रोजगार या स्वरोजगार संबंधी गतिविधियों में शामिल करके उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने की दिशा में कार्य करती है। यह संगठन 1999 में स्थापित किया गया था और बहुराज्यीय सहकारी समिति अधिनियम 1984 की धारा 7 के तहत यह पंजीकृत है।

NYCS की मुख्य गतिविधियाँ :- सूक्ष्म वित्त, युवाओं की सुविधा, स्वयं सहायता समूहों का निर्माण, उद्यमिता विकास और युवाओं एवं अन्य हितधारकों के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु क्षमता निर्माण करना हैं। समिति की स्थापना के बाद से NYCS लिमिटेड पूरे भारत में उद्यमियों के विकास और पोषण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। NYCS लिमिटेड का भारत भर के 603 जिलों में एक मजबूत नेटवर्क है। इसमे लाभार्थियों की पहचान की जाती है और उन्हें उद्यमिता प्रशिक्षण दिया जाता है जिसमें बहीखाता पद्धति, विपणन कौशल, सॉफ्ट स्किल, प्रबंधकीय कौशल, टीम प्रबंधन, नेतृत्व प्रबंधन और जीवन कौशल शामिल हैं।

वार्षिक निष्पादन रिपोर्ट: सूक्ष्म वित्त प्रभाग (2024-25)

वित्तीय वर्ष 2024-25 राष्ट्रीय युवा सहकारी समिति लिमिटेड के सूक्ष्म वित्त प्रभाग के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष रहा है जिसकी विशेषताएँ मज़बूत विकास, रणनीतिक विस्तार और बेहतर सेवा वितरण हैं। यह रिपोर्ट हमारी उपलब्धियों, परिचालन प्रदर्शन और भविष्य के दृष्टिकोण का विस्तृत अवलोकन प्रस्तुत करती है।

वित्तीय प्रदर्शन

समीक्षाधीन अवधि के दौरान प्रभाग ने असाधारण वित्तीय परिणाम दर्ज किए हैं। हमने कुल ₹95.87 करोड़ की जमा राशि जुटाई। यह वृद्धि हमारे बढ़ते जमाकर्ता आधार के माध्यम से प्राप्त हुई। हमने ऋण के मोर्चे पर विभिन्न उत्पादों में कुल ₹62.90 करोड़ के ऋण वितरित किए।

भविष्य की रूपरेखा

वर्ष 2025-26 को ध्यान में रखते हुए हमने सभी परिचालन क्षेत्रों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। हमारी विस्तार योजनाओं में वित्तीय वर्ष के अंत तक 41 स्थानों के कुल नेटवर्क तक पहुँचने के लक्ष्य के साथ पाँच नई शाखाएँ खोलना शामिल है।
वित्तीय रूप से हमारा लक्ष्य जमा राशि जुटाने में ₹150 करोड़ और वित्तीय समावेशन में ₹105 करोड़ प्राप्त करना है। इसके अतिरिक्त ऋण वितरण में हमारे गोल्ड लोन पोर्टफोलियो को 9 करोड़ तक बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया हैं।

जन निधि

जननिधि NYCS की एक प्रमुख पहल है जो छोटे व्यवसायों की वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने और युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित माइक्रोफाइनेंस कार्यक्रम संचालित करती है। यह कार्यक्रम युवाओं को उनके व्यावसायिक विचारों को शुरु करने या विस्तार देने के लिए ऋण तक आसान पहुँच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
वर्तमान में, जननिधि 5 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 35 केंद्रों का सक्रिय रूप से संचालन कर रहा है, जिससे स्थानीय

अर्थव्यवस्थाओं को मज़बूत करने और आजीविका के अवसर पैदा करने में मदद मिल रही है। अब तक, इसने ₹22,93,70,878/- से अधिक के ऋण वितरित किए हैं, जिससे देश भर में 1624 से अधिक व्यक्तियों को प्रत्यक्ष लाभ हुआ है।

गतिविधियाँ

व्यारा, गुजरात में कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण

गुजरात के तापी जिले के व्यारा में NYCS जन निधि शाखा ने अपने रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत महिलाओं और लड़कियों के लिए ब्यूटी पार्लर और भरतनाट्यम कक्षाएं आयोजित कीं।

इन सत्रों का उद्देश्य प्रतिभागियों में आत्मनिर्भरता बढ़ाना और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देना था। व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने और महिला सशक्तिकरण को समर्थन देने के लिए बहुत मामूली शुल्क लिया गया था। इस पहल के माध्यम से, राष्ट्रीय युवा सहकारी समिति (NYCS) ने कौशल विकास के माध्यम से युवाओं और महिलाओं के लिए आजीविका के अवसरों में सुधार लाने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी।

कोविदा

कोविदा, राष्ट्रीय युवा सहकारी समिति (NYCS) का समर्पित कौशल विकास प्रभाग है। यह रोज़गार क्षमता बढ़ाने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रम चलाकर युवाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोविडा, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), एक प्रमुख सरकारी समर्थित संगठन, के साथ मिलकर काम करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इसके प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योग मानकों और राष्ट्रीय कौशल आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इस साझेदारी के अलावा, कोविडा सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की कंपनियों द्वारा प्रायोजित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) परियोजनाओं के माध्यम से कौशल निर्माण पहलों को भी लागू करता है।

ये सहयोगात्मक प्रयास व्यावहारिक, उद्योग-प्रासंगिक प्रशिक्षण प्रदान करके शिक्षा और रोज़गार के बीच की खाई को पाटने में मदद करते हैं, जिससे युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में मांग वाले कौशल हासिल करने में मदद मिलती है। इन व्यापक कार्यक्रमों के माध्यम से, कोविडा एक कुशल कार्यबल बनाने और युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के राष्ट्र के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देने का प्रयास करता है।

युवा सहकार

युवा सहकार, एनवाईसीएस का मासिक समाचार पत्र है, जो हमारे कार्यों, पहलों और प्रभाव के बारे में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में कार्य करता है। यह संगठन की चल रही गतिविधियों, सफलता की कहानियों और युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित कार्यक्रमों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करता है। इस न्यूज़लेटर के माध्यम से, हमारा उद्देश्य सहकारी क्षेत्र और अन्य उद्योगों से जुड़कर अपने मिशन की एक व्यापक तस्वीर बनाना है।

युवा सहकारिता जुड़ाव को मज़बूत करती है, सहयोग को बढ़ावा देती है और युवाओं के नेतृत्व वाले सहकारी विकास के प्रति NYCS की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

अगस्त 2024 में NYCS की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री राजेश पांडे ने नई दिल्ली में माननीय मंत्रियों से मुलाकात की। युवा सहकारिता क्षेत्र में सहयोग को मज़बूत करने के लिए आयोजित इस बैठक के दौरान श्री पांडे ने मंत्री महोदय को युवा सशक्तिकरण और विकास पर केंद्रित NYCS की चल रही पहलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने संगठन की मासिक पत्रिका युवा सहकारिता भी भेंट की जो देश भर से NYCS के प्रयासों, प्रभाव और कहानियों को प्रदर्शित करती है।

कार्यक्रम और बैठकें

NYCS का 25वां स्थापना दिवस पूरे देश में मनाया गया! दिनांक 9 दिसंबर को राष्ट्रीय युवा सहकारी समिति (NYCS) ने अपनी सभी शाखाओं में बड़े उत्साह के साथ अपना स्थापना दिवस मनाया जो युवा सशक्तिकरण के प्रति 25 वर्षों की प्रतिबद्धता का प्रतीक था।
"समर्थ युवा, समर्थ भारत" के विजन से प्रेरित होकर NYCS अपनी स्थापना के समय से ही युवाओं को कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य सेवा, खेल और उद्यमिता के माध्यम से अवसर प्रदान करने के लिए कार्यरत है।

मध्य प्रदेश के आदिवासी गाँवों में ग्रामीण होमस्टे का कायाकल्प

मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा NYCS टीम और बैक टू विलेज (B2V) के सहयोग से ग्रामीण पर्यटन पहल के तहत बैतूल जिले के बाचा और बज्जरवाड़ा गाँवों में आठ नए होमस्टे का उद्घाटन किया गया। इस पहल का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार सृजन करना है। यह परियोजना 40-60% सरकारी सब्सिडी प्रदान करती है और लोक संगीत, बैलगाड़ी की सवारी, कृषि गतिविधियों और ग्रामीण खेलों के माध्यम से सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देती है। पारंपरिक मिट्टी की वास्तुकला से निर्मित और हरे-भरे खेतों से घिरे ये होमस्टे, बाथरूम तक सीमित आधुनिक सुविधाओं के साथ एक अनूठा ग्रामीण अनुभव प्रदान करते हैं। मेहमान किचन गार्डन से मिट्टी के चूल्हों पर पकाए गए जैविक भोजन का आनंद लेते हैं और स्थानीय खेती, त्योहारों और गाय की देखभाल में भाग लेते हैं।

महिलाएँ इस पहल के केंद्र में हैं जो होमस्टे चला रही हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। प्रत्येक गाँव में बुकिंग का प्रबंधन और आगंतुकों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एक पर्यटन समिति होती है।

केंद्रीय जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री दुर्गादास उइके का रात्रि विश्राम एक प्रमुख आकर्षण रहा जिन्होंने इस होमस्टे का प्रत्यक्ष अनुभव लिया, कैम्प फायर के आसपास ग्रामीणों से बातचीत की और सौर ऊर्जा से चलने वाली रसोई वाला भारत का

पहला गाँव बनने के लिए बाचा गाँव की प्रशंसा की। उन्होंने लोगों से स्थायी ग्रामीण पर्यटन के इस मॉडल का दौरा करने और समर्थन करने का आग्रह किया।

गुजरात राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लिमिटेड

परिचय

गुजरात राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लिमिटेड (खेती बैंक) गुजरात में कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के लिए निवेश वित्त प्रदान करने वाली शीर्ष संस्था है। यह बैंक 178 शाखाओं, 17 जिला कार्यालयों और अहमदाबाद स्थित अपने मुख्यालय के माध्यम से एकीकृत ढाँचे के अंतर्गत कार्य करता है।

मुख्य विशेषताएँ (वित्त वर्ष 2024-25)

- सदस्यता एवं शेयर पूँजी: मार्च 2025 तक सदस्यता 2.91 लाख तक पहुँच गई। शेयर पूँजी 52.66 करोड़ रुपये रही।
- निधियाँ: वैधानिक एवं आरक्षित निधियाँ 649.48 करोड़ रुपये से बढ़कर 692.77 करोड़ रुपये हो गईं।
- सावधि जमाएँ: 224.55 करोड़ रुपये (2024) से बढ़कर 249.79 करोड़ रुपये (2025) हो गईं। कर्मचारियों एवं वरिष्ठ नागरिकों को 0.5% अतिरिक्त ब्याज प्रदान किया जाता हैं ।
- ऋण अग्रिम: 10,343 खातों में कुल 361.79 करोड़ रुपये का संवितरण
- निवेश: 220.20 करोड़ रुपये, 19.75 करोड़ रुपये की ब्याज आय।
- वसूली प्रदर्शन: 611.04 करोड़ रुपये की माँग (53.02%) के सापेक्ष 323.98 करोड़ रुपये की वसूली।
- शुद्ध एनपीए 0%
- प्रौद्योगिकी: सभी कार्यालयों में पूर्ण सीबीएस कार्यान्वयन।
- सदस्य कल्याण: आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में उधारकर्ता के परिवार के लिए 5 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा लाभ।

महत्वपूर्ण कार्यक्रम और पहल

- माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल द्वारा डिजिटल बोर्डरूम का उद्घाटन (अगस्त 2024)।
- ब्याज माफी योजना से 3 वर्षों में ₹85.91 करोड़ की छूट के साथ 7,427 किसानों को लाभ हुआ।
- वृक्षारोपण अभियान - 'एक पेड़ माँ के नाम'।
- पद्मश्री गेनाभाई पटेल द्वारा गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण।
- नाबार्ड द्वारा सीएसपीसीए कम्प्यूटरीकरण प्रशिक्षण (जनवरी 2025)।
- एथलीट सुश्री निरमा ठाकोर की ब्रांड एंबेसडर के रुप में नियुक्ति।
- माननीय श्री मनसुखभाई मंडाविया द्वारा शिष्टाचार भेंट।
- उत्तराखंड के सहायक रजिस्ट्रारों की प्रदर्शनी भ्रमण हेतु मेजबानी।
- विश्व पर्यावरण दिवस: कर्मचारियों की भागीदारी के साथ राज्यव्यापी वृक्षारोपण अभियान।
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और सहयोग सप्ताह मनाया गया।
- सहयोग सप्ताह: स्वच्छता अभियान, ग्रीन ब्रांच पुरस्कार, सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार।

- 73वीं वार्षिक आम बैठक (अगस्त 2025): माननीय मुख्यमंत्री ने भाग लिया, मृतक ऋणी के पुत्र को 5 लाख का चेक प्रदान किया गया, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिले को सम्मानित किया गया।

निष्कर्ष

वर्ष 2024-25 के दौरान, खेती बैंक ने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन हासिल किया, 0% एनपीए बनाए रखा, डिजिटल प्रणालियों को बढ़ाया, किसान-हितैषी पहलों को लागू किया, पर्यावरण और सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रमों का विस्तार किया और पूरे गुजरात में अपनी सहकारी भूमिका को मजबूत किया।

फेडरेशन ऑफ मल्टीस्टेट को-ऑप. क्रेडिट सोसाइटीज लिमिटेड

प्रमुख गतिविधियाँ एवं मुख्य विशेषताएँ - वित्तीय वर्ष 2024-25

फेडरेशन ऑफ मल्टीस्टेट को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटीज़ लिमिटेड (पुणे) ने सहकारी मूल्यों, पारदर्शिता और सदस्य-केंद्रित विकास के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ अपनी सेवा का 10वाँ वर्ष पूरा किया। फेडरेशन का उद्देश्य बहुराज्यीय सहकारी ऋण समितियों के लिए एक एकीकृत मंच प्रदान करना है जो मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और वित्तीय स्थिरता प्रदान करता है।

वित्तीय विशेषताएँ

• चुकता शेयर पूंजी 06.90 लाख (प्रति सदस्य 158 सदस्य समितियाँ) तक पहुँच गई।
• फेडरेशन ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अधिशेष दर्ज किया।
• लगातार तीसरे वर्ष लेखापरीक्षा वर्गीकरण "A" बरकरार रखा।

संगठनात्मक पहल

सदस्यता बढ़कर 158 समितियों तक पहुँच गई।
प्रशिक्षण और सहकारी शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए गए।
बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम, 2002 के अनुसार उप-कानून संशोधनों को लागू किया गया। इसके अतिरिक्त अधिशेष राशि को आरक्षित निधि, प्रशिक्षण निधि और भवन निधि के लिए आवंटित किया गया।

मान्यता और समर्थन

महासंघ के मिशन और सहकारिता भावना को निम्नलिखित प्रतिष्ठित व्यक्तियों के दौरों और शुभकामनाओं से प्रोत्साहन मिला:

- डॉ. आशीष भूटानी, सचिव, केंद्रीय सहकारी मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ. मोनिका, संयुक्त सचिव, केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली

- श्री कपिल मीणा, निदेशक, केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ. सुधीर महाजन, मुख्य कार्यकारी, एनसीयूआई, नई दिल्ली

अध्यक्ष का संदेश

श्री सुरेश गोरक्षनाथ वाबले, अध्यक्ष ने इस बात पर ज़ोर दिया कि महासंघ का उद्देश्य केवल वित्तीय विकास ही नहीं बल्कि सदस्य समितियों को मज़बूत बनाना और राष्ट्रीय सहकारी आंदोलन में योगदान देना भी है।

बिहार राज्य सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (बिस्कोमान)

बिहार राज्य सहकारी विपणन संघ लिमिटेड पूर्वी भारत में अपनी तरह की सबसे बड़ी समितियों में से एक है। बिस्कोमान एक बहु-राज्यीय सहकारी समिति है जिसका संचालन दो राज्यों, बिहार और झारखंड में होता है।
इस समिति का मुख्यालय बिहार राज्य के पटना में गांधी मैदान के प्रमुख स्थान पर स्थित है, जहाँ बिस्कोमान भवन (5वीं मंजिल) और बिस्कोमान टॉवर (18वीं मंजिल) नामक विशाल इमारतें हैं जो बिहार की सबसे ऊँची संरचना के रूप में प्रसिद्ध हैं। बिस्कोमान टॉवर के साथ बिस्कोमान के सबसे ऊपरी तल (18वीं मंजिल) पर एक रेस्टोरेंट भी जुड़ा हुआ है जहाँ से शहर का शानदार दृश्य दिखाई देता है और बिस्कोमान की सुंदरता निखरती है। इसके अलावा बिस्कोमान की विशाल इमारत में कई सरकारी कार्यालय और निजी एजेंसियां भी किराए पर रहती हैं।

बिस्कोमान की प्रमुख गतिविधियाँ:-

1. बिस्कोमान के पास बिहार और झारखंड के प्रत्येक जिले में गोदामों और कोल्ड स्टोरेज के रूप में विशाल संपत्ति है।

2. बिस्कोमान बिहार के प्रत्येक जिले में केएसके (कृषक सेवा केंद्र) नामक अपने विभिन्न केंद्रों के माध्यम से सब्सिडी वाले उर्वरक बेचकर बिहार के किसानों की बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करता है।

चूँकि बिस्कोमान यूरिया और अन्य उर्वरक सब्सिडी दर पर बेचता है इसलिए हर मौसम में सुबह से ही केएसके पर भारी भीड़ देखी जा सकती है जो बिस्कोमान की कार्यशैली को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।
दूसरी ओर बाजार में निजी डीलरों के यहाँ कोई कतार या भीड़ नहीं दिखती।

3. बिस्कोमान कृषि इनपुट बेचने के अलावा अपने विभिन्न केएसके के माध्यम से किसानों को गुणवत्ता आधारित उपभोक्ता वस्तुएँ भी बेचता है।

4. बिस्कोमान अपने गोदामों को राज्य एजेंसियों और अन्य निजी व्यक्तियों को पट्टे पर भी देता है।

One of the KSK of BISCOMAUN

महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान प्रमुख गतिविधियाँ

अनुक्रमांक	विवरण	वित्त वर्ष 2024-25		
		लक्ष्य	उपलब्धि	प्रतिशत
1	शेयर पूंजी	600	595	99%
2	आरक्षित निधि	4,500	4,511	100%
3	एनपीए प्रावधान	2,500	2,600	104%
4	स्वामित्व वाली निधियाँ	7,600	7,706	101%
5	जमा (कुल)	20,000	26,359	132%
5.1	सीएएसए	2,700	1,865	69%
5.2	सावधि जमा	17,300	24,494	142%

अनुक्रमांक	विवरण	वित्त वर्ष 2024-25		
		लक्ष्य	उपलब्धि	प्रतिशत
6	अग्रिम	31,000	35,588	115%
7	कुल संपत्ति	5,200	5,396	104%
8	शुद्ध लाभ	650	652	100%
9	प्रति कर्मचारी लाभ	0.95	0.79	83%
10	कुल व्यवसाय	51,000	61,947	121%

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान प्रमुख गतिविधियाँ

- बैंक ने ISO 27001-2013 प्रमाणन प्राप्त किया है।
- ICY 2025 समारोहों के दौरान नए लोगो, सहकारी ध्वज, सहकारी गीत और सहकार गैलरी का अनावरण किया।
- MSC बैंक ने DCC बैंकों के लिए संस्थागत प्रशासक और सलाहकार के रूप में नियुक्ति प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है।
- पैक्स को सुदृढ़ बनाने हेतु पैक्स सचिवों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया।
- MSC बैंक समय-समय पर DCCB के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करता है ताकि विभिन्न मुद्दों पर सलाह दी जा सके।
- MSC बैंक ने सहकारी आवास समितियों को स्व-पुनर्विकास हेतु वित्तीय सुविधा प्रदान की।
- साइबर सुरक्षा संचालन केंद्र (C-SOC) की स्थापना की गई और इसकी सेवाएँ जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों और शहरी सहकारी बैंकों को निःशुल्क प्रदान की जाती हैं।
- MSC बैंक अपना स्वयं का UPI अधिग्रहणकर्ता हैंडल प्राप्त करने में सफल रहा।
- जोखिम न्यूनीकरण हेतु पूर्व चेतावनी संकेत लागू किया गया।
- 10 वर्षों के लिए सतत ऋण लिखत (पीडीआई) जारी किए गए।
- एमएससी बैंक एकमात्र सहकारी बैंक है जिसे महाराष्ट्र सरकार द्वारा सरकारी बैंकिंग लेनदेन करने के लिए अधिकृत किया गया है।
- एमएससी बैंक ब्लॉक चेन प्रणाली के माध्यम से गोदाम रसीद पर किसानों को ऋण सुविधा प्रदान करता है।

MSC BANK
राज्य सहकारी बँकेचा
नवीन लोगो, ध्वज व सहकार गीत
अनावरण
सोहळा
हस्ते
मा. ना. श्री. मुरलीधरजी मोहोळ
कार्यक्रमाचे अध्यक्ष
मा. ना. श्री. बाबासाहेब पाटील
coop
सहकारातून समृद्धी

सर विठ्ठलदास ठाकरसी
स्मृती भवन
सहकारातून समृद्धी

हरियाणा राज्य सहकारी विकास संघ लिमिटेड

Targets & Achievements of programmes conducted by HARCOFED under both Schemes for the year 2024-25 up to March, 2025.

Education & Publicity Training Programmes

Sr. No.	Name of Activities	No. of Courses	Trained Persons
1.	Employees Training Prog.	20	967
2.	Member Classes	193	6097
3.	Training Prog. 5 days	78	2316
4.	Student Awareness Programmes	173	10727
5.	Student visit	10	211
6.	Youth Skill Dev. Prog.	17	2472
7.	Coop. Leadership Dev. Programmes	12	580
8.	Concern for Community (Tree Plantation)	36	909
9.	International Cooperative Day	1	85
10.	C.M Pacs Multipurpose Seminar	3	465
11.	Cooperative Seminar for Mkt. Society	2	270
12.	AIF Seminar	11	1036
13.	Farmer Seminar	2	306
14.	Sugar Mill Seminar	6	790
15.	Women Seminar	5	656
16.	Essay Competition	7	258
17.	Drawing & painting Competition	6	221
18.	Speech Contest	5	231
19.	Farmer Training Camp	160	7951
20.	Seed Coop. Dev. Prog	7	267
21.	Natural Farming	9	1395
22.	International Cooperative Week	1	2000
23.	International Cooperative Day	1	7000
24.	International Women Day (IYC)	1	317
25.	Cooperatives-Transforming Rural Economy & Empowering Women Prog.(IYC)	1	200
	Total (A+B)	**767**	**47727**

ओडिशा राज्य सहकारी संघ, भुवनेश्वर

ओडिशा राज्य सहकारी संघ [ओएससीयू] 1948 से राज्य में कार्यरत शीर्ष सहकारी संगठन है। संघ सहकारी समितियों के माध्यम से जनता के सामाजिक-आर्थिक उत्थान हेतु सहकारी शिक्षा, प्रशिक्षण, प्रचार, प्रसार आदि के क्षेत्र में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहा है। संघ एक सहकारी समाचार पत्र "समबाया समाचार", सहकारिता विभाग के परिपत्र, सभी प्रकार की सहकारी समितियों के उपनियम प्रकाशित करता है। यह विभिन्न संवर्गों के कर्मचारियों के साथ-साथ सामान्य छात्रों को सहकारी प्रशिक्षण प्रदान करता है और संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से एक सहकारी सूचना ब्यूरो के रूप में कार्य करता है।

वर्ष 2024-25 के दौरान संघ की गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

1. 44 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और 2338 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।
2. सभी प्रकार के सहकारी संगठनों के लिए पैक्स/लैम्प्स स्तर पर "पथप्रान्त नाटक" के माध्यम से 48 सदस्य जागरूकता कार्यक्रम और जिला स्तर पर चार जिला स्तरीय सदस्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।
3. अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह-2024 के उपलक्ष्य में राज्य की 8000 से अधिक सहकारी समितियों को सहकारी ध्वज और किट बैग के साथ ओड़िया भाषा में दिशानिर्देश पुस्तिका (मार्गदर्शिका) वितरित की गई।
4. माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा, सचिव, सहकारिता विभाग, आरसीएस(ओ), एजीसीएस(ओ) जैसे अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सहकारी ध्वज फहराकर अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह-2024 मनाया गया और राज्य में कार्यरत सभी क्षेत्रों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सहकारी संगठनों को पुरस्कार प्रदान करके राज्य स्तरीय सहकारी सप्ताह-2024 समारोह का आयोजन किया गया जिसमें माननीय अध्यक्ष, ओडिशा विधानसभा, माननीय मंत्री, सहकारिता, आयुक्त-सह-सचिव, सहकारिता विभाग, आरसीएस(ओ), एजीसीएस(ओ) गणमान्य व्यक्तियों के रूप में इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।
5. सहकारिता विभाग और अन्य सभी निदेशालयों के साथ-साथ राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सभी सदस्य सहकारी समितियों और अन्य सहकारी सदस्यों को समबाया समाचार मुद्रित और प्रसारित किया गया।
6. 71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह-2024 के अवसर पर स्मारिका मुद्रित एवं वितरित की गई।
7. विभिन्न सहकारी प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों में वितरण हेतु एम-पैक्स, एमएफएससी एवं एमपीएमसीएस पर "सूचना पुस्तिका" और "आम समस्या उपारे सूचना" नामक दो पुस्तकें मुद्रित की गईं।
8. "सहकारिता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण" पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें ओडिशा के उपमुख्यमंत्री, आरसीएस(ओ), एजीसीएस(ओ) और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

୭୧ତମ
ନିଖିଳ ଭାରତ ସମବାୟ ସପ୍ତାହ
ଉଦ୍‌ଘାଟନୀ ଉତ୍ସବ
ସମବାୟ ଭବନ, ଭୁବନେଶ୍ୱର

ସମବାୟ ବିଭାଗ, ଓଡ଼ିଶା

तेलंगाना राज्य सहकारी एपेक्स बैंक लिमिटेड

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए टीजीसीएबी द्वारा आयोजित प्रमुख गतिविधियों की जानकारी

- **2K वॉकथॉन:**

वित्तीय साक्षरता सप्ताह (एफएलडब्ल्यू)-2025, दिनांक 24 से 28 फरवरी, 2025 तक मनाया गया जिसका विशेष जोर महिलाओं के सशक्तिकरण पर था और जिसका विषय 'वित्तीय साक्षरता - महिलाओं की समृद्धि' था ।

एफएलडब्ल्यू के एक भाग के रूप में आरबीआई हैदराबाद ने 2K वॉकथॉन की योजना बनाई जिसका आयोजन एसएलबीसी, तेलंगाना द्वारा 25.02.2025 को उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर हैदराबाद में किया गया।

तदनुसार, टीजीसीएबी के कर्मचारियों ने उक्त 2K वॉकथॉन में भाग लिया।

- **तेलंगाना स्थापना दिवस:**

तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस का दशकीय (दसवीं वर्षगांठ) समारोह 01 जून 2024 (02.06.2024 रविवार था) को बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। तत्कालीन प्रबंध निदेशक डॉ. नेथी मुरलीधर ने एक दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रबंध निदेशक ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बैंक के विकास के लिए आवश्यक दृष्टिकोण और मिशन और साथ ही कर्मचारी समृद्धि के बारे में विस्तार से बताया। दिनांक 2 जून 2024 को प्रबंध निदेशक ने प्रधान कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

- **स्वतंत्रता दिवस:**

78वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त 2024 को बैंक के प्रधान कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम नें बैंक के अध्यक्ष श्री मार्नेनी रविन्द्र राव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इस ध्वजारोहण समारोह के दौरान वरिष्ठ अधिकारी और अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

- **तेलंगाना प्रजा पालना दिनोत्सव:**

तेलंगाना सरकार के निर्देशानुसार 17 सितंबर 2024 को बैंक के प्रधान कार्यालय परिसर में प्रजा पालना दिनोत्सव मनाया गया। श्रीमती टी. बैंक की मुख्य महाप्रबंधक ज्योति ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। इस ध्वजारोहण समारोह के दौरान वरिष्ठ अधिकारी और अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

- **सहकारिता सप्ताह समारोह:**

71वाँ अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह 14 नवंबर से 20 नवंबर 2024 तक मनाया गया जिसका उद्देश्य देश में सहकारी गतिविधियों के बारे में लोगों को जागरूक करना, उनकी सफलताओं और उपलब्धियों पर प्रकाश डालना और सहकारी आंदोलन के विकास के लिए भविष्य की कार्ययोजनाएँ तैयार करना था।

71वें सहकारिता सप्ताह समारोह का विषय "विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका" था।

टीजीसीएबी अध्यक्ष श्री मार्नेनी रविन्द्र राव ने सप्ताह भर चलने वाले इस समारोह के उपलक्ष्य में 14 नवंबर 2024 को सहकारिता ध्वज फहराया था।

सहकारिता सप्ताह समारोह के एक भाग के रूप में 19 नवंबर 2024 को मुख्यालय में सहकारिता पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

- **राष्ट्रीय मतदाता दिवसः**

14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर दिनांक 25.01.2025 को प्रबंध निदेशक टीजीसीएबी, मुख्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई।

- **गणतंत्र दिवस समारोहः**

26 जनवरी 2025 को बैंक के मुख्यालय में 76वाँ गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। टीजीसीएबी अध्यक्ष श्री मार्नेनी रविन्द्र राव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। इस ध्वजारोहण समारोह के दौरान वरिष्ठ अधिकारी, अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

- **महिला दिवस समारोहः**

दिनांक 15.03.2025 को बैंक परिसर में महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें प्रबंधन ने कुछ प्रेरक महिला उद्यमियों को सम्मानित किया। यह दिन ऊर्जा और उल्लास से भरपूर था जिसमें जीवंत संगीत बैंड प्रदर्शन से लेकर हमारी महिला कर्मचारियों के लिए मनोरंजक खेलों तक की गतिविधियाँ शामिल थीं जिसने इसे वास्तव में एक यादगार कार्यक्रम बना दिया। सभी महिला कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रुप से भाग लिया।

दिनांक 15.03.2025 को IYC 2025 के भाग के रूप में TGCAB, मुख्यालय में महिला दिवस समारोह आयोजित किया गया।

महाराष्ट्र राज्य बलुतेदार सहकारी समिति महासंघ, पुणे

महाराष्ट्र राज्य बलुतेदार सहकारी समिति महासंघ ग्रामीण कारीगरों और ब्लॉक स्तरीय समितियों का एक शीर्ष महासंघ है। यह महासंघ कौशल विकास कार्यशालाओं के माध्यम से विपणन तकनीकी ज्ञान प्रदान करते हैं। इसमे कोई संदेह नहीं कि ग्रामीण कारीगरों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का उदय हो रहा है। बलुतेदार का अर्थ है कृषि और ग्राम विकास के लिए कार्य करना। हमारे ग्रामीण कारीगर, बलुतेदार, बर्तन, सहायक उपकरण, कृषि उपकरण और कृषि से अनाज प्राप्त करते हैं।

इस महासंघ द्वारा अध्यक्षों की बहुउद्देशीय सहकारी समितियों और शहरी सहकारी बैंक के लिए " मरणोत्तर अवयवदाने - देहदान " कार्यक्रम और नेतृत्व विकास का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, आयुक्त और रजिस्ट्रार सहकारी समिति महाराष्ट्र राज्य श्री अनिलजी कनाडे जी और अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

महाराष्ट्र राज्य बलूतेदार सहकारी समिति लिमिटेड, पुणे ने ब्लॉक स्तरीय सहकारी समितियों के सचिव के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनांक 19 नवंबर, 2023 को पुणे चैंबर्स ऑफ कॉमर्स हॉल में 223 प्रतिभागियों के लिए सहकारी सप्ताह के प्रवेश की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य सहकारी समितियों के आयुक्त एवं रजिस्ट्रार माननीय अनिल कनाडे भी उपस्थित थे। इस अतिरिक्त इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय रवींद्र साठे, अध्यक्ष, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, महाराष्ट्र, माननीय रेमदासजी मोरे, अध्यक्ष, संघ महाराष्ट्र और माननीय सुभाष पटोले, अध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य बलूतेदार सहकारी संघ लिमिटेड, पुणे भी उपस्थित थे।

प्रेरणा बहु-राज्यीय समिति

मिशन और आउटरीच

प्रेरणा मल्टीस्टेट अर्बन को-ऑप क्रेडिट सोसाइटी (अहमदनगर) सुलभ वित्तीय सेवाएँ प्रदान करके ग्रामीण और वंचित समुदायों की सेवा करने के अपने मिशन पर केंद्रित रही। इस सोसाइटी ने 2024-25 के दौरान 7 शाखाओं का एक स्थिर नेटवर्क संचालित किया जिससे 5,845 सदस्यों की सदस्यता प्राप्त हुई। इसमे ज़रूरतमंद और अविकसित क्षेत्रों के प्रति सोसाइटी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए आउटरीच को और अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तारित करने की योजनाएँ चल रही हैं। इसमे समुदाय-केंद्रित पहलों को प्राथमिकता दी गई। इसमे सोसाइटी ने अपने सहकारी सिद्धांतों के अनुरुप, वित्तीय साक्षरता अभियान, स्वास्थ्य और रक्तदान शिविर, सदस्यों के बच्चों के लिए शैक्षिक सहायता और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का समर्थन करते हुए महिला सशक्तिकरण सत्र आयोजित किए।

वित्तीय प्रदर्शन

सोसाइटी के समक्ष चुनौतीपूर्ण आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद सोसाइटी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में मजबूत वृद्धि हासिल की। इसके तहत कुल जमा राशि 67.18 करोड़ रुपये से बढ़कर 77.54 करोड़ रुपये (31 मार्च, 2025 तक) हो गई जबकि कुल अग्रिम 45.04 करोड़ रुपये से बढ़कर 54.24 करोड़ रुपये हो गई जो कि सदस्यों को मजबूत ऋण विस्तार का संकेत दर्शाता है। इसमे कर-पश्चात शुद्ध लाभ उल्लेखनीय रुप से बढ़ा जो पिछले वर्ष के 10.49 लाख रुपये से बढ़कर 2024-25 में 17.68 लाख रुपये हो गया। इन लाभों को स्थिर परिचालन दक्षता और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन का समर्थन प्राप्त हुआ। सोसाइटी की शेयर पूंजी और आरक्षित निधि भी मजबूत हुई और शाखा नेटवर्क सात पर बना रहा जिससे इसके संचालन क्षेत्रों में सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित हुई।

तकनीकी प्रगति

सोसाइटी के सदस्य सेवाओं और परिचालन दक्षता में सुधार के लिए प्रेरणा समिति ने वर्ष के दौरान अपनी कोर बैंकिंग प्रणाली और तकनीकी अवसंरचना को उन्नत किया। इसमे तेज़ और अधिक विश्वसनीय सेवा वितरण के लिए एक नया कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) लागू किया गया। सोसाइटी ने सदस्यों के लिए संचार और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एसएमएस अलर्ट सेवाएँ और ई-पासबुक सुविधाएँ भी शुरु कीं। इसमे उल्लेखनीय रुप से खातों और लेनदेन तक सुविधाजनक डिजिटल पहुँच प्रदान करने के लिए एक मोबाइल बैंकिंग ऐप का विकास किया जा रहा है। इन तकनीकी पहलों ने साइबर सुरक्षा को मज़बूत किया है और सोसाइटी को अपने सदस्यों की आधुनिक बैंकिंग अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार किया है।

शासन, अनुपालन और आरक्षित निधियाँ

सोसाइटी ने वैधानिक अनुपालन, समय पर लेखा परीक्षा और लाभ का विनियोजन आरक्षित निधियों, शिक्षा और लाभांश वितरण के लिए किया।

श्री सुजीत सुरेश वाबले, अध्यक्ष ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 विकास और मान्यता का वर्ष था। उन्होंने आगे कहा कि “हमारी सोसाइटी सहकारी मूल्यों में निहित रहते हुए आधुनिक वित्तीय समाधानों के साथ ग्रामीण और ज़रुरतमंद समुदायों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके पश्चात लेखा परीक्षा रिपोर्ट और वित्तीय विवरण सहकारी समितियों के केंद्रीय भंडार को शीघ्रता से प्रस्तुत किए गए। प्रेरणा समिति ने लगातार तीसरे वर्ष “A” लेखा परीक्षा वर्गीकरण बनाए रखा (जो उच्च लेखा परीक्षा मानकों को दर्शाता है) और समय पर कर दाखिल करने सहित सभी नियामक आवश्यकताओं का अनुपालन किया।

सहकारी नियमों के अनुसार सोसाइटी ने लाभ के सभी आवश्यक विनियोजन किए। उदाहरण के लिए शुद्ध लाभ का 25% सामान्य आरक्षित निधि में स्थानांतरित किया गया और शुद्ध लाभ का 1% एनसीयूआई सहकारी शिक्षा कोष में योगदान दिया गया। अन्य आरक्षित निधियों (जैसे अशोध्य ऋण आरक्षित निधि और सदस्य कल्याण निधि) में अतिरिक्त आवंटन किए गए और सदस्यों के लिए उचित लाभांश का प्रावधान किया गया जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि अधिशेष आय सोसाइटी के वित्तीय आधार को मजबूत करे और इसकी सहकारी विकास पहलों का समर्थन करे।

कुल मिलाकर हम कह सकते हैं कि वित्तीय वर्ष 2024-25 प्रेरणा मल्टीस्टेट अर्बन को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी के लिए स्थिर विकास और सामुदायिक प्रभाव का वर्ष रहा। अपने मूल मिशन, वित्तीय विवेक, तकनीकी उन्नयन और सहकारी सिद्धांतों के अनुपालन पर सोसाइटी के ध्यान ने इसे आने वाले वर्षों में ग्रामीण और ज़रुरतमंद समुदायों की सेवा जारी रखने के लिए अच्छी स्थिति में रखा है।

डॉ. आशीष कुमार भूटानी, सचिव, सहकारिता मंत्रालय ने संस्थापक श्री सुरेश वाबले, अध्यक्ष, श्री सुजीत वाबले, उपाध्यक्ष, प्रो. वेणुनाथ लाम्बे और निदेशक मंडल के साथ प्रेरणा मल्टीस्टेट का दौरा किया।

श्री दिलीप संघाणी, अध्यक्ष, एनसीयूआई, नई दिल्ली ने संस्थापक श्री सुरेश वाबले, अध्यक्ष, प्रो. वेणुनाथ लांबे, उपाध्यक्ष और निदेशक मंडल के साथ प्रेरणा मल्टीस्टेट का दौरा किया।

पारिवारिक विकास सहकारी बचत और ऋण समिति लिमिटेड, (फैमको)

1. परिचय:

FAMCO को केंद्रीय सहकारी रजिस्ट्रार, नई दिल्ली द्वारा 23 जुलाई, 2009 को पंजीकृत किया गया था। FAMCO निम्नलिखित विजन और मिशन के साथ कार्य कर रहा है:

विजन: सहयोग के सिद्धांतों पर आधारित एक समतावादी समाज का निर्माण करना जहाँ न्याय, समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और शांति के गुण स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर लोगों के जीवन मूल्य हों।

विजन: FAMCO गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों, कमजोर वर्गों, दलितों और वंचित समुदायों और परिवारों के साथ उनके समूहों/संघों के माध्यम से और उनकी भागीदारी और साझाकरण के माध्यम से काम करेगा। इस प्रक्रिया में FAMCO उन सोसाइटियों, ट्रस्टों, संघों, कंपनियों, सहकारी समितियों और अन्य संगठनों के साथ सहयोग करेगा जो लोगों के सशक्तिकरण के लिए सहकारिता/विकास के सिद्धांतों में विश्वास करते हैं।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए FAMCO अपने मुख्य उद्देश्य, अर्थात् "सहकारी सिद्धांतों के अनुरुप स्वयं सहायता और पारस्परिक सहायता के माध्यम से अपने सभी सदस्यों के हितों को बढ़ावा देना ताकि वे सामाजिक और आर्थिक रुप से बेहतर बन सकें," को प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है।

2. सदस्यता:

31.03.2025 तक FAMCO के कुल 199 (72 व्यक्तिगत सदस्य और 127 समूह सदस्य) सदस्य हैं । कुल चुकता शेयर पूँजी ₹19,36,500/- है। सदस्यता में यह कमी FAMCO की गतिविधियों में सदस्यों द्वारा तीन वर्षों से अधिक समय तक भाग न लेने के कारण हुई है। 12.08.2024 को आयोजित 15वीं वार्षिक आम बैठक में व्यक्तिगत और समूह दोनों ही निष्क्रिय सदस्यों को सदस्यों की सूची से हटाने का निर्णय लिया गया। 31.03.2024 तक सदस्यों की कुल संख्या 460 (117 व्यक्तिगत सदस्य और 343 समूह सदस्य) थी और कुल चुकता शेयर पूंजी 16,91,700 रुपये थी। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 14 नए व्यक्तिगत सदस्य और 9 नए समूह सदस्य क्रमशः 4,800 रुपये और 1,00,000 रुपये की शेयर पूंजी के साथ FAMCO में शामिल हुए। 10 समूह सदस्यों से 1,40,000 रुपये की अतिरिक्त शेयर पूंजी जुटाई गई। इस प्रकार समीक्षाधीन अवधि के दौरान शेयरों में कुल वृद्धि 2,44,800 रुपये रही।

3. जमा:

31.03.2025 तक जमा राशि 1,69,82,563.94 रुपये है।

4. स्वयं सहायता समूहों को ऋण:

सदस्य स्वयं सहायता समूहों को सूक्ष्म उद्यमों और स्व-रोज़गार गतिविधियों से जुड़ी आर्थिक विकास गतिविधियों के लिए ऋण दिया जाता है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान FAMCO ने 37 स्वयं सहायता समूहों को कुल ₹1,25,00,000/- का ऋण जारी किया।

5. FAMCO के नए कार्यालय का उद्घाटन:

FAMCO का नया कार्यालय, प्रथम तल, लापोर्ट स्ट्रीट, पुदुचेरी-605001 में स्थापित किया गया। इसका उद्घाटन 18-01.2025 को प्रातः 10:30 बजे प्रो. डॉ. क्लेमेंट लूर्डेस, निदेशक, पांडिचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय, चिन्ना कलापेट, पुदुचेरी-605014 द्वारा FAMCO के संस्थापक एवं प्रवर्तक रेवरेंड फादर ए.एस. एंटोनिसामी की उपस्थिति में किया गया। रेवरेंड फादर पी.ए. अरुलदोस, कार्यकारी निदेशक, पीएमएसएसएस, पुदुचेरी ने नए कार्यालय को आशीर्वाद दिया। प्रो. डॉ. क्लेमेंट लूर्डेस, निदेशक, पुदुचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उद्घाटन भाषण दिया। रेवरेंड फादर पी.ए. अरुलदोस, कार्यकारी निदेशक, पीएमएसएसएस ने सभी का अभिनंदन किया।

6. FAMCO निदेशक मंडल का चुनाव:

FAMCO के निदेशक मंडल का चुनाव सहकारी चुनाव प्राधिकरण (CEA), नई दिल्ली द्वारा दिए गए चुनाव आदेश के अनुसार पुडुचेरी के निर्वाचन अधिकारी सह जिला मजिस्ट्रेट द्वारा संपन्न कराया गया। निर्वाचन अधिकारी की सहायता के लिए CEA द्वारा एक सहायक निर्वाचन अधिकारी भी नियुक्त किया गया था। निर्वाचन अधिकारी द्वारा FAMCO के सभी सदस्यों को चुनाव सूचना पत्र भेजे गए। 15 में से 13 निदेशक 12.08.2024 को निर्विरोध निर्वाचित हुए और CEA, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित किए गए।

7. चित्रदुर्ग, कर्नाटक में 71वां अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह 2024 मनाया गया:

दिनांक 6 दिसंबर, 2024 को चित्रा डॉन बॉस्को, चित्रदुर्ग ने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों के लिए 71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के उपलक्ष्य में चित्रा डॉन बॉस्को, चित्रदुर्ग में एक महत्वपूर्ण बैठक और समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत चित्रा डॉन बॉस्को के स्वयं सहायता समूह एनिमेटर श्री सोमलिंगप्पा द्वारा गाए गए एक प्रार्थना गीत के साथ हुई। चित्रा डॉन बॉस्को के प्रभारी एवं प्रशासक रेवरेंड फादर वी. एम. मैथ्यू ने प्रतीकात्मक रूप से एक पौधे को पानी देकर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया।

इस समारोह के उद्घाटन के बाद चित्रा डॉन बॉस्को की कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती एंथनी थेरेसा ने 71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह 2024 के विषय: “विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका” पर केंद्रित एक मुख्य भाषण दिया। उन्होंने राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को मज़बूत करने में सहकारी समितियों की परिवर्तनकारी क्षमता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने वित्तीय स्वतंत्रता को सक्षम बनाकर, सामूहिक निर्णय लेने को बढ़ावा देकर और स्थायी आजीविका को प्रोत्साहित करके महिलाओं, युवाओं और समाज के कमज़ोर वर्गों को सशक्त बनाने में सहकारी समितियों के महत्व पर ज़ोर दिया।

श्रीमती थेरेसा ने प्रतिभागियों से सहकारी समितियों को वित्तीय संस्थानों से कहीं बढ़कर देखने का आग्रह किया और उन्हें समुदाय-उन्मुख पहलों और सामूहिक गतिविधियों के लिए एक मंच के रूप में उपयोग करने की वकालत की जो केवल ऋण तक पहुँच से आगे जाती हैं।

चित्रा डॉन बॉस्को के स्वयं सहायता समूह एनिमेटर श्री सोमलिंगप्पा ने महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्यों के बीच एकता को बढ़ावा देने, संचार में सुधार लाने और अवलोकन कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से एक इंटरैक्टिव गतिविधि का संचालन किया।

इस समारोह का समापन एक इंटरैक्टिव सत्र के साथ हुआ जहाँ प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और सहकारी पहलों

को मज़बूत करने की रणनीतियों पर चर्चा की।

FAMCO की 15वीं वार्षिक आम बैठक 12.08.2024 का आयोजन

15वीं वार्षिक आम बैठक के प्रतिभागी विचार-विमर्श करते हुए

सचिव द्वारा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तती

FAMCO संस्थापक का संबोधन

चित्रदुर्ग में 71वें राष्ट्रीय सहकारी सप्ताह का आयोजन

कराईकल शाखा में कार्मिको को प्रेरित करते हुए

श्री संत नागेबाबा बहुराज्यीय सहकारी शहरी ऋण समिति लिमिटेड, अहमदनगर

समिति द्वारा जारी सामाजिक पहल: -

1. शैक्षिक पहल

- 15 जून 2002 को गुंडोगन ताल-नेवासा, जिला-अहिल्यानगर में हनुमान विद्यालय की स्थापना की गई।
- वर्तमान में 300 से अधिक वंचित छात्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ उठा रहे हैं।
- एमपीएससी/यूपीएससी कोचिंग और कार्यशालाएँ आयोजित करता है तथा 15 उम्मीदवारों ने सरकारी पदों के लिए सफलतापूर्वक अर्हता प्राप्त की है।

2. पर्यावरणीय पहल

- नागेबाबा हरित भारत आंदोलन: 5,500 से अधिक प्रतिभागी और वार्षिक निःशुल्क पौधा वितरण।
- नई पहल: पारिस्थितिक संरक्षण के लिए 300 एकड़ में बरगद का वृक्षारोपण।

3. नागेबाबा सुरक्षा कवच

- आकस्मिक मृत्यु कवर ₹10 लाख तक और अस्पताल में भर्ती होने पर चिकित्सा लाभ ₹5 लाख तक मामूली शुल्क पर।
- अब तक 62 मृतक सदस्यों के परिवारों को ₹3.48 करोड़ वितरित किए गए।
- 162 से अधिक सदस्यों को आकस्मिक चिकित्सा व्यय के लिए ₹1.96 करोड़ दिए गए।

4. नागेबाबा स्मार्ट कार्ड

• कार्डधारकों और उनके परिवारों को संबद्ध अस्पतालों, मॉल, शोरुम, होटलों आदि में विशेष छूट प्रदान करता है।

5. आर्थिक सशक्तिकरण

• उद्यमिता विकास

प्रसिद्ध पेशेवरों और वक्ताओं द्वारा प्रेरक सेमिनार, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन।
भेंडा में समर्पित व्यावसायिक परिसर (नागेबाबा मार्ट) स्टार्ट-अप और स्थानीय उद्यमियों का समर्थन करता है।

6. नागेबाबा भक्त निवास:

- श्री क्षेत्र भेंडा में, नागेबाबा भक्त निवास सदस्यों को किफायती आवास, एक बहुउद्देशीय हॉल और विवाह हॉल की सुविधाएँ प्रदान करता है।

- नागेबाबा परिवार द्वारा जीते गए कुछ प्रतिष्ठित पुरस्कार:

o लोकमत बिज़नेस आइकॉन (राज्य स्तर)
o जनीव पुरस्कार (राज्य स्तर)
o नवभारत टाइम्स सर्वश्रेष्ठ संस्थान (राज्य स्तर)
o सर्वश्रेष्ठ एम्पायर ब्रांड पुरस्कार
o सकाल - सर्वश्रेष्ठ संस्थान
o सहकार भूषण पुरस्कार
o कर्मयोगी पुरस्कार
o ज़ी 24 तास उड़ान पुरस्कार (राज्य स्तर)
o सर्वाधिक विश्वसनीय बहु-राज्य पुरस्कार
o अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक उत्कृष्टता पुरस्कार

7. नागेबाबा परिवार का विजन: -

• नागेबाबा परिवार का प्रत्येक सदस्य निम्नलिखित पहलुओं में मजबूत बनता है जैसे आर्थिक, मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक, शैक्षिक, आध्यात्मिक, सामाजिक इत्यादि ।

श्री दिलीप संघाणी, अध्यक्ष एनसीयूआई, डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव, अध्यक्ष आईसीए-एपी और श्री मंगल जीत राय, अध्यक्ष एसआईसीयूएन ने दिनांक 29 मार्च 2025 को “सिक्किम में सहकारिता के संवर्धन और विकास” पर राज्य स्तरीय सम्मेलन के अवसर पर सिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) को सम्मानित किया।

माननीय त्रिपुरा मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, श्री शुक्ला चरण नोतिया, सहकारिता मंत्री, त्रिपुरा सरकार, श्री दिलीप संघाणी , अध्यक्ष एनसीयूआई, 4 फरवरी 2025 को “त्रिपुरा में सहकारिता के संवर्धन और विकास” पर राज्य स्तरीय सम्मेलन के दौरान

सहकार से समृद्धि

Scan the QR codes for more updates

National Cooperative Union of India

NCUI HAAT

CEAS-LMS

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ

3, सीरी इन्स्टीट्यूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग नई दिल्ली-110016
दूरभाष : 011-40793299,41811154, 46062727
ई-मेल : info@ncui.coop वेबसाइट : www.ncui.coop